



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 49]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 7 दिसम्बर 2012—अग्रहायण 16, शक 1934

भाग ४

विषय-सूची

(क)	(1) मध्यप्रदेश विधेयक,	(2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन,	(3) संसद में पुरःस्थापित विधेयक.
(ख)	(1) अध्यादेश,	(2) मध्यप्रदेश अधिनियम,	(3) संसद् के अधिनियम.
(ग)	(1) प्रारूप नियम,	(2) अन्तिम नियम.	

भाग ४ (क)—कुछ नहीं

भाग ४ (ख)—कुछ नहीं

भाग ४ (ग)

अन्तिम विनियम

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग

पंचम तल, मेट्रो प्लाजा, ई-5, अरेरा कालोनी, बिट्टन मार्केट, भोपाल—462016

भोपाल, दिनांक 29 नवम्बर 2012

क्र. 3296-मप्रविनिआ-2012.—विद्युत अधिनियम, 2003 (क्रमांक 36, वर्ष 2003) की धारा 181(2) (जेड डी) सहपठित धारा 45 तथा 61 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, एतद्द्वारा निम्न अधिनियम बनाता है जो कि एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय की जा रही विद्युत के प्रभार निर्धारित किये जाने बाबत् विधियां तथा सिद्धान्त बनाता है तथा दिनांक 1 अप्रैल 2013 से आरंभ अवधि जो दिनांक 31 मार्च 2016 तक तीन वर्षों के लिये जारी रहेगी, के दौरान मध्यप्रदेश राज्य में विद्युत के चक्रण तथा विद्युत प्रदाय की टैरिफ संबंधी निबंधन एवं शर्तें विनिर्दिष्ट करता है.

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभागों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम, 2012
[आरजी-35(I) वर्ष 2012]

प्रस्तावना

जबकि आयोग द्वारा दिनांक 9 दिसम्बर 2009 को मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभागों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम, 2009 (जी-35, वर्ष 2009) अधिनियमित किये गये थे, बहुवर्षीय टैरिफ की द्वितीय नियंत्रण अवधि दिनांक 31 मार्च 2013 को समाप्त हो जाएगी अतएव वित्तीय वर्ष 2013-14 से वित्तीय वर्ष 2015-16 की आगामी नियंत्रण अवधि हेतु विद्युत वितरण विद्युत-दर (टैरिफ) की निबन्धन तथा शर्तें विनिर्दिष्ट किये जाने के प्रयोजन से, ये विनियम अधिनियमित किये जा रहे हैं.

अध्याय—एक

प्रारंभिक

1. **संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ.**—1.1 ये विनियम “मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभागों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धान्त) विनियम, 2012 [आरजी-35 (I) वर्ष 2012]” कहलायेंगे.

1.2 इन विनियमों का विस्तार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश राज्य में होगा.

1.3 ये विनियम विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि दिनांक 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2016 तक प्रभावशील रहेंगे. दिनांक 1 अप्रैल 2013 से प्रारंभ होने वाली अवधि हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा विद्युत चक्रण एवं प्रदाय संबंधी याचिकाएं केवल इन विनियमों के अनुसार ही दायर की जा सकेंगी.

2. विस्तार तथा लागू किये जाने की सीमा :

2.1 ये विनियम विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 के अन्तर्गत राज्य के वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा उपभोक्ताओं को विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु प्रभारित की जाने वाली विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण संबंधी समस्त प्रकरणों में लागू होंगे.

3. प्रचालन के मानदण्डों का परिसीमन उच्चस्थ होना :

3.1 शंकाओं के निवारण के उद्देश्य से स्पष्ट किया जाता है कि इन विनियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट प्रचालन के मानदण्डों का परिसीमन उच्चस्थ है तथा यह वितरण अनुज्ञप्तिधारियों तथा उपभोक्ताओं को प्रोन्नत मानदण्डों पर सहमति से प्रतिबाधित नहीं करेगा तथा इस प्रकार के प्रोन्नत मानदण्डों पर जब भी सहमति हो जाएगी विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु प्रयोज्य होंगे.

4. परिभाषाएं :

4.1 जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो, इन विनियमों में,—

(ए) “अधिनियम (Act)” से अभिप्रेत है, विद्युत अधिनियम, 2003 (क्रमांक 36, वर्ष 2003);

(बी) “लेखांकन विवरण-पत्रों (Accounting Statements)” से अभिप्रेत है प्रत्येक वित्तीय वर्ष हेतु निम्नलिखित विवरण-पत्र, अर्थात्:—

- (i) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग I में संबंधित अन्तर्विष्ट प्ररूप के अनुसार तैयार किया गया तुलन-पत्र (बैलेंस शीट); मय संबंधित टिप्पणियों तथा ऐसे अन्य सहायक अभिलेख तथा जानकारी के, जैसा कि वे आयोग द्वारा समय-समय पर आदेशित किये जाएं;
- (ii) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग II के उपबन्धों के परिपालन में लाभ तथा हानि का विवरण-पत्र;
- (iii) इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया के रोकड़-प्रवाह विवरण-पत्र (कैश-फ्लो स्टेटमेन्ट) (अकाउंटिंग स्टैण्डर्ड-3) के लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किया गया रोकड़-प्रवाह विवरण-पत्र जैसा कि इसे (लेखांकन मानक) नियम, 2006 अर्थात् Companies (Accounting Standards), Rule, 2006 में अधिसूचित किया गया है;
- (iv) अनुज्ञप्तिधारी के वैधानिक अंकेक्षक (i) का प्रतिवेदन;
- (v) संचालकों का प्रतिवेदन तथा लेखांकन नीतियां;

- (vi) केन्द्र सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(1)(डी) के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट लागत अभिलेख, यदि कोई हों; तथा
- (vii) विनियामक अर्हताओं की आपूर्ति हेतु ऐसे अन्य विवरण-पत्र जैसे कि वे आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएं ;
- (सी) "सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता (Aggregate Revenue Requirement-ARR)" से अभिप्रेत है किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उसके अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापारों हेतु उक्त वर्ष(ों) हेतु सम्पूर्ण व्ययों का प्राक्कलन, जिस/जिन हेतु यह तैयार किया जाता है ;
- (डी) "आवेदक (Applicant)" से अभिप्रेत है एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी जिसके द्वारा इन विनियमों के अनुसार विद्युत चक्रण तथा प्रदाय की विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है;
- (ई) "अंकेक्षक (Auditor)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा कम्पनी अधिनियम, 1956 (क्रमांक 1, वर्ष 1956) की धारा 224, 233(बी) तथा 619 के उपबन्धों अथवा तत्समय प्रवृत्त अन्य किसी विधि के अन्तर्गत नियुक्त किया गया कोई अंकेक्षक ;
- (एफ) "अधिकृत भार (Authorised Load)" को किलोवॉट (केडब्लू), केवीए अथवा अश्वशक्ति (हार्स पावर) यूनिटों में अभिव्यक्त किया जाएगा तथा इसे मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 यथासंशोधित में निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार अवधारित किया जाएगा ;
- (जी) "बैंक दर (Bank Rate)" से अभिप्रेत है भारतीय रिजर्व बैंक के किसी सुसंगत वर्ष की दिनांक एक अप्रैल को लागू की गई बैंक दर ;
- (एच) "आयोग (Commission)" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग;
- (आई) "आयोग सचिव (Commission Secretary)" से अभिप्रेत है आयोग के सचिव;
- (जे) "संविदाकृत ऊर्जा (Contracted Power)" से अभिप्रेत है मेगावाट में अभिव्यक्त की गई ऊर्जा जिसे वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अपनी प्रणाली में चक्रण किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गई है;
- (के) "क्रेता (Customer)" से अभिप्रेत है, एक ऐसा व्यक्ति जिसके द्वारा एक कैप्टिव विद्युत उत्पादक संयंत्र स्थापित किया गया है अथवा एक अनुज्ञप्तिधारी अथवा खुली पहुंच का लाभ प्राप्त करने वाला एक उपभोक्ता जो वितरण अनुज्ञप्तिधारी की वितरण प्रणाली का उपयोग कर रहा हो;
- (एल) "वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि (Date of Commercial Operation-COD)" से अभिप्रेत है किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी के विद्युत तन्तुपथ (लाईन) अथवा उपकेन्द्र को उसके घोषित वोल्टेज स्तर पर प्रभारित किये जाने अथवा वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इसे

प्रभारित करने की तिथि अथवा वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रभारण हेतु तैयार घोषित तिथि से सात दिवस के भीतर की तिथि, परन्तु जो क्रेताओं संबंधी परिस्थितियों के कारणवश वास्तविक रूप से प्रभारित न की जा सकी हो ;

- (एस) "घोषित वोल्टेज (Declared Voltage)" से अभिप्रेत है म.प्र. विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 यथासंशोधित के अंतर्गत विनिर्दिष्ट की गई वोल्टेज की मात्रा ;
- (एन) "विद्युत वितरण कंपनी (Discom) से अभिप्रेत है डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी अथवा विद्युत वितरण कंपनी जिसके अंतर्गत "पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, "पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड तथा "मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी" से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से है;
- (ओ) "वितरण अनुज्ञप्तिधारी (Distribution Licensee)" से अभिप्रेत ऐसे अनुज्ञप्तिधारी से है जो उसके विद्युत प्रदाय में विद्युत प्रदाय हेतु एक वितरण प्रणाली को संचालित तथा संधारित करने हेतु प्राधिकृत है ;
- (पी) "वितरण हानि (Distribution Loss)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत वितरण प्रणाली में घटित कुल ऊर्जा की हानियां जिन्हें आगमित ऊर्जा (energy input) तथा विक्रयों के अन्तर के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो ;
- (क्यू) "विद्यमान परियोजना (Existing Project)" से अभिप्रेत है दिनांक 1.4.2013 से पूर्व किसी तिथि को वाणिज्यिक प्रचालन के अंतर्गत घोषित की गई कोई परियोजना ;
- (आर) "किया गया व्यय (Expenditure incurred)" से अभिप्रेत है कोई निधि, भले वह पूंजी (Equity) अथवा ऋण (debt) हो अथवा दोनों हो जिसे उपयोगी परिसम्पत्तियों के सृजन अथवा अधिप्राप्ति हेतु वास्तविक रूप से रोकड़ अथवा रोकड़ समतुल्य भुगतान किया गया है तथा इनमें वे वचनबद्धताएं अथवा दायित्व शामिल न होंगे, जिन हेतु कोई राशि मुक्त न की गई हो;
- (एस) "अति उच्च दाब उपभोक्ता [Extra High Tension (EHT) Consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 33000 वोल्ट से अधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो तथापि, मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 यथा संशोधित, के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घटत-बढ़त (variation) के अध्वधीन होगी ;
- (टी) "उच्च दाब उपभोक्ता [High Tension (HT) Consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 650 वोल्ट से अधिक तथा 33000 वोल्ट से अनाधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो तथापि, मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 यथा संशोधित, के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घटत-बढ़त (variation) के अध्वधीन होगी ;

- (यू) "अनुज्ञप्तिधारी (Licensee) से अभिप्रेत ऐसे व्यक्ति से है जिसे विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 14 के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्रदान की गई हो ;
- (वी) "निम्न दाब उपभोक्ता [Low Tension (LT) consumer]" से अभिप्रेत है एक उपभोक्ता जिसे सामान्य परिस्थितियों के अंतर्गत 650 वोल्ट से अनाधिक विद्युत प्रदाय की जा रही है जो तथापि, मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता, 2004 यथा संशोधित, के अंतर्गत अनुज्ञेय किये गये प्रतिशत घटत-बढत (variation) के अध्यधीन होगी ;
- (डब्लू) "दीर्घ-अवधि क्रेता (Long-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन वर्षों की अवधि से अधिक का धारणाधिकार (lien) रखता हो ;
- (एक्स) "मध्यम-अवधि क्रेता (Medium-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन माह से अधिक तथा तीन वर्षों की अवधि तक का धारणाधिकार (lien) रखता हो ;
- (वाई) "अधिकारी (Officer)" से अभिप्रेत है, आयोग का कोई अधिकारी;
- (जेड) "प्रचालन तथा संधारण व्यय (Operation and Maintenance expenses or O&M expenses)" से अभिप्रेत है वितरण अनुज्ञप्तिधारी के वितरण तथा प्रदाय-तन्त्र (नेटवर्क) के प्रचालन तथा संधारण पर किया गया कोई व्यय, उसके किसी अंश को सम्मिलित करते हुए तथा इसमें शामिल होंगे जनशक्ति, मरम्मत कल-पुर्जों, उपभोग्य वस्तुओं, बीमा तथा ऊपरी-व्ययों (Overheads) पर किये गये कोई व्यय;
- (एए) "परियोजना (Project)" से अभिप्रेत विद्युत वितरण प्रणाली में की गई किसी वृद्धि, परिवर्तन अथवा आवर्धन संबंधी योजना से है ;
- (बीबी) "निर्धारित वोल्टेज (Rated Voltage)" से अभिप्रेत एक ऐसी वोल्टेज से है जिस पर विद्युत वितरण प्रणाली प्रचालन हेतु रूपांकित की गई है;
- (सीसी) "लघु-अवधि क्रेता (Short-term Customer)" से अभिप्रेत एक ऐसे व्यक्ति से है जो चक्रण प्रभारों के भुगतान के आधार पर अन्तर्राज्यीय/राज्यान्तरिक-विद्युत वितरण कम्पनी प्रणाली के संबंध में तीन माह तक की अवधि का धारणाधिकार (lien) रखता हों;
- (डीडी) "विद्युत-दर (Tariff)" से अभिप्रेत है विद्युत वितरण तथा प्रदाय हेतु उपभोक्ताओं द्वारा प्रभारों की अनुसूची के साथ-साथ उनकी निबन्धन एवं शर्तों को सम्मिलित करते हुए;
- (ईई) "विद्युत-दर अवधि (Tariff Period)" से अभिप्रेत उक्त अवधि से है जिस हेतु आयोग द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) का अवधारण किया गया है ;

(एफएफ) “अनियन्त्रणीय लागतें (Uncontrollable costs)” से अभिप्रेत उन लागतों से है जिनमें सम्मिलित होंगी (परन्तु जो इन्हीं तक ही सीमित न होंगी) ईंधन लागतें, मुद्रा-स्फीति के कारण लागतें, कर तथा उपकर, विद्युत क्रय यूनिट लागतों में विषमताओं के साथ-साथ प्रतिकूल प्राकृतिक विपदाओं अथवा अपरिहार्य आपदा परिस्थितियों के कारण जल-विद्युत व ताप-विद्युत मिश्र में किया गया कोई परिवर्तन अथवा अन्य कोई मदें जैसा कि आयोग द्वारा इनके संबंध में विचार किया जाए ;

(जीजी) “उपयोगी जीवन काल (Useful Life) ” किसी वितरण प्रणाली की इकाई के संबंध में वाणिज्यिक प्रचालन तिथि से उपकेन्द्र हेतु 25 वर्ष तथा तन्तु-पथों (लाईनों) हेतु 35 वर्ष मानी जाएगी ; तथा

(एचएच) “वर्ष (Year)” से अभिप्रेत है दिनांक 1 अप्रैल को प्रारंभ होकर अनुवर्ती वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष,

(i) “चालू वर्ष (Current year)” से अभिप्रेत है वर्ष जिसमें वार्षिक लेखा का विवरण-पत्र अथवा विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु याचिका दायर की गई हो,

(ii) “पिछला वर्ष (Previous year)” से अभिप्रेत है चालू वर्ष से ठीक पूर्व का वर्ष,

(iii) “आगामी वर्ष (Ensuing year)” से अभिप्रेत है चालू वर्ष से ठीक अगला वर्ष।

4.2 इन विनियमों में प्रयुक्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां जो यहां परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ रखेंगी जैसा कि अधिनियम में दर्शाया गया है।

5. विद्युत-दर (टैरिफ) का अवधारण (Determination of Tariff) :

5.1 आयोग उपभोक्ताओं को विद्युत-दर एवं प्रभारों का अवधारण, उनकी निबंधन तथा शर्तों को सम्मिलित करते हुए, अधिनियम की धारा 62 तथा विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु सहपठित धारा 86 के अंतर्गत करेगा।

6. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धान्त (Principles of Tariff Determination) :

6.1 आयोग द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु निबंधन एवं शर्तों को विनिर्दिष्ट करते समय अधिनियम की धारा 61 में निहित सिद्धान्तों से मार्ग-दर्शन प्राप्त किया गया है।

6.2 विद्युत-दर (टैरिफ) में वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत चक्रण तथा प्रदाय की अनुज्ञप्ति-प्राप्त गतिविधियों के प्रचालन में उपगत (incurred) युक्तियुक्त लागतों की वसूली का प्रावधान किया जाएगा जिसमें अनुपालन के विनिर्दिष्ट स्तर पर पूंजी पर प्रतिलाभ (Return on Equity) को भी जोड़ा जाएगा। अनुज्ञप्तिधारियों को उनके लेखांकन विवरण-पत्र तैयार करने होंगे जिन्हें उसके द्वारा विनियम 10.1 में दर्शायेनुसार नियमित रूप से आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

6.3 इन विनियमों में अपनाए गये बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्तों का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक सिद्धान्तों को अपनाया जाना, वितरण अनुज्ञप्तिधारी कार्य प्रणाली को दक्ष बनाना तथा उपभोक्ताओं के हितों को संरक्षण प्रदान करना है। टैरिफ अवधि हेतु प्रचालन तथा लागत मानदण्ड, पूर्व अवधि में किये गये अनुपालन के आधार पर विनिर्दिष्ट किये गये हैं। स्वीकार्य विद्युत-दरों (टैरिफ) का अवधारण इन मानदण्डों के अनुसार किया जाएगा। वितरण अनुज्ञप्तिधारियों को इन विनियमों में विनिर्दिष्ट मानदण्डों से बेहतर प्रदर्शन दर्शाये जाने पर बचत का एक अंश पुरस्कार के रूप में उपभोक्ताओं के साथ बांटे जाने हेतु अनुज्ञेय किया जाता है। इसके द्वारा वितरण अनुज्ञप्तिधारियों से दक्ष अनुपालन तथा संसाधनों के मितव्ययी उपयोग हेतु उन्हें प्रोत्साहित किये जाने की अपेक्षा की जाती है।

6.4 केवल उन्हीं निवेशों तथा पूंजीगत व्ययों को विद्युत-दर (टैरिफ) के माध्यम से सेवाकृत किये जाने की लागतों को इस संबंध में वसूली बाबत अनुज्ञेय किया जाएगा जो आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं। इससे वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा युक्तियुक्त निवेश सुनिश्चित किये जाएंगे। वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अनुकूलतम निवेश सुनिश्चित करने होंगे तथा वितरण प्रणाली क्षमता में वृद्धि तथा आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट अनुपालन मानदण्डों की आपूर्ति हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में पर्याप्त प्रावधान करने होंगे।

6.5 टैरिफ नीति के अनुरूप, प्रति-सहायतानुदान (cross subsidy) को उत्तरोत्तर कम किया जाएगा।

7. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु आवेदन प्रस्तुति की प्रक्रिया (Procedure for making an application for determination of Tariff)

7.1 विद्युत चक्रण तथा प्रदाय हेतु विद्युत दर (टैरिफ) अवधारण प्रक्रिया को पूर्व में शीर्षक मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004 यथासंशोधित अनुसार अधिसूचित किया जा चुका है। अनुज्ञप्तिधारी को बहुवर्षीय अवधि हेतु विद्युत-दर अवधारण हेतु आवेदन विनिर्दिष्ट शुल्क के साथ जमा करना होगा।

7.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा बहुवर्षीय अवधि हेतु टैरिफ अवधारणा के लिये जानकारी इन विनियमों में संलग्न प्ररूपों (परिशिष्ट-1) के अनुसार प्रस्तुत की जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इन प्ररूपों में प्रस्तुत जानकारी आवेदन का एक भाग होगी। अनुज्ञप्तिधारी को विनिर्दिष्ट प्ररूपों में बहुवर्षीय अवधि के टैरिफ अवधारण हेतु आवेदन की संक्षेपिका प्रकाशित करनी होगी जैसा कि आयोग द्वारा इस बारे में निर्देशित किया जाए। अनुज्ञप्तिधारी को आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार अतिरिक्त जानकारी, ऐसे प्ररूपों में जैसे तथा जब यह आयोग

द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/विद्युत-दर (टैरिफ) को अंतिम किये जाने के प्रयोजन हेतु निर्देशित की जाएगी, प्रस्तुत करनी होगी।

- 7.3 आयोग को सदैव वितरण अनुज्ञप्तिधारी से संबंधित किसी स्वविवेक याचिका द्वारा अथवा किसी अभिरुचि रखने वाले या प्रभावित पक्षकार द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) का तथा उसके निबन्धन तथा शर्तों के अवधारण का अधिकार होगा तथा ऐसे अवधारण की प्रक्रिया के अनुसार, जैसा कि इसे विनिर्दिष्ट किया जाए, उसके द्वारा पहल की जाएगी :

परन्तु ऐसी विद्युत-दर (टैरिफ) के साथ संबंधित निबन्धन तथा शर्तों के अवधारण संबंधी कार्यवाही को कार्य संचालन विनियमों, यथासंशोधित में निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार क्रियान्वित किया जाएगा।

- 7.4 आयोग अथवा आयोग सचिव अथवा आयोग द्वारा इस प्रयोज्य से नामोद्दिष्ट किसी अधिकारी द्वारा आवेदन के सूक्ष्म परीक्षण उपरान्त आवेदक को कतिपय अतिरिक्त जानकारी अथवा विवरण अथवा अभिलेख जो आवेदन को प्रक्रियाबद्ध किये जाने के प्रयोजन हेतु आवश्यक समझे जाएंगे, प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया जाएगा। किसी अपूर्ण आवेदन प्राप्त होने पर अथवा निर्धारित समयावधि के भीतर किसी अतिरिक्त जानकारी अथवा अभिलेखों के प्राप्त न होने पर, जैसा कि वे किसी आवेदन के प्रक्रियाबद्ध किये जाने हेतु आवश्यक समझे जाएं, आयोग द्वारा उन्हें अस्वीकार किया जा सकेगा।

- 7.5 केवल पूर्ण आवेदन की प्राप्ति के साथ समस्त वांछित जानकारी, विवरण एवं अभिलेख जो अर्हताओं के परिपालनार्थ आवश्यक हों, के प्राप्त होने की दशा में ही आवेदन को प्राप्त किया गया माना जाएगा तथा आयोग अथवा सचिव अथवा इस प्रयोज्य से नामोद्दिष्ट अधिकारी द्वारा आवेदक को इस प्रकार संक्षिप्त रूप में एवं विधि अनुसार आवेदक को सूचित किया जाएगा कि आवेदन प्रकाशन हेतु तैयार है, जैसा कि इस बारे में विनिर्दिष्ट किया जाए [कृपया देखें मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004, यथासंशोधित]

- 7.6 प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा आयोग को प्रस्तुत की गई अपनी याचिका के समस्त विवरण आयोग द्वारा उसे स्वीकार किये जाने संबंधी जारी किये गये औपचारिक आदेश से तीन कार्यकारी दिवस के अंदर अपनी तत्संबंधी वेबसाइट पर प्रदर्शित करने होंगे।

- 7.7 आवेदक, आयोग को ऐसी समस्त पुस्तकों तथा अभिलेखों (अथवा उनकी प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियों सहित) के साथ-साथ लेखांकन विवरण-पत्र, प्रचालन तथा लागत आंकड़े, जैसे कि वे आयोग द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु चाहे जाएंगे, प्रस्तुत करेगा। आयोग, यदि उचित समझे, तो वह किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को ऐसी जानकारी जो आवेदक ने आयोग को प्रस्तुत की है, मय ऐसी पुस्तकों तथा

अभिलेखों की संक्षेपिका के (अथवा उनकी प्रमाणित सत्य-प्रतिलिपियों सहित) उपलब्ध करा सकेगा:

परन्तु आयोग कतिपय आदेश जारी कर यह निर्देशित कर सकेगा कि आयोग द्वारा संधारित की जाने वाली ऐसी जानकारी, अभिलेख व पत्र/सामग्रियां गोपनीय अथवा विशेषाधिकारयुक्त होंगी जो निरीक्षण हेतु अथवा प्रमाणित प्रतिलिपियों के रूप में उपलब्ध नहीं कराई जा सकेंगी तथा आयोग यह भी निर्देशित कर सकेगा कि ऐसे अभिलेख, पत्र अथवा सामग्री को किसी ऐसी रीति द्वारा उपयोग न किया जा सकेगा सिवाय जैसा कि आयोग द्वारा विशिष्ट रूप से इस संबंध में प्राधिकृत किया जाए।

8. विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण तथा उसके सत्यापन की क्रियाविधि (Methodology for Determination of Tariff and True up) :

- 8.1 आयोग समय-समय पर वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत-दर (टैरिफ) अवधियों का निर्धारण करेगा। विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धान्त टैरिफ अवधि के दौरान प्रयोज्य होंगे। इन विनियमों के अन्तर्गत, टैरिफ अवधारण के मार्गदर्शी सिद्धान्त इन विनियमों के लागू होने की तिथि से दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिये मान्य होंगे।
- 8.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा टैरिफ अवधि के आरंभ में तथा तदोपरांत प्रतिवर्ष अपनी याचिकाएं दाखिल की जाएंगी। आयोग द्वारा टैरिफ तथा उसका सत्यापन, जिस हेतु यह अनुरोध किया जा रहा है, के सूक्ष्म परीक्षण की समीक्षा पूंजीगत व्यय तथा वर्ष के दौरान किये गये अतिरिक्त पूंजीगत व्यय के आधार पर की जाएगी। तथापि, इस प्रकार के सत्यापन के संबंध में किसी प्रकार की असामान्य तथा अनियंत्रणीय विषमता पर भी विचार किया जा सकेगा। प्रचालन तथा संधारण (O&M) के मानदण्डों का अवधारण करते समय, वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा छटवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार दिनांक 31.8.2008 तक कर्मचारियों के वेतनमान के पुनरीक्षण की पूर्व अवधि का बकाया भुगतान कार्यान्वित किये जाने संबंधी घटक को भी सम्मिलित किया गया है। इस राशि का भी सत्यापन किया जाएगा तथा इस प्रयोजन हेतु भुगतान की गई वास्तविक बकाया राशि के विवरण भी प्रस्तुत करने होंगे। नियंत्रण अवधि के दौरान वेतन में किये गये किसी अनुवर्ती पुनरीक्षण तथा बकाया राशि के परिणामिक भुगतान को आयोग की जानकारी में उचित विचारार्थ लाया जाएगा।
- 8.3 यदि अद्यतन रूप से वसूल की गई विद्युत-दर (टैरिफ) की राशि सत्यापन उपरान्त अवधारित की गई विद्युत दर अधिक हो तो ऐसी दशा में, वितरण अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं को इस प्रकार वसूल की गई आधिक्य राशि का प्रत्यर्पण उक्त रीति द्वारा करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा सत्यापन आदेश के अन्तर्गत आदेशित किया जाए। इसी प्रकार, यदि सत्यापन उपरांत इस प्रकार वसूल की गई विद्युत-दर अवधारित विद्युत दर से कम हो तो ऐसी दशा में वितरण अनुज्ञप्तिधारी से कम वसूल की गई राशि की वसूली उपभोक्ताओं से ऐसी विधि द्वारा, जैसा कि आयोग द्वारा इसके संबंध

में निर्णय लिया जाए, करेगा जो आयोग द्वारा सत्यापन याचिका को दाखिल किये जाने हेतु विनिर्दिष्ट समयावधि के परिपालन के अध्यक्षीन होगा। कम वसूल की गई राशि के कारण बकाया वसूली योग्य राशि की विधि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

- 8.4 विद्युत-दर (टैरिफ) तथा सत्यापन याचिका की प्रस्तुति, मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी तथा उत्पादन कम्पनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण और इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004 यथासंशोधित अनुसार तथा निर्धारित प्ररूपों में, प्रतिवर्ष दिनांक 31 अक्टूबर तक की जाएगी। तथापि इन विनियमों में निर्दिष्ट किये गये अनुसार बहुवर्षीय विद्युत-दर की नियंत्रण अवधि के प्रथम वर्ष हेतु, सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/विद्युत-दर अवधारण के संबंध में आवेदन 17 दिसंबर, 2012 तक प्रस्तुत करने होंगे।
- 8.5 वितरण अनुज्ञप्तिधारी की सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता आयोग को याचिका के रूप में तीन सुव्यक्त भागों में प्रस्तुत की जाएगी, अर्थात्, प्रथम, ऊर्जा लागत हेतु जिसमें विद्युत क्रय लागत, पारेषण तथा वितरण हानियां तथा अन्तर्राज्यीय व राज्यान्तरिक लागू पारेषण प्रभारों के साथ-साथ राज्य भार प्रेषण केन्द्र (एसएलडीसी) प्रभार भी सम्मिलित होंगे, द्वितीय, चक्रण व्ययों के संबंध में तथा तृतीय, उपभोक्ताओं को ऊर्जा के प्रदाय के संबंध में क्रेता सेवाओं को शामिल करते हुए, होंगी।
- 8.6 तन्तु तंत्र (वायर नेटवर्क) के सृजन, संधारण, देख-रेख, नवीनीकरण तथा विकास संबंधी कार्य जिनमें उसे बदले जाने तथा विस्तार कार्य भी शामिल होंगे, से संबंधित व्ययों को चक्रण गतिविधि माना जाएगा। इसमें वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत चक्रण हेतु प्रयोग किये जा रहे उपकेन्द्र, संवाहक (कंडक्टर) ट्रांसफार्मर, संयन्त्र तथा उपकरण भी शामिल होंगे।
- 8.7 वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित लागतों में शामिल होगी; (अ) उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय की व्यवस्था हेतु स्थापना लागत तथा (बी) उपभोक्ता सेवाएं प्रदान किया जाना, जिनमें मीटरीकरण, बिलिंग, वसूली तथा संबद्ध गतिविधियों पर किये गये व्यय भी सम्मिलित किये जा सकेंगे।
- 8.8 एक वितरण अनुज्ञप्तिधारी, जो किसी अन्य व्यापार में भी लिप्त है तथा वितरण व्यापार की आस्तियों का उपयोग करता हो, वह उसके अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापार तथा ऐसे अन्य व्यापार से संबंधित पृथक लेखे संधारित करेगा तथा इन्हें आयोग को प्रस्तुत करेगा।
- 8.9 आयोग, सम्पूर्ण विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि बाबत्, इन विनियमों में अर्न्तनिहित सिद्धान्तों पर आधारित वितरण अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत चक्रण तथा प्रदाय गतिविधियों बाबत् सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता का अनुमोदन कर सकेगा एवं वितरण अनुज्ञप्तिधारी को प्राधिकृत अवधि के अन्तर्गत उपभोक्ताओं से प्रभारों की वसूली बाबत् प्राधिकृत कर

सकेगा। बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्तों के आधार पर, वितरण अनुज्ञप्तिधारी को विद्युत-दर(टैरिफ)/सत्यापन याचिकाएं विनियम 8.4 में विनिर्दिष्ट की गई विधि के अनुसार दायर करनी होंगी।

- 8.10 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि बाबत, एक बार अनुमोदित की गई सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में इन्हें लागतों तथा राजस्वों की अनियंत्रित विषमताओं (Uncontrollable Variations) के माध्यम से निकाले जाने हेतु केवल वार्षिक समायोजनों की आवश्यकता होगी। समस्त नियंत्रण-योग्य (Controllable Variations) विषमताओं के संबंध में संव्यवहार सामान्य तौर पर विद्युत-दर अवधि के अन्त में किया जाएगा; तथापि, यदि ऐसी विषमताओं की मात्रा प्रचुर हो तो इनकी समीक्षा टैरिफ अवधि के दौरान भी की जा सकेगी। तथापि, वितरण अनुज्ञप्तिधारी को प्रतिवर्ष अन्तिम रूप से दिनांक 31 अक्टूबर तक उपभोक्ताओं से प्रभारों की वसूली के संबंध में, उक्त अवधि के उपरान्त, जिस हेतु उसे आयोग द्वारा पूर्व में वसूली हेतु प्राधिकृत किया जा चुका हो, नवीनीकरण चाहे जाने के संबंध में आयोग के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- 8.11 आयोग, वितरण अनुज्ञप्तिधारी की चक्रण गतिविधि को, आवंटन योग्य व्ययों की वसूली के प्रयोजन से प्रत्येक अनुज्ञप्ति क्षेत्र को, एकल क्षेत्र मानेगा तथा तदनुसार प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी हेतु पृथक-पृथक चक्रण प्रभारों को अवधारित किया जा सकेगा।
- 8.12 आयोग बाधित तथा अबाधित (interruptible and uninterruptible) विद्युत प्रदाय में विभेदीकरण किये जाने का प्रावधान करता है। आयोग, अनुज्ञप्तिधारी को अबाधित विद्युत प्रदाय हेतु एक विद्युत-प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार (Reliability Charge) की वसूली बाबत प्राधिकृत कर सकेगा।
- 8.13 आयोग किसी विशिष्ट अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ताओं से वसूली-योग्य ऊर्जा की प्रति यूनिट औसत लागत का अवधारण उक्त टैरिफ अवधि बाबत अनुज्ञेय की जाने योग्य वितरण हानियों पर यथोचित विचार करते हुए करेगा।
- 8.14 अनुमोदित सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में विद्युत क्रय लागत, चक्रण व्यय तथा विद्युत प्रदाय व्यय से संबंधित घटक सम्मिलित होंगे तथा ये वितरण अनुज्ञप्तिधारी से विद्युत प्रदाय का लाभ प्राप्त कर रहे समस्त उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे।
- 8.15 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी की सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता का अवधारण करते समय, अनुज्ञप्तिधारी विद्युत लागत के विवरण प्रदान किये जाने के अतिरिक्त, चक्रण (वितरण तन्तुपथ) तथा विद्युत प्रदाय से संबंधित गतिविधियों के संबंध में, पृथक-पृथक लेखांकन विवरण/लागत आवंटन विवरण भी प्रस्तुत करेगा :

अ. ऊर्जा लागत, अर्थात् विद्युत क्रय लागत को आवंटित मर्दे :

- (i) विद्युत क्रय की स्थाई लागत ;

- (ii) विद्युत क्रय की परिवर्तनीय लागत ;
- (iii) अन्तर्राज्यीय पारेषण हानियां ;
- (iv) अन्तर्राज्यीय पारेषण प्रभार ;
- (v) राज्यान्तरिक पारेषण हानियां ;
- (vi) राज्यान्तरिक पारेषण प्रभार;
- (vii) राज्य भार प्रेषण केन्द्र (एसएलडीसी) प्रभार
- (viii) विधि अनुसार प्रयोज्य कोई कर या उदग्रहण (tax or levies), तथा
- (ix) विद्युत क्रय को आरोप्य अन्य कोई प्रभार।

ब. चक्रण गतिविधियों को आवंटित मदों में सम्मिलित होंगे :

- (i) वितरण तंत्र (नेटवर्क) की चक्रण गतिविधि से संबंधित प्रचालन तथा संधारण व्यय;
- (ii) चक्रण गतिविधि से चिन्हांकित परिसंपत्तियों के संबंध में अवमूल्यन;
- (iii) जहां तक संभव हो अथवा आकल्पन पर आधारित चक्रण गतिविधि से चिन्हांकित परियोजना ऋणों पर ब्याज तथा वित्त प्रभार ;
- (iv) चक्रण गतिविधि से चिन्हांकित कार्यकारी पूंजी पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;
- (v) चक्रण गतिविधि को आवंटन योग्य पूंजी पर प्रतिलाभ;
- (vi) पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार; तथा
- (vii) विदेश विनिमय दर परिवर्तन (FERV) से अवेक्षित कटौती अथवा समायोजन की लागत।

स. विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित आवंटन योग्य व्ययों में सम्मिलित होंगे :

- (i) विद्युत प्रदाय गतिविधि से संबंधित प्रचालन तथा संधारण व्यय;
- (ii) विद्युत प्रदाय गतिविधि से चिन्हांकित आस्तियों के संबंध में अवक्षयण/ अवमूल्यन;
- (iii) जहां तक संभव हो अथवा आकल्पन पर आधारित, विद्युत प्रदाय गतिविधि से चिन्हांकित परियोजना ऋणों पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;

- (iv) विद्युत प्रदाय गतिविधि से चिन्हांकित कार्यकारी पूंजीगत पर ब्याज तथा वित्त प्रभार;
- (v) उपभोक्ता प्रतिभूति निक्षेप पर ब्याज;
- (vi) विद्युत प्रदाय गतिविधि को आवंटन योग्य पूंजी पर प्रतिलाभ;
- (vii) डूबन्त तथा संदिग्ध ऋण; तथा
- (viii) पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार।

8.16 इन विनियमों के अन्य उपबंधों के अध्यक्षीन, किसी वित्तीय वर्ष में अनुज्ञेय किये गये व्यय, जिनकी वसूली (recovery) की जाना हो, अनुवर्ती अवधि हेतु निर्धारित की जाने वाली किसी विद्युत-दर (टैरिफ) के समायोजन के अध्यक्षीन होंगे, यदि आयोग इस संबंध में सन्तुष्ट हो कि वास्तविक वसूल की गई राशि अथवा किये गये व्यय आधिक्य राशि अथवा राशि में कमी के संबंध में, अत्यावश्यक हैं तथा वे वितरण अनुज्ञप्तिधारी को आरोप्य किसी भी कारण से नहीं है अथवा उसके नियंत्रण से बाहर किन्हीं परिस्थितियों के कारणों से हैं।

9. ईंधन अधिभार (Fuel Surcharge) :

9.1 जैसा कि अधिनियम की धारा 62(4) में प्रावधानित किया गया है, आयोग द्वारा एक ईंधन लागत समायोजन प्रभार सूत्र विनिर्दिष्ट किया जा सकेगा तथा विद्युत-दर (टैरिफ) को विनिर्दिष्ट किये गये सूत्र के निबंधनों के अन्तर्गत प्रभारित किये जाने हेतु अनुज्ञेय किया जा सकेगा। आयोग विद्युत-दर आदेश या पृथक आदेश के अंतर्गत ईंधन लागत समायोजन प्रभार के उदग्रहण हेतु, एक सूत्र निर्दिष्ट कर सकेगा, जैसा कि इसे आवश्यकतानुसार उचित समझा जाए। किसी विद्युत उत्पादक कंपनी अथवा वितरण अनुज्ञप्तिधारी के संबंध में ईंधन लागत समायोजन प्रभार, जहां इसे अनुज्ञेय किया गया हो, के प्रभाव को उपभोक्ताओं के साथ-साथ खुली पहुंच उपभोक्ताओं (open access consumers) से ऐसी विद्युत प्रदाय की मात्रा के संबंध में, जैसा कि उनके द्वारा ये वितरण अनुज्ञप्तिधारी से प्राप्त की गई हो, उनकी खुली पहुंच उपभोक्ता संबंधी स्थिति (status) भले जो भी हो, से वसूल किया जा सकेगा।

9.2 आयोग द्वारा किसी धनात्मक विद्युत क्रय लागत (incremental power purchase cost) की वसूली त्रैमासिक आधार पर अनुज्ञेय की जा सकेगी। धनात्मक विद्युत क्रय लागत की गणना सुसंबद्ध वर्ष के टैरिफ आदेश के अंतर्गत इस प्रयोजन हेतु आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट सूत्र के अनुसार या पृथक आदेश के माध्यम से की जाएगी तथा इस सूत्र में आगे भी परिवर्तन किया जा सकेगा, जैसा कि इसे आवश्यकतानुसार आवश्यक समझा जाए। यह धनात्मक विद्युत क्रय लागत ईंधन लागत समायोजन प्रभार के अलावा भारित योग्य होगी। धनात्मक विद्युत क्रय लागत मानदण्डीय हानियों पर आधारित होगी तथा इन्हें ऐसी परिस्थितियों में अनुज्ञेय किया जाएगा जहां

अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत क्रय संबंधी कारक उसके नियंत्रण से परे हों तथा इनमें टैरिफ आदेश के अंतर्गत चिन्हांकित किये गये विद्युत प्रदाय स्त्रोतों से विद्युत प्रदाय में कमी परिलक्षित हुई हो जिसके अनुसार अनुज्ञप्तिधारी को विद्युत का क्रय विद्युत बाजार या किसी अन्य स्त्रोत से विद्युत आपूर्ति के लिये किया जाना अनिवार्य हो गया हो। इसके अंतर्गत टैरिफ आदेश के अनुज्ञेय किये गये विक्रय से अधिक मात्रा में विद्युत का क्रय टैरिफ आदेश में दर्शाई गई दर से उच्चतर दर पर उपभोक्ताओं को विक्रय हेतु विद्युत क्रय भी शामिल होगा जिसके अनुसार अतिरिक्त विद्युत मात्रा का क्रय विद्युत बाजार या अन्य स्त्रोतों से किया जाना आवश्यक हो।

10. वार्षिक लेखों, प्रतिवेदनों आदि को तैयार करना तथा उनका प्रस्तुतिकरण (Preparation and Submission of Annual Accounts, Reoprt) :

10.1 प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी लेखों का वार्षिक विवरण-पत्र तथा ऐसी अन्य जानकारी, जैसा कि इसे आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करेगा। वार्षिक लेखे प्रस्तुत किये जाने के अतिरिक्त, वितरण अनुज्ञप्तिधारी को आयोग द्वारा समय-समय पर अधिसूचित विभिन्न विनियमों एवं अनुज्ञप्ति शर्तों की सूचना संबंधी अर्हताओं का भी परिपालन करना होगा।

11. विद्युत-दर अवधारण में अंतराल (Periodicity of Tariff determination) :

11.1 किसी एक वित्तीय वर्ष में, विद्युत-दर (टैरिफ) अथवा विद्युत-दर का कोई भी अंश, सामान्यतः एक वर्ष में एक से अधिक बार संशोधित नहीं किया जाएगा। आयोग, स्वयं द्वारा तुष्टि उपरान्त तथा इस हेतु कारण लिखित में अभिलिखित किये जाने के पश्चात् ही, विद्युत-दर एक वर्ष से कम के अन्तराल में इसे संशोधित किये जाने की अनुमति प्रदान कर सकेगा।

12. जन सुझाव, आपत्तियां तथा सुनवाईयां (Public Suggestions, Objections and Hearings):

12.1 अधिनियम की धारा 64(3) के उपबंधों के अनुसार, आयोग द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण से पूर्व सार्वजनिक सुझाव तथा आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। तत्पश्चात्, आयोग यदि उचित समझे तो हितधारकों से प्राप्त किये गये सुझावों तथा आपत्तियों पर सुनवाईयों का आयोजन कर सकेगा तथा उनसे प्राप्त किये गये सुझावों तथा आपत्तियों पर यथोचित विचार करते हुए सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता तथा विद्युत-दर का निर्धारण कर सकेगा। आयोग आवेदकों की सुनवाई का आयोजन, जब और जैसे आवश्यक समझा जाए, कर सकेगा।

13. याचिका की अभिस्वीकृति तथा आयोग के आदेश (Admission of the Petition and Orders of the Commission) :

13.1 अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता/विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के साथ-साथ सत्यापन याचिका से संबंधित प्रस्तुत की गई याचिका को एक प्रावधिक प्राप्ति क्रमांक (Provisional receipt number) आवंटित किया जाएगा। याचिका में प्रस्तुत की गई अपूर्ण जानकारी अथवा वांछित अतिरिक्त जानकारी के संबंध में आयोग द्वारा अनुज्ञप्तिधारी को संसूचित किया जाएगा। आयोग द्वारा चाही गई जानकारी को, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विनिर्दिष्ट की गई समय-सीमा के अन्तर्गत प्रस्तुत करना होगा जिसका परिपालन न किये जाने की दशा में याचिका को निरस्त किया जा सकेगा तथा इसे अनुज्ञप्तिधारी को लौटा दिया जाएगा। याचिका को स्वीकार योग्य उसी दशा में माना जाएगा जब इसे अनुज्ञप्तिधारी द्वारा सम्पूर्ण जानकारी के साथ-साथ अतिरिक्त वांछित जानकारी सहित प्रस्तुत किया गया हो। इस प्रकार स्वीकार की गई याचिका को आयोग द्वारा अन्तिम याचिका क्रमांक आवंटित किया जाएगा तथा अधिनियम की धारा 64(3) के अंतर्गत निर्धारित की गई समय सीमा के अंतर्गत याचिका को प्रक्रियाबद्ध किये जाने हेतु विद्युत-दर (टैरिफ) आदेश जारी किये जाने बाबत सम्पूर्ण माना जाएगा।

13.2 किसी याचिका की अभिस्वीकृति होने पर, आयोग वितरण अनुज्ञप्तिधारी से किसी अधिक जानकारी, विवरण, दस्तावेज, सार्वजनिक अभिलेख आदि, जैसा कि आयोग उचित समझे, की मांग कर सकेगा ताकि आयोग याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत गणनाओं, अनुमानों एवं अभिकथनों के मूल्यांकन हेतु समर्थ हो सके।

13.3 जानकारी प्राप्त होने पर अथवा अन्यथा भी, आयोग मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता विद्युत-दर (टैरिफ) की अवधारण प्रक्रिया जारी रखे जाने या आवेदन निरस्त करने के बारे में समुचित आदेश जारी कर सकेगा।

14. अनुमोदित विद्युत दर से भिन्न दर पर प्रभारित किये जाने पर कार्यवाही (Charging of Tariff other than approved) :

14.1 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी को, जिसे उपभोक्ताओं से आयोग द्वारा अनुमोदित से अधिक विद्युत-दर (टैरिफ) प्रभारित करते हुए पाया जाएगा, के संबंध में यह माना जाएगा कि उसके द्वारा आयोग के आदेशों का परिपालन नहीं किया गया है तथा उसे अधिनियम की धारा 142 के अन्तर्गत तथा अधिनियम के अन्य उपबंधों के अन्तर्गत अनुज्ञप्तिधारी द्वारा देय तथा अन्य किसी दायित्व के, बिना किसी पक्षपात दण्डित किये जाने की पात्रता होगी। ऐसे प्रकरण में जहां वसूल की गई राशि, आयोग द्वारा अनुज्ञेय की गई राशि से अधिक हो तो इस प्रकार अधिक वसूल की गई राशि को उपभोक्ताओं को, जिनके द्वारा अधिक राशि का भुगतान किया गया है, मय उक्त अवधि के साधारण ब्याज के साथ, जिसकी दर भारतीय रिजर्व बैंक की

तत्संबंधी वर्ष की दिनांक 1 अप्रैल की स्थिति में बैंक दर के बराबर होगी, प्रत्यर्पण (रिफंड) किया जाएगा।

विद्युत-दर आदेश अवधि के दौरान तथा उसके अन्त में समीक्षा (Review during and at the end period of Tariff Period) :

- 15.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विनिर्दिष्ट की गई नियतकालिक विवरणिकाएं (returns) प्रस्तुत की जाएंगी जिनमें प्रचालन तथा लागत आंकड़े सम्मिलित किये जाएंगे जिससे आयोग को आदेश के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण किया जाना सुलभ हो।
- 15.2 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उसके अनुपालन तथा लेखों के वार्षिक विवरण-पत्रों के साथ-साथ अंकक्षित लेखों के नवीनतम प्रतिवेदन आयोग को प्रस्तुत किये जाएंगे।
- 15.3 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु, विद्युत विक्रयों को हानियों के अनुज्ञेय स्तर द्वारा समेकित किया जाएगा जैसा कि इसे बहुवर्षीय टैरिफ प्रक्षेप-वक्र (ट्रेजेक्टरी) में ऊर्जा क्रय लागत को प्राक्कलित किये जाने हेतु दर्शाया गया हो जो कि विनियमों के अनुसार न्यायसंगत विद्युत क्रय मिश्र के अन्तर के अध्यधीन होगा (उदाहरणतया, अल्प वर्षा की स्थिति में ताप ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों से अधिक विद्युत की मात्रा क्रय की जाएगी)।
- 15.4 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के दौरान कतिपय अन्य अनुमोदित लागतों की किन्ही विषमताओं पर, आयोग द्वारा केवल उसी दशा में विचार किया जाएगा यदि अनुज्ञप्तिधारी आयोग की तुष्टि हेतु यह सिद्ध कर सके कि ये विषमताएं उसके युक्तियुक्त नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों के घटकों के कारण हैं। नियंत्रण-योग्य कारणों के अन्तर्गत विषमताओं पर भी उसी दशा में विचार किया जाएगा यदि इनका अनुज्ञप्तिधारी के व्यापार पर ठोस प्रभाव पड़ता हो।
- 15.5 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि की समाप्ति से कम से कम बारह माह पूर्व, आयोग इन विनियमों में निहित मानदण्डों एवं दीर्घ-अवधि विद्युत-दर (टैरिफ) सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा प्रारंभ करेगा।
- 15.6 ऐसी समीक्षा दीर्घ-अवधि सिद्धान्तों के कार्यान्वयन के विश्लेषण के उद्देश्य से तथा मानदण्डों, सिद्धान्तों, प्रक्रियाओं एवं कार्य-विधि में संशोधन अथवा उन्नयन की दृष्टि से की जाएगी।

अध्याय – दो

विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के सिद्धांत (Principles for Determination of Tariff)

16. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण संबंधी याचिका (Petition for Determination of Tariff) :

16.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी इन विनियमों के अध्याय-1 में उपबंधों के परिपालन में ऐसे प्ररूपों (Forms) में संलग्न कर, जैसा कि इन्हें मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये अनुज्ञप्तिधारी अथवा उत्पादन कंपनी द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन देने की रीति एवं इसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम 2004, यथासंशोधित में विनिर्दिष्ट किया गया हो, के अनुसार तथा आयोग द्वारा इन विनियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट सिद्धान्तों के आधार पर विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण बावत एक याचिका दायर करेगा। ये सिद्धान्त दिनांक 01 अप्रैल, 2013 से कार्यान्वित किये जाएंगे तथा दिनांक 31 मार्च, 2016 तक की अवधि तक लागू रहेंगे।

17. विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार (Basis for Determination of Tariff):

17.1 जैसा कि उल्लेख किया गया है, बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धान्त दिनांक 1 अप्रैल, 2013 से तीन वर्षों की अवधि हेतु लागू होंगे तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारी को तदनुसार टैरिफ निर्धारण अवधि हेतु निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने अनिवार्य होंगे।

17.2 आयोग द्वारा विद्युत चक्रण तथा प्रदाय व्यय प्रति वर्ष अवधारित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त, आयोग द्वारा वितरण तंत्र (नेटवर्क) हेतु वांछित अप्रत्याशित अतिरिक्त तथा असाधारण निवेश के कारण चक्रण तथा व्ययों में परिवर्तन को सत्यापन याचिकाओं की प्राप्ति होने पर अनुज्ञेय किया जा सकेगा।

18. नियन्त्रणीय तथा अनियन्त्रणीय कारक (Controllable and Uncontrollable factors) :

18.1 अनियन्त्रणीय कारकों में निम्न कारक शामिल किये जाएंगे, जो अनुज्ञप्तिधारी के नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों के कारण हैं तथा जिनका निराकरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किया जाना संभव नहीं है :

- (ए) अपरिहार्य आपदा घटनाएं जैसे कि युद्ध, अग्नि काण्ड, प्राकृतिक आपदाएं आदि;
- (बी) कानून में परिवर्तन;
- (सी) कर तथा शुल्क ;
- (डी) विक्रयों में विषमता तथा;
- (ई) विनियमों की सुसंबद्ध धाराओं में निर्दिष्ट परिस्थितियों के अंतर्गत विद्युत उत्पादन और/या विद्युत क्रय की लागत में विषमता।

- 18.2 आवेदक के अनुपालन के अंतर्गत कुछ निदर्शी विषमताएं या प्रत्याशित विषमताएं जिन्हें आयोग द्वारा नियन्त्रणीय कारकों से संबद्ध किया जा सकता है, में निम्न कारकों को सम्मिलित किया जा सकता है, जो निम्न तक ही सीमित नहीं होंगी :
- (ए) पूंजीगत व्यय परियोजना (Capex Project) के क्रियान्वयन में समय और/या लागत आधिक्य (cost overrun)/दक्षताओं से उद्भूत किसी पूंजीगत व्यय में विषमताएं जो ऐसी परियोजना के फलस्वरूप वैधानिक उद्ग्रहणों (statutory levies) अथवा अपरिहार्य आपदा घटनाओं (force majeure events) में किसी अनुमोदित परिवर्तन के कारण नहीं है;
- (बी) समग्र तकनीकी तथा वाणिज्यिक हानियों {Aggregate Technical and Commercial- (ATEC) Losses} में विषमताएं जिनका मापन विद्युत वितरण प्रणाली द्वारा आहरित की गई यूनिट संख्या (Units input) तथा वसूल की गई यूनिट संख्या (बिल किये गये तथा संग्रहीत की गई यूनिट संख्या) के अंतर के रूप में किया जाता है, जिसके अंतर्गत वसूल किये गये यूनिट का मूल्य बिल की गई यूनिट संख्या तथा संग्रहण दक्षता (Collection Efficiency) का गुणनफल होगा (जहां संग्रहण दक्षता का मापन उक्त वर्ष के दौरान वसूल किये गये राजस्व तथा कुल बिल किये गये राजस्व का अनुपात है);
- (सी) वितरण हानियां, जिनका मापन उसके अनुज्ञप्ति प्राप्त क्षेत्र में, उक्त वर्ष हेतु विक्रय हेतु उसके समस्त उपभोक्ताओं को विक्रय के संबंध में कुल ऊर्जा के आहरण तथा बिल की गई कुल ऊर्जा के योग के अंतर के रूप में किया जाएगा;
- (डी) पूंजी पर प्रतिलाभ (Return on Equity- RoE), अवमूल्यन तथा कार्यकारी पूंजी की आवश्यकताओं में विषमताएं;
- (ई) अनुपालन मानदण्ड विनियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट मानदण्डों के अनुपालन में विफलता, केवल उन्हें छोड़कर जहां छूट प्रदान की गई हो;
- (एफ) प्रचालन तथा संधारण व्ययों में अंतर, केवल उन्हें छोड़कर, जो आयोग के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत आते हों तथा
- (जे) तन्तुपथों (wires) की उपलब्धता तथा विद्युत प्रदाय की उपलब्धता में अंतर

19. अनियन्त्रणीय कारकों के कारण लाभों तथा हानियों का अंतरण किये जाने संबंधी क्रियाविधि
(Mechanism for Pass through of gains or losses on account of Uncontrollable factors)

19.1 अनियन्त्रणीय कारकों के कारण वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अनुमोदित लाभ अथवा हानि का अंतरण, वितरण अनुज्ञप्तिधारी के टैरिफ में समायोजन के रूप में किया जाएगा जैसा कि आयोग द्वारा इन विनियमों के अंतर्गत पारित आदेश में अवधारित किया जाए।

20. पूंजीगत लागत एवं पूंजीगत ढांचा (Capital Cost and Capital Structure) :

20.1 किसी परियोजना की पूंजीगत लागत में निम्न सम्मिलित होंगे :

ए. कार्य के मूल प्रावधान के अनुसार उपगत (incurred) किया गया व्यय अथवा जिसे व्यय किया जाना प्रक्षेपित किया गया हो, जिसमें निर्माण अवधि के दौरान ब्याज तथा वित्तीय प्रबंधन प्रभार सम्मिलित होंगे परंतु प्रारंभिक पूंजीगत कलपुर्जे (Spares) शामिल न होंगे तथा परियोजना की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि तक विदेश विनिमय दर परिवर्तन (Foreign Exchange Rate Variation-FERV) के कारण कोई लाभ तथा हानि, जैसा कि ये आयोग द्वारा युक्तियुक्त जांच-पड़ताल के उपरान्त स्वीकार किये गये हों, विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार बनेंगे।

बी. प्रारंभिक कल-पुर्जों की पूंजीगत राशि, जो निम्न उच्चस्थ मानदण्डों के अध्यक्षीन होगी :

(i) तन्तुपथ (लाईनें) —मूल परियोजना लागत का 0.75%

(ii) उपकेन्द्र —मूल परियोजना लागत का 2.50%

(iii) अन्य यन्त्र जैसे कि कैपेसिटर, आदि—मूल परियोजना लागत का 3.50%

20.2 आयोग द्वारा युक्तियुक्त जांच-पड़ताल के उपरान्त अनुज्ञेय की गई पूंजीगत लागत ही विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण का आधार बनेगी। युक्तियुक्त जांच-पड़ताल में सम्मिलित पहलू होंगे—पूंजीगत व्यय, वित्तीय प्रबंधन योजना, निर्माण अवधि के दौरान ब्याज, दक्ष प्रौद्योगिकी का प्रयोग, लागत-आधिक्य (Cost Over-run) तथा समय-आधिक्य (Time Over-run) का पाया जाना तथा ऐसे अन्य विषय जिन्हें आयोग द्वारा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु उपयुक्त पाया जाए :

बशर्ते यह कि विद्यमान परियोजनाओं के प्रकरणों में, दिनांक 1.4.2013 से पूर्व स्वीकार की गई पूंजीगत लागत, पूंजीगत लागत के अवधारण का आधार बनेगी।

- 20.3 पूंजी (इक्विटी) एवं ऋण के आनुपातिक अंशदान के संबंध में पूंजीगत लागत की पुनर्संरचना को विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के दौरान अनुज्ञेय किया जा सकेगा, बशर्ते यह विद्युत-दर (टैरिफ) को विपरीतात्मक प्रभावित न करे। इस प्रकार प्राप्त की पुनर्संरचना द्वारा प्राप्त कतिपय लाभ को उपभोक्ताओं को अन्तरित कर दिया जाएगा जैसा कि आयोग द्वारा इस बाबत विनिर्दिष्ट किया जाए।

21. ऋण-पूंजी अनुपात (Debt-Equity Ratio) :

- 21.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के प्रयोजन से पूर्ण रूप से निर्मित की गई परिसम्पत्तियों हेतु कुल लगाई गई पूंजी पर ऋण-पूंजी (इक्विटी) अनुपात विनियम 21.2 के अध्वधीन 70:30 होगा। इस विनियम के अनुसार मूल्यांकित की गई ऋण-पूंजी राशि को ऋण पर ब्याज, पूंजी (इक्विटी) पर प्रतिलाभ, अवमूल्यन तथा विदेश विनिमय दर परिवर्तन की गणना हेतु प्रयोग किया जाएगा।

- 21.2 किसी परियोजना हेतु जिसे दिनांक 1.4.2013 को अथवा इसके उपरान्त वाणिज्यिक प्रचालन के अंतर्गत घोषित किया गया हो, यदि वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी, पूंजीगत लागत से 30 प्रतिशत अधिक हो तो 30 प्रतिशत से अधिक पूंजी को मानदण्डीय ऋण (Normative Loan) माना जाएगा :

परन्तु जहां वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी, पूंजीगत लागत से 30 प्रतिशत कम हो तो ऐसे प्रकरण में विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण हेतु वास्तविक रूप से लगाई गई पूंजी को ही मान्य किया जाएगा।

परन्तु यह भी कि विदेशी मुद्रा में निवेशित की गई पूंजी को प्रत्येक निवेश तिथि को भारतीय रूपयों में नामोद्दिष्ट (Designated) किया जाएगा।

व्याख्या : वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा परियोजना के वित्तीय पोषण हेतु उसकी मुक्त संचिति (Free reserve) में से सृजित आन्तरिक स्त्रोतों की अंशपूजी तथा पूंजी निवेश जारी करते समय अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि, यदि कोई हो, को पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना हेतु चुकाई गई पूंजी के रूप में गणना की जाएगी परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि ऐसी अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि तथा आन्तरिक स्त्रोतों को वितरण प्रणाली के पूंजीगत व्यय की आपूर्ति हेतु वास्तविक रूप से उपयोग में लाया जाएगा।

- 21.3 ऐसे प्रकरण में, जहां वितरण प्रणाली को दिनांक 1.4.2013 से पूर्व वाणिज्यिक प्रचालन के अन्तर्गत घोषित किया गया हो, आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2013 को समाप्त होने

वाली अवधि के अन्तर्गत विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण हेतु अनुज्ञेय किये गये ऋण-पूँजी (इक्विटी) अनुपात को ही मान्य किया जाएगा।

22. कार्यकारी पूँजी (Working Capital) :

22.1 अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत प्रदाय गतिविधि हेतु कार्यकारी पूँजी में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :

- (i) औसत बिलिंग के दो माह के बराबर प्राप्य सामग्रियों में से एक माह की विद्युत क्रय लागत तथा कोई उपभोक्ता प्रतिभूति राशि का योग घटा करके,
- (ii) एक माह के प्रचालन एवं संधारण व्यय, तथा
- (iii) पिछले वर्ष की वार्षिक आवश्यकता पर आधारित दो माह की अवधि हेतु सामग्री की सूची (इन्वेंटरी) {विद्युत प्रदाय गतिविधि में मापयंत्र (मीटर), मापयंत्र उपकरण तथा जांच उपकरण विशेष रूप से सुसंगत होंगे}

22.2 अनुज्ञप्तिधारी की चक्रण गतिविधि हेतु कार्यकारी पूँजी में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :

- (i) एक माह के प्रचालन एवं संधारण व्यय, तथा
- (ii) दो माह की अवधि हेतु सामग्री की सूची (इन्वेंटरी) (मापयंत्रों, आदि को छोड़कर जिन्हें कि विद्युत प्रदाय गतिविधि का अंग माना गया है) जो वार्षिक आवश्यकता पर आधारित होगी तथा जिसे पिछले वर्ष की सकल स्थायी परिसम्पत्तियों के 1 प्रतिशत की दर से माना जाएगा।

22.3 उपरोक्त दर्शाये गये मानदण्ड विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु प्रयोज्य होंगे।

23. पूँजी निवेश योजना (Capital Investment Plan) :

23.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी अपनी सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता याचिका के साथ विभिन्न पूँजीगत व्यय योजनाओं (capex scheme) के विरुद्ध एक विस्तृत पूँजी निवेश, योजना प्रस्तुत करेगा। वित्त-प्रबंधन योजना तथा भौतिक लक्ष्यों को दर्शाते हुए भार में अभिवृद्धि, वितरण हानियों में कमी, विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार, विश्वसनीयता, मीटरीकरण आदि की आपूर्ति हेतु भी होगा।

23.2 पूँजीगत योजना में पृथक से निर्माणाधीन परियोजनाएं, सुसंगत तकनीकी एवं वाणिज्यिक विवरण के साथ जिनका कार्य विचाराधीन आगामी वर्ष के दौरान भी जारी रहेगा तथा इसके साथ नवीन परियोजनाएं (औचित्य दर्शाते हुए) जो टैरिफ अवधि में प्रारंभ तो की जाएंगी परन्तु जो टैरिफ अवधि के अंतर्गत अथवा उसके उपरांत ही पूर्ण की जा सकेंगी, दर्शाई जाएंगी।

- 23.3 अनुमोदित पूंजी निवेश हेतु ऋण तथा पूंजी (इक्विटी) का अनुपात विनियम 21 के अनुरूप होगा।

24. विक्रयों का आकलन (Estimation of Sales) :

- 24.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के प्रत्येक वर्ष हेतु विक्रयों का आकलन पिछले तीन वर्षों के श्रेणीवार तथा खण्डवार (Slab-wise) विद्युत के विक्रय, उपभोक्ता संख्या, संयोजित/संविदाकृत भार, आदि के वास्तविक/अंकेक्षित आंकड़ों पर आधारित होगा जिसके साथ अन्य सुसंबद्ध कारकों अथवा किये गये अध्ययनों पर भी विचार किया जाएगा जिनका परिणाम विक्रयों के आकलन में विषमताओं से लेकर वास्तविक/अंकेक्षित आंकड़ों के रूप में प्रकट हो सकते हैं। विषमताओं से संबंधित कारणों के वास्तविक रुझानों को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा यथोचित औचित्यों के साथ आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा। विद्युत-दर अवधि हेतु उपरोक्त उल्लेखित मानदण्डों के वर्षवार आकलन भी टैरिफ याचिका के साथ प्रस्तुत किये जाएंगे।
- 24.2 पूर्व वर्षों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि, विद्युत खपत, विद्युत की मांग तथा पूर्व के वर्षों में हानियों में कमी के रुझान के औचित्य तथा आगामी वर्षों में प्रत्याशित वृद्धि तथा अन्य कोई घटक, जैसा कि वे आयोग द्वारा युक्तिसंगत समझे जाएं, का परीक्षण आयोग द्वारा किया जा सकेगा तथा अनुवर्ती रूप से अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अधिप्राप्त की जाने वाली विद्युत की मात्रा मय ऐसे संशोधनों के जो उचित समझे जाएं, का अनुमोदन किया जाएगा।
- 24.3 ऐसे किसी आकलन हेतु वितरण अनुज्ञप्तिधारी को निम्न दर्शाये अनुसार जानकारी देनी होगी:
- अ. उसकी प्रणाली का उपयोग कर रहे श्रेणीवार खुली पहुंच के उपभोक्ताओं, व्यापारियों तथा अन्य अनुज्ञप्तिधारियों की संख्या। उपभोक्ताओं के संबंध में मांग तथा चक्रित ऊर्जा निम्नानुसार पृथक-पृथक दर्शाई जाएगी :
- i. विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के अन्दर, तथा
 - ii. विद्युत आपूर्ति क्षेत्र से बाहर
- ब. विद्युत व्यापारियों अथवा अन्य वितरण अनुज्ञप्तिधारियों हेतु विद्युत का विक्रय, यदि कोई हो, तो इसका पृथक से उल्लेख किया जाएगा।
- 24.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अमीटकरीकृत उपभोक्ता श्रेणियों हेतु वितरण ट्रांसफार्मर मीटरीकरण के माध्यम से प्रतिनिधि नमूने/अंकेक्षण आदि द्वारा विद्युत खपत को प्रमाणित करना होगा। ऐसे ऊर्जा अंकेक्षण/प्रतिनिधि नमूनों/वितरण ट्रांसफार्मर मीटरीकरण, आदि के अभाव में, वितरण अनुज्ञप्तिधारियों के दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा विद्युत खपत का आकलन ऐसे मानदण्डों पर आधारित होगा जैसा कि आयोग द्वारा इन्हें उचित समझा जाए।

- 24.5 आयोग वितरण अनुज्ञप्तिधारी को एक स्वतंत्र अध्ययन के संबंध में निम्न के संबंध में निर्देशित कर सकेगा :
- मापयंत्रों (metres) की प्रामाणिकता की वस्तुस्थिति के बारे में, मीटरीकृत उपभोक्ताओं के भार के बारे में तथा उपभोक्ताओं के श्रेणी के वर्गीकरण के बारे में ;
 - अमीटरीकृत उपभोक्ता क्षेत्रों के अंतर्गत विद्युत की खपत का आकलन, यादृच्छिक (random) नमूना आधार पर,
 - चयनित नमूना क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित प्रत्येक विवरण ट्रांसफार्मर पर स्थापित किये गये मीटरों पर आधारित कृषि संभरकों में विद्युत खपत का आकलन,
 - पृथक्कृत कृषि संभरकों के माध्यम से उपकेन्द्र पर, संभरक के आहरण बिन्दु पर मीटरों की स्थापना द्वारा तथा भार प्रवाह अध्ययनों (load flow studies) के आधार पर तकनीकी हानियों का अवधारण करना तथा तदनुसार कृषि संबंधी विद्युत खपत का आकलन करना।
- 24.6 आयोग द्वारा मीटरीकृत तथा अमीटरीकृत खपत को स्थापित करने/प्रमाणित किये जाने के प्रयोजन से किये जाने वाले अध्ययनों के बारे में उसकी विधि तथा क्रियाविधि के बारे में निर्देश प्रदान किये जा सकेंगे। आयोग द्वारा तदनुसार अमीटरीकृत खपत हेतु मानदण्डों की समीक्षा की जा सकेगी तथा उसके द्वारा वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अग्रिम कार्यवाही किये जाने संबंधी निर्देश प्रदान किये जाएंगे, जैसा कि उपयुक्त समझा जाए।

25. वितरण हानियाँ (Distribution Losses) :

- 25.1 आयोग द्वारा पिछली नियंत्रण अवधि हेतु समस्त सुसंगत कारकों पर यथोचित विचार करते हुए समस्त हितधारकों से परामर्श द्वारा, समस्त अनुज्ञप्तिधारियों तथा म.प्र. शासन को सम्मिलित करते हुए, वितरण हानियों के प्रक्षेप-वक्र (trajectory) पर विचार किया गया था। आयोग के संज्ञान में है कि पूंजीगत निवेश की विशाल राशि के माध्यम से कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है तथा इनके इस विनियमों की नियंत्रण अवधि के अंतर्गत भविष्य में पूर्ण किये जाने की आशा की जाती है। आयोग का यह दृष्टिकोण है कि इस पूंजीगत व्यय से वितरण हानियों में उल्लेखनीय कमी की जा सकेगी। इन विनियमों की नियंत्रण अवधि के अंतर्गत मानदण्डीय वितरण हानि स्तर प्रक्षेप वक्र निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है :

सरल क्रमांक	वितरण अनुज्ञप्तिधारी	वित्तीय वर्ष 2013-14	वित्तीय वर्ष 2014-15	वित्तीय वर्ष 2015-16
1	पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	23%	20%	18%
2	पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	20%	18%	16%
3	मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	23%	21%	19%
4	विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर	3.7%	3.5%	3.3%

- 25.2 यदि वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा हानियां कम किये जाने में तीव्र गति लाई जाती है तथा इस प्रकार वह विद्युत क्रय पर होने वाले व्यय में बचत करता है तो इस प्रकार प्राप्त किये गये लाभ अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उनकी परिचालन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किये जाने हेतु अपने स्वयं के पास धारित रखा जाना अनुज्ञेय किया जाएगा।
26. विद्युत क्रय की आवश्यकता का आकलन एवं उपलब्धता (**Estimate of Power Purchase Requirement and Availability**) :
- 26.1 प्रत्येक वर्ष के प्राक्कलित विक्रय को मानदण्डीय वितरण हानियों के अनुसार समेकित किया जाएगा जिसके अनुसार उक्त वर्ष हेतु अनुज्ञप्तिधारी की विद्युत क्रय आवश्यकता का आंकड़ा विद्युत-दर (टैरिफ) के अवधारण के प्रयोजन हेतु प्राप्त किया जाएगा। विनिर्दिष्ट वितरण हानियों के अतिरिक्त, उक्त वर्ष हेतु दोनों अन्तर्राज्यीय तथा राज्यान्तरिक वितरण प्रणालियों हेतु वितरण हानियों को भी अनुज्ञेय किया जाएगा।
- 26.2 विद्युत वितरण अनुज्ञप्तिधारी विद्युत क्रय आवश्यकता का प्रक्षेपण, ऊर्जा दक्षता (Energy Efficiency-EE) तथा मांग परक प्रबंधन (Demand side Management-DSM) योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित किये गये लक्ष्यों के प्रभाव पर विचार करते हुए करेंगे।
- 26.3 विद्युत वितरण कम्पनीवार विद्युत की उपलब्धता म.प्र. शासन द्वारा समय-समय पर अधिसूचित आवंटन के अनुसार होगी। समग्र उपलब्धता का अवधारण करते समय, कैप्टिव विद्युत संयंत्रों तथा किसी अन्य स्रोत से उपलब्धता पर भी विचार किया जाएगा।
- 26.4 इसके अतिरिक्त, आयोग ने अधिनियम की धारा 86(1)(ई) की अर्हता के अनुसार, वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अपारम्परिक/अक्षय ऊर्जा स्रोतों से क्रय की जाने वाली विद्युत की मात्रा भी निर्दिष्ट की है। विद्युत की समग्र आवश्यकता में ऐसे स्रोतों से विद्युत की उपलब्धता को भी सम्मिलित किया जाएगा।
27. विद्युत क्रय की लागत का आकलन (**Estimation of Power Purchase Cost**) :
- 27.1 विद्युत उत्पादक स्टेशनों से विद्युत क्रय की लागत समुचित आयोग द्वारा समय-समय पर अवधारित/अनुमोदित विद्युत-दर (टैरिफ) के आधार पर की जाएगी तथा नाभिकीय विद्युत स्टेशनों (nuclear power stations) के प्रकरण में, भारत सरकार द्वारा की जाएगी।
- 27.2 मध्यप्रदेश राज्य द्वारा अन्य राज्य(ों) के सहयोग से निष्पादित की गई परियोजनाओं के संबंध में, आयोग टैरिफ का अवधारण अन्य संबंधित विद्युत नियामक आयोगों के परामर्श से करेगा यदि यह दायित्व केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग को सौंपा न गया हो।
- 27.3 अन्य विद्युत उत्पादक कंपनियों, व्यापारियों तथा अन्य वितरण अनुज्ञप्तिधारियों से प्राप्त की गई विद्युत क्रय की लागत, आयोग द्वारा अनुमोदित विद्युत क्रय अनुबंधों तथा व्यापारिक व्यवस्थाओं के अनुसार की जाएगी जो कि इस शर्त के अधधीन होगी कि

वितरण अनुज्ञप्तिधारी समुचित विनियमों के अनुसार आयोग से ऐसी व्यवस्थाओं के संबंध में पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेंगे।

- 27.4 किसी वितरण अनुज्ञप्तिधारी के उत्पादन संयंत्र द्वारा उत्पादित विद्युत की लागत तथा उपभोक्ताओं को किये गये इसके विक्रय का निर्धारण आयोग द्वारा अवधारित विद्युत-दर (टैरिफ) पर आधारित होगा।
- 27.5 कैप्टिव विद्युत संयंत्रों से अधिप्राप्त की गई (Procured) विद्युत की लागत आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी।
- 27.6 विद्युत वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा ऊर्जा के अपारंपरिक/नवकरणीय ऊर्जा स्रोतों (Non Conventional / Renewable Sources of Energy) से क्रय की जाने वाली विद्युत की लागत आयोग द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाएगी। विद्युत की अधिप्राप्ति (Procurement) की लागत का आकलन करते समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा यह लागत सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता में शामिल की जाएगी।
- 27.7 किसी वर्ष में क्रय की गई ऊर्जा से संबंधित कोई वित्तीय हानि, जो अतिरिक्त हानियों की आपूर्ति हेतु वहन की गई हो तथा अनुमोदित स्तर से अधिक हो, को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन किया जाएगा।

28. पारेषण अनुज्ञप्तिधारियों को भुगतान योग्य प्रभार (Charges Payable to Transmission Licensees) :

- 28.1 राज्य के बाहर से क्रय की गई विद्युत हेतु केन्द्रीय पारेषण अनुज्ञप्तिधारियों की पारेषण प्रणाली का उपयोग किये जाने पर, पारेषण प्रभारों को केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार मान्य किया जाएगा।
- 28.2 राज्य पारेषण अनुज्ञप्तिधारी की राज्य पारेषण प्रणाली के उपयोग हेतु पारेषण प्रभार तथा राज्य भार प्रेषण केन्द्र (एसएलडीसी) प्रभार आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार होंगे।

29. वितरण विद्युत-दर (टैरिफ) :

- 29.1 विद्युत के वितरण हेतु विद्युत-दर (टैरिफ) में विद्युत क्रय लागत, चक्रण लागत तथा विद्युत प्रदाय लागत सम्मिलित होगी जिसके घटक विनियम 8.15 में विनिर्दिष्ट अनुसार होंगे।

30. पूंजी पर प्रतिलाभ (Return on Equity) :

- 30.1 पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना, चुकाई गई पूंजी पर रूपयों के रूप में, विनियम 21 के अनुसार अवधारित की जाएगी।

- 30.2 पूंजी पर प्रतिलाभ की गणना 16% की दर पर पूर्व-कर (Pre-tax) आधार पर की जाएगी। आयकर के भुगतान पर किये गये व्ययों को वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुज्ञप्ति-प्राप्त व्यापार पर वास्तविक आधार पर अतिरिक्त रूप से अनुज्ञेय किया जाएगा।
- 30.3 पूंजीगत अंशदान जारी करते समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उत्थापित (raised) अधिमूल्य (प्रीमियम) एवं सुरक्षित कोष से सृजित आंतरिक संसाधनों का निवेश, यदि कोई हो, की गणना चुकाई गई पूंजी पर बतौर पूंजी (इक्विटी) पर प्रतिलाभ के अनुरूप इस प्रतिबंध पर की जाएगी कि ऐसी अधिमूल्य (प्रीमियम) राशि एवं आंतरिक संसाधन वास्तविक तौर पर पूंजीगत व्यय की आपूर्ति हेतु उपयोग किये जाएं तथा अनुमोदित वित्तीय प्रस्तावों (पैकेज) का भाग बनें। प्रतिलाभ की संगणना के प्रयोजन हेतु, पूंजीगत व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु सुरक्षित कोष के भाग को उस तिथि से, जब से वह विद्युत वितरण व्यापार में उत्पादकता हेतु प्रयुक्त किया गया हो, माना जाएगा।

31. ब्याज एवं ऋण पूंजी पर वित्तीय प्रभार (Interest and Finance Charges on Loan Capital) :

- 31.1 ऋण पर ब्याज की गणना के प्रयोजन हेतु विनियम 21 में दर्शाई गई विधि अनुसार प्राप्त किये गये ऋण, सकल मानदण्डीय ऋण माने जाएंगे।
- 31.2 दिनांक 1.4.2013 की स्थिति में बकाया मानदण्डीय ऋणों की गणना आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2013 तक अनुज्ञेय किये गये सकल मानदण्डीय ऋण में से संचिति (Cumulative) अदायगी को घटाकर की जायेगी।
- 31.3 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि 2013-14 से 2015-16 के प्रत्येक वर्ष हेतु अदायगी को उक्त वर्ष हेतु अनुज्ञेय किये गये अवमूल्यन के बराबर माना जाएगा।
- 31.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा भले ही कोई भी विलम्बकाल अवधि (Moratorium period) का लाभ लिया गया हो, ऋण की अदायगी को परियोजना के वाणिज्यिक प्रचालन के प्रथम वर्ष से ही माना जाएगा तथा यह वार्षिक अनुज्ञेय किये गये अवमूल्यन के समतुल्य होगा।
- 31.5 ब्याज की दर, ब्याज की भारित औसत दर के बराबर होगी, जिसकी गणना, परियोजना हेतु प्रयोज्य प्रत्येक वर्ष के प्रारम्भ में वास्तविक ऋण की श्रेणी (Portfolio) के आधार पर की जाएगी :

परन्तु यदि किसी विशिष्ट वर्ष में कोई वास्तविक ऋण न हो तथा यदि मानदण्डीय ऋण अभी भी बकाया हो तो ऐसी दशा में अन्तिम उपलब्ध भारित औसत ब्याज दर मानी जाएगी :

परन्तु आगे यह भी कि यदि वितरण प्रणाली में वास्तविक ऋण लंबित न हो तो ऐसी दशा में वितरण अनुज्ञप्तिधारी की समग्र रूप से भारित औसत ब्याज दर मानी जाएगी।

- 31.6 ऋण पर ब्याज की गणना वर्ष के मानकीकृत औसत ऋण पर भारित औसत ब्याज दर की प्रयुक्ति द्वारा की जाएगी।
- 31.7 वितरण अनुज्ञप्तिधारी ऋण की पुनर्वित्त (Refinance) व्यवस्था हेतु समस्त संभव प्रयास करेगा जब तक यह ब्याज पर सकल बचतों में परिणत हों तथा ऐसी दशा में ऐसी पुनर्वित्त व्यवस्था हेतु संबद्ध लागतों को उपभोक्ताओं द्वारा वहन किया जाएगा तथा इस प्रकार की गई सकल बचत को उपभोक्ताओं तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारी के मध्य 1 : 1 के अनुपात में बांटा जाएगा।
- 31.8 ऋणों की निबंधन तथा शर्तों में किये गये परिवर्तनों को इस प्रकार की गई पुनर्वित्त व्यवस्था की तिथि से दर्शाया जाएगा।
- 31.9 अनुज्ञप्तिधारी के पास जमा किये गये प्रतिभूति निक्षेपों पर ब्याज प्रभारों को आयोग द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की गई दर पर मान्य किया जाएगा।

32. अवमूल्यन या अवक्षयण (Depreciation) :

- 32.1 विद्युत-दर (टैरिफ) के प्रयोजन हेतु, अवमूल्यन या अवक्षयण (Depreciation) की गणना निम्न विधि द्वारा की जाएगी :
 - ए. अवमूल्यन के प्रयोजन हेतु मूल्य आधार (value base) परिसम्पत्तियों की पूंजीगत लागत होगा जैसा कि आयोग द्वारा इसे अनुज्ञेय किया जाए।
 - बी. अनुमोदित/स्वीकृत लागत में विदेशी मुद्रा का निधीयन (Funding) शामिल होगा जिसे वास्तविक तिथि को प्राप्त की गई विदेशी मुद्रा पर प्रचलित विनिमय दर पर समतुल्य रूपों में परिवर्तित किया जाएगा।
 - सी. परिसम्पत्ति का उपादेय मूल्य (Salvage Value) 10 प्रतिशत माना जाएगा तथा अवमूल्यन को परिसम्पत्ति की पूंजीगत लागत के अधिकतम 90 प्रतिशत तक अनुज्ञेय किया जाएगा।
 - डी. पट्टे पर ली गई भूमि के अतिरिक्त किसी भी भूमि को अवमूल्यन योग्य परिसम्पत्ति नहीं माना जाएगा तथा परिसम्पत्ति के अवमूल्यन-योग्य मूल्य की गणना करते समय इसकी लागत को पूंजीगत लागत में से पृथक कर दिया जाएगा।
 - ई. अवमूल्यन की गणना प्रतिवर्ष "सरल रेखा विधि (Straight Line Method)" के आधार पर तथा वितरण प्रणाली की परिसम्पत्तियों हेतु जो दिनांक 31.03.2013

के उपरान्त वाणिज्यिक प्रचालन हेतु घोषित की जाती हैं **परिशिष्ट-2** (Appendix-II) में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार की जाएगी :

परन्तु वर्ष के 31 मार्च की स्थिति में अवशेष अवमूल्यन-योग्य मूल्य को वाणिज्यिक प्रचालन तिथि के 12 वर्षों की अवधि के उपरान्त परिसम्पत्तियों के अवशेष उपयोगी जीवनकाल के अन्तर्गत प्रसारित कर दिया जाएगा :

परन्तु यह भी कि परिसम्पत्ति के सृजन हेतु उपभोक्ता के अंशदान अथवा पूंजीगत सहायतानुदान/अनुदान आदि को आयोग द्वारा समय-समय पर जारी की गई अधिसूचना के अनुसार संव्यवहारित किया जाएगा।

एफ. विद्यमान परियोजनाओं के प्रकरणों में, दिनांक 1.4.2013 की स्थिति में अवशेष अवमूल्यन मूल्य की गणना आयोग द्वारा दिनांक 31.3.2013 तक स्वीकार की गई परिसम्पत्तियों के सकल अवमूल्यन योग्य मूल्य में अवमूल्यन के विरुद्ध अग्रिम राशि को सम्मिलित कर, में से संचयी अवमूल्यन को घटाकर की जाएगी। अवमूल्यन दर को परिशिष्ट-2 में विनिर्दिष्ट दर पर प्रभारित किया जाना जारी रखा जाएगा जब तक संचयी अवमूल्यन 70% तक पहुंच नहीं जाता। तत्पश्चात्, अवशेष अवमूल्यन योग्य मूल्य को परिसम्पत्ति के अवशेष जीवनकाल के अंतर्गत इस प्रकार विस्तारित किया जाएगा ताकि अधिकतम अवमूल्यन की बढ़ोत्तरी 90% से अधिक न हो।

जी. अवमूल्यन वाणिज्यिक प्रचालन के प्रथम वर्ष से आदेय (chargeable) होगा। यदि परिसम्पत्ति का वाणिज्यिक प्रचालन वर्ष के एक अंश हेतु हो तो अवमूल्यन को *आनुपातिक दर (Pro-rata)* पर प्रभारित किया जाएगा।

33 पट्टा/भाड़ा क्रय प्रभार (Lease/Hire Purchase Charges) :

33.1 पट्टे (लीज) पर ली गई परिसम्पत्तियों हेतु पट्टा प्रभारों पर वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा पट्टा संबंधी अनुबंध अनुसार विचार किया जा सकेगा यदि आयोग द्वारा प्रभारों को युक्तियुक्त समझा जाए।

34. प्रचालन एवं संधारण व्यय (Operation & Maintenance Expenses) :

34.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि हेतु, प्रचालन एवं संधारण व्ययों का अवधारण इन विनियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट मानदण्डीय प्रचालन एवं संधारण व्ययों पर आधारित होगा। प्रचालन एवं संधारण व्ययों में सम्मिलित होंगे : कर्मचारी लागत, मरम्मत एवं अनुरक्षण (R&M) लागत और प्रशासनिक एवं सामान्य (A&G) लागत। प्रचालन एवं संधारण व्ययों के मानदण्ड वितरण अनुज्ञप्तिधारियों के पूर्व के अंकेक्षित आकड़ों के आधार पर निर्धारित किये गये हैं। इन मानदण्डों में कर्मचारियों को भुगतान किये जाने वाले

मंहगाई भत्ते, पेंशन, सेवान्त प्रसुविधाएं, प्रोत्साहन, शासन को देय कर, म.प्र. राज्य विद्युत मण्डल व्यय तथा मप्रविनिआ को देय शुल्क शामिल नहीं हैं। वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मंहगाई भत्ते, पेंशन, सेवान्त प्रसुविधाएं शासन को देय करें तथा मप्रविनिआ को देय शुल्कों का दावा पृथक् से वास्तविक भुगतान की गई राशि के आधार पर किया जाएगा। पेंशन तथा सेवान्त प्रसुविधाएं के दावे का संव्यवहार मप्रविनिआ (मण्डल तथा उत्तराधिकारी इकाईयों के कार्मिकों को पेंशन तथा सेवान्त प्रसुविधा दायित्वों की स्वीकृति हेतु निबंधन तथा शर्तें) विनियम, 2012 अनुसार किया जाएगा।

- 34.2 लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण बकाया राशि के भुगतान, अथवा वेतन आयोग, आदि के कारण वेतन की किसी अन्य मद में वृद्धि के कारण एकल-बार व्ययों को प्रक्षेप वक्र (trajectory) के मानदण्डों से असम्मिलित किया जा सकेगा तथा इन्हें वास्तविक भुगतान के आधार पर अनुज्ञेय किया जाएगा। युद्ध, विद्रोह अथवा कानून में कतिपय परिवर्तनों अथवा ऐसी समतुल्य परिस्थितियों के कारण प्रचालन तथा संधारण व्ययों में अभिवृद्धि के संबंध में आयोग का यह अभिमत है कि जहां उपरोक्त वृद्धि न्यायोचित है, वहां पर आयोग इसे विनिर्दिष्ट अवधि हेतु लागू करने पर विचार कर सकेगा।
- 34.3 कर्मचारी व्यय जिनमें मंहगाई भत्ता, पेंशन, सेवान्त प्रसुविधाएं तथा प्रोत्साहन शामिल नहीं हैं, में वार्षिक वेतन वृद्धि के आधार पर 3 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि की गई है, जैसा कि इनके बारे में प्रावधान छठे वेतन आयोग की अनुशंसाओं में किया गया है।
- 34.4 आयोग द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान छठे वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार वेतन के पुनरीक्षण के कारण दिनांक 31.8.2008 तक प्रत्याशित व्यय के बारे में विचार किया गया है।
- 34.5 मरम्मत एवं अनुरक्षण व्ययों (R&M Expenses) को विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा स्वतंत्र रूप से दिनांक 1 जून, 2005 को कार्य प्रारंभ करने की स्थिति में परिसम्पत्तियों (Gross Fixed Assets) का तीन प्रतिशत इन्हें पुरानी परिसम्पत्तियां मानते हुए विचार गया है। नवीन परिसम्पत्तियों के भाग को जिसे बाद में माह मार्च, 2012 तक सृजन किया गया है, मरम्मत एवं अनुरक्षण व्ययों को 1.5 प्रतिशत की दर के अनुसार माना गया है। विशेष आर्थिक परिक्षेत्र (SEZ), पीथमपुर, एक माने गये अनुज्ञप्तिधारी के रूप में, जिसके द्वारा अपना प्रचालन कुछ वर्षों पूर्व प्रारंभ किया गया है, से संबंधित मरम्मत एवं अनुरक्षण व्यय, पूर्व के रुझानों के आधार पर नियंत्रण अवधि हेतु 5 प्रतिशत की दर से माने गये हैं। नियंत्रण अवधि के दौरान इन मानदण्डों पर मरम्मत तथा अनुरक्षण व्यय तत्संबंधी वर्ष की प्रारंभिक सकल स्थायी परिसम्पत्ति के आधार पर अनुज्ञेय किये जाएंगे।
- 34.6 विद्युत वितरण कंपनियों तथा विशेष आर्थिक परिक्षेत्र हेतु प्रशासनिक एवं सामान्य व्ययों (A&G Expenses) के बारे में वर्ष 2011-12 के अंकेक्षित आंकड़ों को आधार माना

गया है तथा थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index) तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index) के भारित औसत (Weighted average) का अनुपात 60 : 40 मानकर, इनमें प्रतिवर्ष 7.93 प्रतिशत की दर से वृद्धि की गई है जिसके अनुसार नियंत्रण अवधि हेतु अनुज्ञेय राशियां प्राप्त की गई हैं।

34.7 छठे वेतन आयोग के कारण दिनांक 31.8.08 तक की अवधि हेतु बकाया राशि के भुगतान को सत्यापन के समय अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा वास्तविक रूप से किये गये भुगतान से प्रचालन एवं संधारण व्ययों में इस हेतु सम्मिलित की गई राशि से तुलना की जाएगी तथा इनमें पाये गये किसी अंतर को परिशुद्ध किया जाएगा। विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर के प्रकरण में इस मद में किसी भी राशि पर विचार नहीं किया गया है।

34.8 किसी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किसी वर्ष में अर्जित कतिपय बचत को उसे स्वयं के पास प्रतिधारित रखे जाने की अनुमति दी जाएगी। किसी वर्ष में प्रचालन व संधारण व्ययों के निर्धारित लक्ष्य से आधिक्य के कारण होने वाली हानि को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन किया जाएगा।

34.9 प्रचालन एवं संधारण व्ययों हेतु मानदण्ड निम्नानुसार होंगे :

अ. मरम्मत तथा अनुरक्षण (R&M) व्यय वित्तीय वर्ष के प्रारंभिक सकल स्थाई परिसम्पत्तियों पर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2.3 प्रतिशत की दर से, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2.3 प्रतिशत की दर से तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी हेतु 2.3 प्रतिशत तथा विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर हेतु 5 प्रतिशत की दर से अनुज्ञेय किये जाएंगे।

ब. कर्मचारी व्यय (मंहगाई भत्ते को छोड़कर) तथा प्रशासनिक एवं सामान्य व्ययों की गणना अंकेक्षित तुलन-पत्रों (Balance sheets) के अनुसार पूर्व में उपगत किये गये वास्तविक व्ययों, छठे वेतन आयोग के अनुसार वेतन पुनरीक्षण एवं बकाया राशि के भुगतान आदि के कारण व्ययों के आधार पर की गई है। मानदण्डीय व्ययों को निम्न तालिकाओं में दर्शाये अनुसार अनुज्ञेय किया जाएगा:

i. कर्मचारी व्यय, मंहगाई भत्ते, बकाया राशि, पेंशन तथा सेवान्त प्रसुविधाओं को छोड़कर

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर
वित्तीय वर्ष 13-14	344	325	303	0.64
वित्तीय वर्ष 14-15	354	334	313	0.66

वित्तीय वर्ष 15-16	365	344	322	0.68
-----------------------	-----	-----	-----	------

ii. बकाया राशि के विरुद्ध व्यय

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर
वित्तीय वर्ष 13-14	34.00	30.00	29.52	0.00
वित्तीय वर्ष 14-15	34.00	30.00	29.52	0.00
वित्तीय वर्ष 15-16*	14.17	10.00	12.30	0.00

* केवल पाँच माह हेतु

iii. प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी	विशेष आर्थिक परिक्षेत्र पीथमपुर
वित्तीय वर्ष 13-14	112.78	92.71	85.14	1.37
वित्तीय वर्ष 14-15	121.73	100.07	91.89	1.48
वित्तीय वर्ष 15-16	131.38	108.00	99.18	1.60

35. डूबन्त तथा संदिग्ध ऋण (Bad and Doubtful Debts) :

35.1 सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता के अंतर्गत, डूबन्त तथा संदिग्ध ऋणों को जिस सीमा तक वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा पूर्व में, अन्तिम अंकेक्षित वित्तीय विवरणों पत्रों में वास्तविक रूप से बढ़ते खाते में डाला गया है, अनुज्ञेय किया जाएगा जैसा कि आयोग द्वारा इन्हें उपयुक्त समझा जाए, तथा सुसंबद्ध वर्ष हेतु इनका सत्यापन, सत्यापन प्रक्रिया के दौरान किया जाएगा तथा वार्षिक राजस्व राशि के एक प्रतिशत के अध्यक्षीन होगा।

36. कार्यकारी पूंजी पर ब्याज प्रभार (Interest Charges on Working Capital) :

36.1 कार्यकारी पूंजी की गणना इन विनियमों के उपबन्धों में किये गये प्रावधान के अनुसार की जाएगी तथा कार्यकारी पूंजी पर ब्याज की दर भारतीय स्टेट बैंक की सुसंगत वर्ष की दिनांक 1 अप्रैल को प्रयोज्य आधार दर (Base Rate) में 3.50 प्रतिशत जोड़कर की समतुल्य दर पर की जाएगी। कार्यकारी पूंजी पर ब्याज मानकीकृत आधार पर देय

होगा, भले ही अनुज्ञप्तिधारी ने किसी बाहरी संस्था से ऋण लिया हो अथवा मानकीकृत आधार पर गणना की गई कार्यकारी पूंजीगत ऋण से अधिक ऋण कर लिया हो।

37. विदेश विनिमय दर परिवर्तन (Foreign Exchange Rate Variation) :

- 37.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी विदेश विनिमय की अनावृत्ति (exposure) को वितरण प्रणाली हेतु विदेशी मुद्रा में प्राप्त किये गये ऋण तथा विदेशी ऋण के पुनर्भुगतान के संबंध में समायोजन (hedge) एक अंश में अथवा पूर्ण रूप से, जो कि वितरण अनुज्ञप्तिधारी की स्वेच्छानुसार होगा, कर सकेगा।
- 37.2 प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी, मानदण्डीय विदेशी ऋण से तत्संबंधी विदेश विनिमय दर परिवर्तन का समायोजन, सुसंगत वर्ष में, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, उक्त अवधि के दौरान जब कि वह व्यय के रूप में उद्भूत होता है, करेगा तथा इस प्रकार के विदेश विनिमय दर परिवर्तन से तत्संबंधी अतिरिक्त रूप्यों के भुगतान के दायित्व को, समायोजित (hedged) किये गये विदेशी ऋण के विरुद्ध अनुज्ञेय नहीं किया जाएगा।
- 37.3 उक्त सीमा, जहां तक कि वितरण अनुज्ञप्तिधारी विदेश विनिमय अनावृत्ति (exposure) का समायोजन करने में असमर्थ हो, रूप्यों में भुगतान के दायित्व में किसी परिवर्तन हेतु ब्याज का भुगतान तथा ऋण की अदायगी जो मानदण्डीय विदेशी मुद्रा ऋण से सुसंगत वर्ष से तत्संबंधी है, को अनुज्ञेय किया जाएगा बशर्ते यह अनुज्ञप्तिधारी अथवा उसके सामग्री प्रदायकों अथवा ठेकेदारों के कारण न हो।
- 37.4 वितरण अनुज्ञप्तिधारी समायोजन (hedging) की लागत तथा विदेश विनिमय दर परिवर्तन के प्रभाव का समायोजन आय के रूप में उक्त अवधि के दौरान, जिस अवधि के अंतर्गत वह उद्भूत हो, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर इसे वसूल करेगा।

38. आय पर कर (Tax on Income)

- 38.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी के आय स्रोतों पर देय वास्तविक कर स्वीकार्य होगा :

बशर्ते यह कि दिनांक 31 मार्च, 2013 तक की अवधि के विलम्बित कर दायित्वों, अतिरिक्त लाभों (Fringe Benefits) को छोड़कर, के क्रियान्वित होने पर ये विद्युत दर (टैरिफ) के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे।

39. विद्युत-दर से आय (Tariff Income) :

- 39.1 आयोग द्वारा विद्युत के वितरण एवं प्रदाय हेतु अवधारित समस्त प्रभारों से आय को विद्युत-दर (टैरिफ) आय माना जाएगा। विद्युत-दर (टैरिफ) आय में स्थाई प्रभार (Fixed charges), ऊर्जा प्रभार (Energy Charges), न्यूनतम प्रभार (Minimum Charges) तथा अन्य प्रभार सम्मिलित होंगे जैसे कि ये भिन्न-भिन्न उपभोक्ता श्रेणियों हेतु आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएं।

40. अन्य आय (Other Income) :

- 40.1 मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ अवधारण के लिये उत्पादन कंपनियों तथा अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा दिये जाने वाला विवरण एवं आवेदन की रीति और उसके लिये भुगतान योग्य फीस) विनियम, 2004, यथा संशोधित, के अन्तर्गत अन्य आय संबंधी अनुसूची, जैसा कि इसका प्रावधान विविध प्रभारों तथा सामान्य प्रभारों की अनुसूची में किया गया है, को 'अन्य आय' के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाएगा।
- 40.2 अन्य व्यवसाय से प्राप्त राजस्व को, अधिनियम की धारा 41 में विनिर्दिष्ट उक्त सीमा तक, जिसे आयोग द्वारा प्राधिकृत किया जाए, आय माना जाएगा।

41. विलंब भुगतान अधिभार (Late Payment Surcharge) :

- 41.1 यदि उपभोक्ताओं द्वारा देयकों का भुगतान निर्धारित तिथि तक नहीं किया जाता है तो उपभोक्ताओं को विनिर्दिष्ट किये गये अधिभार का भुगतान करना होगा। विलंबित भुगतान अधिभार की गणना के प्रयोजन से माह के किसी अंश को पूर्ण माह माना जाएगा। उपभोक्ता के विद्युत प्रदाय के स्थाई तौर पर विच्छेदन के उपरान्त की अवधि के अंतर्गत विलंबित भुगतान अधिभार को अधिरोपित नहीं किया जाएगा।
- 41.2 सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता व विद्युत-दर एवं अन्य आय के मध्य अंतर (Gap) के अवधारण हेतु, विलंबित भुगतान अधिभार को आय नहीं माना जाएगा।
- 41.3 अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किसी उपभोक्ता या उपभोक्ताओं की श्रेणी हेतु विलंब भुगतान अधिभार की वसूली को माफ किया जा सकेगा, यदि ऐसा किया जाना राजस्व वसूली की वृद्धि की दृष्टि से आवश्यक समझा जाए।

42. उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय हेतु विद्युत-दरों (टैरिफ) का अवधारण (Determination of Tariff for Supply to consumers) :

- 42.1 आयोग द्वारा विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों से वसूली योग्य प्रभारों का अवधारण निम्न सिद्धांतों के आधार पर किया जाएगा :
- (ए) उपभोक्ताओं को प्रदाय की गई विद्युत की औसत लागत तथा प्राक्कलित वितरण हानियों की वसूली ऊर्जा प्रभार के रूप में की जाएगी ;
- (बी) अधिनियम की धारा 62(3) में उल्लेखित कारकों के आधार पर विद्युत चक्रण तथा प्रदाय गतिविधियों पर दक्षता से उपगत किये गये (incurred) व्यय उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे ;

- (सी) यथासंभव, एक विशिष्ट वोल्टेज वर्ग के अन्तर्गत स्थाई प्रभार (Fixed Charges) तथा ऊर्जा प्रभार (Energy Charges) एक समान होंगे। किसी विशिष्ट वोल्टेज वर्ग के अन्तर्गत प्रभारों का विभेदन, आवश्यकतानुसार अधिनियम की धारा 62(3) में सूचीबद्ध कारकों के आधार पर किया जाएगा।
- (डी) विद्युत-दर न्यूनतम (Tariff Minimum) : उपभोक्ताओं के किसी वर्ग अथवा श्रेणी के टैरिफ न्यूनतम प्रभार, उपभोक्ताओं से ऐसे समय तक जब तक स्थाई प्रभार सम्पूर्ण स्थाई लागत की वसूली के साथ संरेखित नहीं कर दिये जाते, उपभोक्ताओं से वसूली योग्य होंगे।
- (ई) भार-कारक प्रोत्साहन (Load Factor Incentive) : आयोग द्वारा समय-समय पर जारी विद्युत-दर (टैरिफ) आदेशों के अन्तर्गत अनुमोदित योजनाओं के आधार पर उपभोक्ताओं को विद्युत-दर में भार-कारक आधारित छूटें (concessions) अनुज्ञेय की जा सकेंगी।
- (एफ) त्वरित भुगतान प्रोत्साहन (Prompt payment incentive) : त्वरित भुगतान किये जाने पर, उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकेगा जैसा कि आयोग द्वारा इसके संबंध में निर्णय लिया जाए। वे उपभोक्ता, जिनके विरुद्ध बकाया राशि का भुगतान शेष है, उन्हें इस प्रोत्साहन प्राप्त करने की पात्रता नहीं होगी।
- (जी) ऊर्जा कारक प्रोत्साहन/अधिभार (Power Factor Incentive/Surcharge) : आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अपने विद्युत-दर (टैरिफ) आदेशों के अन्तर्गत अनुमोदित योजना के आधार पर विद्युत-दर (टैरिफ) में ऊर्जा कारक प्रोत्साहन/अधिभार उपभोक्ताओं को अनुज्ञेय किया जा सकेगा।
- (एच) अस्थायी संयोजन प्रभार (Temporary Connection Charges) : अस्थायी संयोजन प्रभार अधिरोपित किये जा सकेंगे, जैसा कि आयोग द्वारा इनके बारे में निर्णय लिया जाए।
- (आई) विद्युत प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार (Supply Reliability Charge) : आयोग उपभोक्ताओं की उन श्रेणियों हेतु विद्युत प्रदाय विश्वसनीयता प्रभार विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनके लिए अबाधित (uninterruptible) विद्युत प्रदाय का प्रबन्धन किया जाता है।
- (जे) मंहगी ऊर्जा की अधिप्राप्ति (procurement) के कारण अतिरिक्त प्रभारों का आरोपण: मंहगी ऊर्जा की अधिप्राप्ति किये जाने पर आयोग अतिरिक्त प्रभारों का निर्धारण किये जाने पर विचार कर सकेगा।

- (के) ऊर्जा संरक्षण तथा मांग-परक प्रबन्धन (Demand Side Management) से देय प्रोत्साहन: आयोग ऊर्जा संरक्षण उपायों तथा मांग-परक प्रबन्धन हेतु प्रोत्साहनों का निर्धारण कर सकेगा।
- (एल) वेल्डिंग अधिभार (Welding Surcharge) : वे संस्थापनाएं, जिनमें वेल्डिंग मशीनों का भार विद्यमान है, के लिये आयोग वेल्डिंग अधिभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (एम) दिवस के समय (टीओडी) प्रोत्साहन/अधिभार : आयोग विद्युत ऊर्जा के दिवस के समय/मौसम के अन्तर्गत उपयोग हेतु निर्दिष्ट दिवस के समय (टाईम ऑफ डे) प्रोत्साहनों/अधिभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (एन) प्रतिक्रिय ऊर्जा प्रभार (Reactive Energy Charge) : वे संस्थापनाएं जो प्रतिक्रिय ऊर्जा का आहरण करती हैं उनके लिये आयोग प्रतिक्रिय ऊर्जा प्रभार का निर्धारण कर सकेगा।
- (ओ) अन्य कोई प्रोत्साहन/अधिभार : आयोग अन्य किसी प्रोत्साहन/अधिभार का भी निर्धारण कर सकेगा।

43. प्रति-सहायतानुदान का अन्तरश्रेणी अन्तरण (Inter-category transfers of cross-subsidy):

- 43.1 विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण की समग्र प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि युक्तियुक्त लागतों को समस्त उपभोक्ताओं को अन्तरित किया जाए। तथापि, प्रयोक्ताओं के समस्त समूहों को बिना किसी असहनीय टैरिफ प्रघात के वहनीय दर पर विद्युत प्रदान करने के सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। अतएव, टैरिफ नीति के उपबन्धों को दृष्टिगत रखते हुए वैयक्तिक श्रेणी हेतु विद्युत-दर का अवधारण करते समय प्रति-सहायतानुदान प्रदान किये जाने की आवश्यकता है। विद्युत-दर अवधारण में उपभोक्ता श्रेणियों हेतु प्रति-सहायतानुदान दर्शाया जा सकता है तथा इसकी गणना इस प्रकार की जाएगी जिससे टैरिफ नीति के उद्देश्यों की आपूर्ति हो सके।

44. विद्युत-दर श्रेणियों तथा उपभोक्ताओं को विद्युत दरों टैरिफ से अवगत कराया जाना (Tariff Categories and Intimation of Tariff Rates) :

- 44.1 आयोग, अधिनियम की धारा 62 के अन्तर्गत, विद्युत-दर (टैरिफ) का निर्धारण करते समय वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों से वसूली योग्य प्रभारों का विस्तृत विवरण विनिर्दिष्ट करेगा। टैरिफ अवधि हेतु, विनिर्दिष्ट वोल्टेज स्तरों पर उपभोक्ता श्रेणियां स्थूल रूप से, निम्नानुसार होंगी :

- भारी औद्योगिक उपयोग, रेलवे कर्षण (ट्रेक्शन), कोयला खदानें, मौसमी (सीजनल) को सम्मिलित करते हुए

- गैर-औद्योगिक उपयोग
 - घरेलू उपयोग
 - गैर-घरेलू उपयोग
 - सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था/जल प्रदाय
 - कृषि, सिंचाई तथा कृषि आधारित उद्योग
 - लघु तथा मध्यम उद्योग हेतु औद्योगिक प्रेरक बल (मोटिव पावर)
 - अन्य कोई, श्रेणियां जिन्हें आयोग द्वारा उपयुक्त समझा जाए।
- 44.2 आयोग, विद्युत-दर (टैरिफ) अवधि के किसी भी वर्ष में, उपरोक्त दर्शाई गई स्थूल श्रेणियों के अन्तर्गत उपयुक्त उप-श्रेणियां (Sub Categories)/खपत खण्डों (consumption Slabs)/भार खण्डों (Load Slabs) को निर्धारित कर सकेगा तथा पृथक-पृथक विद्युत-दर (टैरिफ) ऐसी प्रत्येक उप-श्रेणी/ खपत खण्ड/ भार खण्डों बाबत निर्धारित कर सकेगा।
- 44.3 वितरण अनुज्ञप्तिधारी को आयोग द्वारा अनुमोदित विभिन्न प्रभारों के विवरण प्रत्येक विद्युत-दर (टैरिफ) अवधारण के उपरांत उपभोक्ताओं की जानकारी हेतु प्रकाशित करने होंगे।

अध्याय — तीन

विविध

45. स्वच्छ विकास कार्य विधि लाभ (CDM Benefits) :

45.1 अनुमोदित स्वच्छ विकास कार्यविधि (Clean Development Mechanism - CDM) के कार्बन आकलन (Carbon Credit) से प्राप्तियों का परस्पर बंटवारा निम्न विधि द्वारा किया जाएगा, नामतः:

- (अ) स्वच्छ विकास कार्यविधि के कारण सकल प्राप्तियों की 100 प्रतिशत राशि परियोजना के विकासक (Developer) द्वारा वितरण प्रणाली की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि के प्रथम वर्ष में स्वयं द्वारा धारित रखी जाएगी।
- (ब) द्वितीय वर्ष में, उपभोक्ताओं का अंशदान 10 प्रतिशत होगा, जिसमें उत्तरोत्तर प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की दर से अभिवृद्धि की जाएगी, जिसे 50 प्रतिशत तक पहुंचने के उपरान्त, प्राप्तियों का बंटवारा वितरण अनुज्ञप्तिधारी तथा उपभोक्ताओं द्वारा समान अनुपात में किया जाएगा।

46. मानदण्डों से विचलन (Deviations from Norms) :

46.1 वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ताओं से वसूल की जाने वाली वितरण विद्युत-दर (टैरिफ) को इन विनियमों में विनिर्दिष्ट मानदण्डों से विचलन द्वारा भी अवधारित किया जा सकेगा।

47. कठिनाइयां दूर करने की शक्ति (Power To remove difficulties) :

47.1 यदि इन विनियमों के किसी भी उपबन्ध को मूर्त रूप देने में कोई कठिनाई आती हो तो आयोग किसी सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा अनुज्ञप्तिधारी को ऐसा कार्य करने अथवा उत्तरदायित्व संभालने हेतु निर्देशित कर सकेगा जो आयोग के मत में कठिनाइयां दूर करने हेतु आवश्यक अथवा वांछनीय हैं।

48. संशोधन हेतु शक्ति (Power of Amend) :

48.1 आयोग किसी भी समय इन विनियम के उपबन्धों में जोड़ने, बदलने, परिवर्तन करने, सुधारने अथवा संशोधन संबंधी प्रक्रिया कर सकेगा।

49. निरसन तथा व्यावृत्ति (Repeal and Savings) :

49.1 विनियम नामतः “मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (विद्युत प्रदाय व चक्रण के टैरिफ अवधारण संबंधी निबंधन तथा शर्तें तथा प्रभारों के निर्धारण के संबंध में विधियां तथा सिद्धांत) विनियम, 2009 (जी-35, वर्ष 2009)” जो राजपत्र में अधिसूचना क्रमांक 2734/मप्रविनिआ/2009 दिनांक 9.12.2009 द्वारा अधिसूचित तथा राजपत्र में दिनांक

- 22.01.2010 को प्रकाशित की गई है तथा संशोधनों के साथ सहपठित हैं जैसा कि यह इस विनियम की विषयवस्तु के साथ प्रयोज्य है, को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।
- 49.2 उपरोक्त दर्शाए गये विनियमों की निर्दिष्ट अवधि हेतु सम्पूर्ण राजस्व आवश्यकता के सत्यापन तथा विद्युत दर (टैरिफ) से संबंधित अन्य विषयों को कथित विनियमों के उपबंधों के अनुसार व्यवहारित किया जाएगा।
- 49.3 इस विनियमों की कोई भी बात आयोग को ऐसे किसी आदेश को पारित करने हेतु अन्तर्निहित शक्तियों को सीमित अथवा प्रभावित नहीं करेगी जो न्याय के उद्देश्य प्राप्त करने अथवा आयोग की प्रक्रिया के दुरुपयोग रोकने के उद्देश्य से आवश्यक हो।
- 49.4 इन विनियमों में किया गया कोई भी उल्लेख आयोग को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूपता में मामलों में व्यवहार करने के लिये एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने से नहीं रोकेगा, जो यद्यपि इन विनियमों के प्रावधानों से भिन्न हो, लेकिन जिसे आयोग मामले या मामलों के वर्ग की विशेष परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में और इसके कारणों को अभिलिखित करते हुए, आवश्यक या समीचीन समझता हो।
- 49.5 इन विनियमों में किया गया कोई भी उल्लेख स्पष्टतया या परोक्ष रूप से आयोग को अधिनियम के आधीन किसी मामले में कार्यवाही करने से या शक्ति का प्रयोग करने से नहीं रोकेगा, जिसके लिये कोई संहिता निर्मित नहीं की गई हो और आयोग इस तरह के मामलों में ऐसी कार्यवाही कर सकता है और ऐसी शक्तियों का प्रयोग या कृत्य कर सकता है, जैसा कि आयोग उचित समझता है।

आयोग के आदेशानुसार

पी.के. चतुर्वेदी, आयोग सचिव

Bhopal, 29 November, 2012

No. 3296/MPERC/2012. In exercise of powers conferred under Section 181(2) (zd) read with Section 45 and 61 of the Electricity Act, 2003 (No. 36 of 2003), the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission makes the following Regulations to specify the methods and principles for fixing the charges for electricity supplied by a Distribution Licensee and to specify the terms and conditions for determination of tariff for wheeling and supply of electricity in Madhya Pradesh during the Tariff Period of three years commencing from 1st April 2013 and continuing up to 31st March 2016.

MADHYA PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION (TERMS AND CONDITIONS FOR DETERMINATION OF TARIFF FOR SUPPLY AND WHEELING OF ELECTRICITY AND METHODS AND PRINCIPLES FOR FIXATION OF CHARGES) REGULATIONS, 2012

{RG -35 (I) OF 2012}

PREAMBLE

Whereas the Commission had notified Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for Determination of Tariff for Supply and wheeling of Electricity and Methods & Principles for Fixation of Charges) Regulations, 2009 (G-35 of 2009) on 9th December, 2009 and whereas the second control period of Multi Year Tariff will cease to be in vogue on 31st March, 2013, therefore, in order to specify the terms and conditions of Distribution Tariff for the next control period of FY 2013-14 to FY 2015-16, these Regulations are being notified.

CHAPTER I – PRELIMINARY

1. Short Title and Commencement :

- 1.1. These Regulations shall be called “Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for Determination of Tariff for Supply and Wheeling of Electricity and Methods and Principles for Fixation of Charges) Regulations, 2012{RG-35(I) of 2012”.
- 1.2. These Regulations shall extend to the whole of the State of Madhya Pradesh.
- 1.3. These Regulations shall be in force for the tariff period commencing from 01st April 2013 and up to 31st March 2016. The petitions for the determination of Annual Revenue Requirement and Tariff for Wheeling and supply of Electricity for the period commencing from 01st April 2013 shall be filed in accordance with these regulations only.

2. Scope and Extent of Application

- 2.1. These Regulations shall apply in all cases of determination of tariff under Section 62 of the Electricity Act, 2003 for wheeling and supply of electricity to be charged by the Distribution Licensees of the State from the consumers.

3. Norms of Operation to be threshold norms

- 3.1. For removal of doubts, it is clarified that the norms of operation specified under these Regulations are the threshold norms and this shall not preclude the Distribution Licensees and Consumers from agreeing to improved norms of operation and in such cases the improved norms as and when agreed to shall be applicable for determination of Tariff.

4. Definitions

- 4.1. In these Regulations, unless the context otherwise requires,
- (a) "Act" shall mean the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);
 - (b) "Accounting Statements" shall mean for each financial year the following statements, namely-
 - (i) Balance Sheet, prepared in accordance with the form contained in Part I of Schedule VI to the Companies Act, 1956; together with notes thereto, and such other supporting statements and information as the Commission may direct from time to time,
 - (ii) Statement of Profit and Loss, prepared in accordance with form contained in Part II of Schedule VI to the Companies Act, 1956,
 - (iii) Cash Flow Statement, prepared in accordance with the Accounting Standard 3 "Cash Flow Statements" as notified by the Companies (Accounting Standards), Rule, 2006,
 - (iv) Report of the statutory auditors' of the licensee,
 - (v) Directors' report and accounting policies,
 - (vi) Cost records, if any, prescribed by the Central Government under Section 209(1)(d) of the Companies Act, 1956;
 - (vii) Such other Statements as may be specified by the Commission from time to time for meeting regulatory requirements.
 - (c) "Aggregate Revenue Requirement" (ARR) shall mean the estimate of the aggregate expenses to be incurred by the distribution licensee for its licensed businesses for the Year(s) for which it is prepared.;

- (d) "Applicant" shall mean a distribution licensee who has made an application for determination of tariff for wheeling and supply of electricity in accordance with these Regulations;
- (e) "Auditor" shall mean an Auditor appointed by the Distribution Licensee in accordance with the provisions of Sections 224 and 619 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or any other law for the time being in force;
- (f) "Authorised load" shall be expressed in kW, kVA or HP units and shall be determined as per procedure laid down in the MP Electricity Supply Code, 2004 as amended from time to time;
- (g) "Bank Rate" shall mean the Bank Rate of Reserve Bank of India as on April 1, of the relevant year;
- (h) "Commission" shall mean the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission;
- (i) "Commission Secretary" shall mean Secretary of the Commission;
- (j) "Contracted Power" shall mean the power in MW, which the distribution licensee has agreed to wheel on his distribution system;
- (k) "Customer" shall mean a person who has set up a captive generating plant or a Licensee or a consumer availing open access, utilising the distribution system of the Distribution Licensee.
- (l) "Date of Commercial Operation" (COD) shall mean the date of charging the electric line or substation of a distribution licensee to its Declared Voltage level or seven days after the date on which it is declared ready for charging by the Distribution Licensee, but could not be charged for reasons attributable to its Customers;
- (m) "Declared Voltage" shall mean the voltage as specified in MP Electricity Supply Code, 2004 as amended from time to time;
- (n) "Discom" shall mean the Distribution Company or Vidyut Vitaran Company, wherein the "East Discom" shall mean the M.P. Poorv Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd., "West Discom" shall mean M.P. Paschim Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd. and "Central Discom" shall mean M.P. Madhya Kshetra Vidyut Vitaran Company Ltd.
- (o) "Distribution Licensee" means a licensee authorised to operate and maintain a distribution system for supplying electricity to the consumers in his area of supply;

- (p) "Distribution loss" shall mean the total energy losses occurring in the distribution system of a distribution licensee expressed in percentage as difference between energy input to its system and its sale;
- (q) "Existing Project" means the project declared under commercial operation on a date prior to 1.4.2013;
- (r) "Expenditure incurred" means the funds, whether the equity or debt or both, actually deployed and paid in cash or cash equivalent, for creation or acquisition of a useful asset and does not include commitments or liabilities for which no payment has been released;
- (s) "Extra High Tension (EHT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage higher than 33000 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation permitted in MP Electricity Supply Code , 2004 as amended from time to time;
- (t) "High Tension (HT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage not exceeding 33000 volts but higher than 650 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation permitted in MP Electricity Supply Code , 2004 as amended from time to time;
- (u) "Licensee" means a person who has been granted a licence under section 14 of the Electricity Act, 2003;
- (v) "Low Tension (LT) consumer" shall mean a consumer who is supplied electricity at a voltage which does not exceed 650 volts under normal conditions subject, however, to the percentage variation permitted in MP Electricity Supply Code , 2004 as amended from time to time;
- (w) "Long-Term Customer" shall mean a person having a long-term lien exceeding three years over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;
- (x) "Medium-term Customer" shall mean a person having a lien for the period exceeding three months and up to three Years over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;
- (y) "Officer" shall mean an Officer of the Commission;
- (z) "Operation and Maintenance expenses" or "O&M expenses" shall mean the expenditure incurred on operation and maintenance of the distribution and supply network of distribution licensee, including part thereof, and includes the expenditure on manpower, repairs, spares, consumables, insurance and overheads;

- (aa) "Project" shall mean a scheme for addition, alteration or augmentation of Distribution System;
- (bb) "Rated Voltage" shall mean the voltage at which the Distribution System is designed to operate;
- (cc) "Short-term Customer" shall mean a person having short term lien for a period up to three months over an inter / intra-Distribution Company System by virtue of paying wheeling charges;
- (dd) "Tariff" shall mean the schedule of charges payable by the consumers for Distribution and Supply of electricity together with terms and conditions thereof;
- (ee) "Tariff Period" shall mean the period for which Tariff is determined by the Commission under these Regulations;
- (ff) "Uncontrollable costs" shall mean the costs which include (but not limited to) fuel costs, costs on account of inflation, taxes and cess, variations in power purchase unit costs including on account of change in hydro-thermal mix due to adverse natural events or force majeure conditions or any other items as may be considered by the Commission;
- (gg) "Useful life" in relation to a unit of a Distribution System from the COD shall mean 25 years for sub-station and 35 years for lines;
- (hh) "Year" shall mean financial year commencing on 1st April and ending on 31st March of the succeeding year, and
 - (i) "Current Year" shall mean the year in which the statement of annual accounts or petition for determination of tariff is filed,
 - (ii) "Previous Year" shall mean the year immediately preceding the current year,
 - (iii) "Ensuing Year" shall mean the year next following the current year;

4.2. Words or expressions occurring in these Regulations and not defined shall bear the same meaning as in the Act.

5. Determination of Tariff

- 5.1. The Commission shall determine Tariff and charges including terms and conditions thereof under Section 62 of the Act read with Section 86 for wheeling and supply of electricity to consumers.

6. Principles for Tariff determination

- 6.1. The Commission, while specifying the terms and conditions for the determination of Tariff under these Regulations is guided by the principles contained in section 61 of the Act.
- 6.2. The tariff shall provide for recovery of prudent cost incurred in the operation of the licensed activities of wheeling and supply of the Distribution Licensee plus Return on Equity (RoE) at prescribed level of performance. The Distribution Licensee shall be required to prepare their Accounting Statements, which shall be regularly submitted before the Commission as detailed in clause 10.1.

- 6.3. The Multi Year Tariff principles adopted in these Regulations seek to promote competition, adoption of commercial principles, efficient working of the Distribution Licensees and protection of Consumers' interest. The operating and cost parameter norms for the Tariff Period have been prescribed after duly considering the past performance. The allowable Tariffs shall be determined in accordance with these norms. The Distribution Licensees are allowed to share savings as a reward for performance better than those prescribed in these Regulations. This is expected to incentivise the Distribution Licensees for efficient performance and economical use of resources.
- 6.4. Only cost of servicing those investments and capital expenditure that are in accordance with the guidelines issued by the Commission in this regard shall be allowed to be recovered through Tariff. This shall ensure prudent investments by the Distribution Licensees. The Distribution Licensee shall be required to ensure optimum investments and to make sufficient provision in the aggregate revenue requirement for investment to enhance distribution system capacity and meet performance standards prescribed by the Commission.
- 6.5. The cross-subsidy shall be progressively reduced in accordance with the Tariff Policy.

Procedure for making an application for determination of Tariff

- 7.1. Procedure for making application for determination of tariffs for wheeling and supply of electricity has earlier been notified under the title MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of tariff and manner of making an application) Regulations, 2004 and its amendments from time to time. An application for determination of Tariff shall be accompanied by such fees as may be specified.
- 7.2. The distribution licensee shall submit the information for determination of ARR and Tariff for the Tariff period in the formats annexed with these regulations (Annexure -- I). The information furnished by the licensee in these formats shall form a part of the application. The Licensee is also required to publish in an abridged form, the application for ARR & tariff determination for the tariff period in the manner as may be directed by the Commission. The licensee shall also have to file additional information as may be directed by the Commission in such formats as and when required for the purpose of finalization of ARR/Tariff.
- 7.3. The Commission shall, at all times, have the authority, either Suo-Motu or on a petition filed by any interested or affected party, to determine the Tariff, including terms and conditions thereof, of Distribution Licensees and shall initiate the process of such determination in accordance with the procedure as may be specified:

Provided that the proceedings for such determination of Tariff, including terms and conditions thereof, shall be in the same manner as set out in the Conduct of Business Regulations, as amended from time to time.

- 7.4. The Commission or the Secretary or any Officer designated for the purpose by the Commission may, upon scrutiny of the application, require the Applicant to furnish such additional information or particulars or documents as may be considered necessary for the purpose of processing the application. The Commission upon receipt of incomplete application or upon non receipt of such additional information or particulars or documents as may be considered necessary for the purpose of processing the application, within stipulated time period, may reject the application.
- 7.5. Only, upon receipt of the complete application accompanied by all requisite information, particulars and documents in compliance with all the requirements, the application shall be deemed to have been accepted and the Commission or the Secretary or the Officer designated for the purpose by the Commission shall intimate to the Applicant that the application is ready for publication, in such abridged form and manner, as may be specified [Refer MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulation, 2004 as amended from time to time].
- 7.6. The Distribution Licensees shall put all the details of the petition filed before the Commission on its website not later than 3 working days of receipts of a formal Order of the Commission conveying its acceptance by the Commission.
- 7.7. The Applicant shall furnish to the Commission all such books and records (or certified true copies thereof), including the Accounting Statements, operational and cost data, as may be required by the Commission for determination of Tariff. The Commission may, if deemed necessary, make available to any person, at any time, such information as has been provided by the Applicant to the Commission including abstracts of such books and records (or certified true copies thereof).

Provided that the Commission may, by order, direct that any information, documents and papers/materials maintained by the Commission, shall be confidential or privileged and shall not be available for inspection or supply of certified copies. and the Commission may also direct that such document, papers or materials shall not be used in any manner except as specifically authorised by the Commission.

8. Methodology for Determination of Tariff and True-up

- 8.1. The Commission shall define Tariff Period for the Distribution Licensee from time to time. The principles for Tariff determination shall be applicable for the duration of the Tariff Period. The principles that guide tariff determination for the next tariff period shall be valid for a period up to 31st March, 2016 from the date of commencement of these Regulations.

- 8.2. The Distribution Licensee shall file the petitions at the beginning of the Tariff Period. A review shall be undertaken by the Commission to scrutinise and true up the Tariff on the basis of the capital expenditure and additional capital Expenditure incurred in the Year for which the true up is being requested. However, in such true up, any abnormal and uncontrollable variation may also be considered. While determining O&M norms, an element for payment of prior period arrears up to 31.8.2008, on account of revision of pay scales of the employees in accordance with Sixth pay Commission recommendations as implemented by the Distribution Licensees of the State, has been included. This shall also be trued up and for this purpose, details of actual arrears payments shall have to be furnished. Any further revision during the control period in salaries and consequent payment of arrears becoming due shall be brought to the notice of the Commission for appropriate consideration.
- 8.3. If the Tariff already recovered is more than the Tariff determined after true up, the Distribution Licensees shall refund to the consumers the excess amount so recovered in the manner as may be decided by the Commission in the True-up order. Similarly, in case the Tariff already recovered is less than the Tariff determined after true up, the Distribution Licensees shall recover from the consumers, the under recovered amount in the manner as may be decided by the Commission subject to adhering to the timelines specified by the Commission for filing of True-up Application. The decision of the Commission on the mechanism of recovery of balance amount due to under recovery shall be final.
- 8.4. The Tariff and True up filing shall be in accordance with and in the formats prescribed in MPERC (Details to be furnished and fees payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making an application) Regulations, 2004 (as amended from time to time) by 31st October every Year. However for the first year of the MYT control period of these regulations, the application for determination of ARR/ tariff should be filed by 17th Decemeber,2012.
- 8.5. The Distribution Licensee's aggregate revenue requirement shall be presented to the Commission through a petition in three distinct parts i.e. first for the energy cost i.e. power purchase cost including transmission and distribution losses and inter-state and intra-state transmission charges as well as SLDC charges, second for wheeling expenses and third for expenses pertaining to supply of energy to consumers, including customer services.
- 8.6. The expenses pertaining to the creation, maintenance, upkeep, renewal and development including replacement and expansion of wires network shall be considered as wheeling activity. This shall cover sub-stations, conductors, transformers, plants and apparatus used in the distribution system for wheeling of electricity by the Distribution Licensee.

- 8.7. The costs associated with the supply activity of the Distribution Licensee will include (a) establishment cost for arranging the power to the consumers and (b) providing consumer services, which may include expenses of metering, billing, recovery and associated activities.
- 8.8. A Distribution Licensee having any other business which utilises the assets of the distribution business, shall maintain and submit to the Commission, separate accounts with respect to its licensed business and such other business.
- 8.9. The Commission may, for the entire tariff period, approve the Aggregate Revenue Requirement for the Wheeling and Supply activities of the Distribution Licensee based on the principles contained in these Regulations and authorise the Distribution Licensee to recover the charges from the consumers during the period of authorisation. Based on MYT principles the Distribution Licensee shall be required to file Tariff / True-up petitions in the manner specified at clause 8.4.
- 8.10. The ARR once approved for the tariff period shall only require annual adjustments in order to pass through uncontrollable variations in costs and revenues. All controllable variations shall normally be treated only at the end of the tariff period; however, if the magnitude of such variations is substantial then such variations could be reviewed during the tariff period also. However, the Distribution Licensee shall file an application before the Commission every year latest by 31st October for seeking renewal of authorisation to recover charges from the consumers after the period for which he is already authorised by the Commission.
- 8.11. The Commission will treat each Licensee area as a single territory for the purpose of recovering the expenses allocable to wheeling activity of Distribution Licensee and accordingly separate wheeling charges for each Licensee could be determined.
- 8.12. The Commission envisages making a distinction between interruptible and un-interruptible supply. The Commission may authorise the licensee to recover a supply reliability charge for un-interruptible supply.
- 8.13. The Commission shall determine average per unit cost of supply of energy to be recovered from the consumers duly giving consideration to the distribution losses allowed to the particular licensee for the Tariff Period.
- 8.14. The approved ARR shall include components of power purchase cost, wheeling expenses and supply expenses and shall be recoverable from all consumers availing supply from the Distribution Licensee
- 8.15. While determining the Aggregate Revenue Requirement of the Distribution Licensee, the Licensee, apart from details of energy cost, shall also provide accounting details / cost allocation details of activities pertaining to Wheeling (distribution wires) and Supply separately.
- a. The items allocated to energy cost i.e. power purchase cost

- (i) Fixed Cost of power purchase
- (ii) Variable Cost of power purchase
- (iii) Inter-State Transmission Losses
- (iv) Inter-State Transmission Charges
- (v) Intra-State Transmission Losses
- (vi) Intra-State Transmission Charges
- (vii) SLDC charges
- (viii) Any taxes or levies that are applicable as per law
- (ix) Any other charges attributable to power purchase

b. The items allocable to wheeling activity may include:

- (i) Operations and Maintenance expenses of the distribution network relating to wheeling activity;
- (ii) Depreciation on assets identified with wheeling activity;
- (iii) Interest and finance charges on project loans identified with wheeling activity as far as possible or notionally;
- (iv) Interest and finance charges on Working Capital identified with wheeling activity;
- (v) Return on Equity allocable to wheeling activity;
- (vi) Lease / Hire purchase charges; and
- (vii) Cost of hedging or swapping to take care of FERV;

c. The expenses allocable to supply activity may include:

- (i) Operations and Maintenance expenses relating to supply activity;
- (ii) Depreciation on assets identified with supply activity;
- (iii) Interest and finance charges on project loans identified with supply activity as far as possible or notionally;
- (iv) Interest and finance charges on Working Capital identified with supply activity;
- (v) Interest on Consumer Security Deposit;
- (vi) Return on Equity allocable to supply activity;
- (vii) Bad and doubtful debts; and
- (viii) Lease / Hire purchase charges;

8.16. Subject to other provisions of these Regulations, the expenses allowed to be recovered by means of tariff for any financial year, shall be subject to adjustments in any tariff to be fixed for the subsequent period, if the Commission is satisfied, that such adjustments for the excess amount or shortfall in the amount actually realized or expenses incurred are necessary and the same are not on account of any reason attributable to or within the control of the Distribution Licensee.

9. Fuel Surcharge

- 9.1. As provided in Section 62(4) of the Act, a Fuel Cost Adjustment charge formula may be specified by the Commission and tariff may be permitted to be charged under the terms of specified formula. The Commission may specify the formula for levy of Fuel Cost Adjustment charge in the tariff Order of the relevant year or through a separate Order and may make any further changes in this formula as may be considered necessary as and when required. The impact of Fuel Cost Adjustment charge whenever permitted in respect of a generating company or distribution licensee shall be recoverable from consumers and also from open access consumers for the quantum of such supply as is availed by them from the distribution licensee notwithstanding their open access consumer status.
- 9.2. The Commission may also allow recovery of incremental power purchase cost on quarterly basis. The incremental power purchase cost shall be worked out based on the formula specified by the Commission for this purpose in the tariff Order of the relevant year or through a separate Order and may make any further changes in this formula as may be considered necessary as and when required. The incremental power purchase cost will be in addition to the fuel cost adjustment charge. The incremental power purchase cost shall be based on normative losses and permitted under the circumstances wherein the power purchase has been made by the Distribution Licensee due to factors which were beyond his control, which may include shortages in supply from the identified power supply sources in the Tariff Order requiring licensee to purchase power at higher price from the power market or other source to meet the demand. This may also include purchase of power at higher price than given in the Tariff Order on account of sale to the consumers in excess of the sales as admitted in the Tariff Order which results in sourcing additional power from power market or other sources.

10. Preparation & submission of Annual Accounts, Reports etc

- 10.1. Every Distribution Licensee shall submit annual statement of accounts and such other information as may be specified by the Commission. In addition to the submission of annual accounts, the Distribution Licensee shall be required to comply with the information requirements of various Regulations and license conditions notified by the Commission from time to time.

11. Periodicity of Tariff determination

- 11.1. No Tariff or part of any Tariff may ordinarily be amended, more frequently than once in a Year. The Commission may, after satisfying itself for reasons to be recorded in writing, allow for the revision of Tariff in duration of less than a year.

12. Public suggestions, objections and hearings

- 12.1. In accordance with the provisions of the Act under section 64 (3), the Commission shall invite suggestions and objections from the public for consideration before determination of ARR and Tariff. Subsequently, the Commission may, if it considers necessary, conduct hearing of the stakeholders on the suggestions and objections submitted by them or may determine the ARR and Tariff giving due consideration to the suggestions and objections received. The Commission may also conduct hearing with the applicant as and when considered necessary.

13. Admission of the petition and orders of the Commission

- 13.1. The petition submitted by the licensee for ARR/ tariff determination including true up petition shall be given a provisional receipt number. Any deficiency in the information submitted in the petition or additional information required shall be communicated to the licensee. The licensee shall submit the information desired by the Commission within the specified time limit failing which the petition may be rejected and returned to the licensee. The petition shall only be construed as accepted after it is submitted by the licensee with the complete information including the additional information. After such acceptance of the petition, a final petition number would be allotted and the petition would be treated as complete for processing in accordance with time lines specified in the Act under section 64(3) for issue of tariff Order.
- 13.2. The Commission, after the petition has been accepted, may require the Distribution Licensee to furnish any particulars, documents, public records etc as the Commission may consider appropriate to enable the Commission to review the petitioner's calculations, assumptions and assertions.
- 13.3. After receipt of information or otherwise, the Commission may make appropriate orders to continue with the process of determination of the ARR/ Tariff or reject the application..

14. Charging of Tariff other than approved

- 14.1. Any Distribution Licensee found to be charging a Tariff different from the one approved by the Commission from the consumers shall be deemed to have not complied with the directions of the Commission and shall be liable to be proceeded against under Section 142 of the Act without prejudice to any other liability becoming due from the licensee under any other provisions of the Act. In case the amount recovered exceeds the amount allowed by the Commission, the excess amount so recovered shall be refunded to the Consumers who have paid such excess charges, along with simple interest for that period equivalent to the bank rate of RBI as on April 1, of the relevant Year.

15. Review during and at the end of period of the tariff order

- 15.1. The Distribution Licensee shall submit periodic returns as may be specified, containing operational and cost data to enable the Commission to monitor the implementation of its order.
- 15.2. The Distribution Licensee shall submit to the Commission annual statements of its performance and accounts including latest report of audited accounts.
- 15.3. For each year of the tariff period, sales shall be grossed up by normative level of losses as indicated in MYT trajectory for estimating power purchase cost subject to justifiable power purchase mix variation (for example, more energy may be purchased from thermal generation in the event of poor rainfall).
- 15.4. The variations during the tariff period in other approved costs shall be considered by the Commission only if the Licensee is able to prove to the satisfaction of the Commission that these variances are on account of factors beyond its reasonable control. Variations on account of controllable reasons shall be considered only if they have a substantial impact on the business of the Licensee.
- 15.5. At least twelve months before the end of the tariff period, the Commission shall initiate a comprehensive review of norms and the long term tariff principles contained in these Regulations.
- 15.6. Such review shall be with the objective of analysing implementation of the long term principles and making modification or improvement in the norms, principles, procedures and methodology.

CHAPTER II

PRINCIPLES FOR DETERMINATION OF TARIFF

16. Petition for determination of Tariff

- 16.1. The Distribution Licensee shall file the petition accompanied by such forms as may be specified for determination of Tariff complying with provisions of Chapter I of these Regulations and MPERC (Details to be furnished and fee payable by licensee or generating company for determination of Tariff and manner of making application) Regulations 2004, as amended from time to time, based on the principles specified by the Commission in these Regulations. These principles shall be implemented from 01st April, 2013 and shall be applicable for a period up to 31st March, 2016. .

17. Basis for determination of Tariff

- 17.1. As stated, multiyear tariff principles shall be applicable from April 01, 2013 for a period of three years and the Distribution Licensees are required to file the proposals for determination of tariff within stipulated time lines.
- 17.2. The wheeling and supply expenses shall be determined by the Commission every year. Further, the Commission may allow a change in wheeling and supply expenses on account of unforeseen additional and extraordinary investment needed for the distribution network on receipt of true-up applications.

18. Controllable and uncontrollable factors

- 18.1. The “uncontrollable factors” shall comprise the following factors which were beyond the control of, and could not be mitigated by the licensee:
- (a) Force Majeure events, such as acts of war, fire, natural calamities, etc.
 - (b) Change in law;
 - (c) Taxes and Duties;
 - (d) Variation in sales; and
 - (e) Variation in the cost of power generation and/or power purchase due to the circumstances specified in relevant sections of these regulations.
- 18.2. Some illustrative variations or expected variations in the performance of the applicant, which may be attributed by the Commission to controllable factors include, but are not limited to the following:
- (a) Variations in capital expenditure on account of time and/or cost overruns/ efficiencies in the implementation of a capital expenditure project not attributable to an approved change in scope of such project, change in statutory levies or force majeure events;

- (b) Variations in Aggregate Technical & Commercial (AT&C) losses which shall be measured as the difference between the units input into the distribution system and the units realized (units billed and collected) wherein the units realized shall be equal to the product of units billed and collection efficiency (where Collection Efficiency shall be measured as ratio of total revenue realized to the total revenue billed for the same year);
- (c) Distribution Losses which shall be measured as the difference between total energy input for sale to all its consumers and sum of the total energy billed in its license area in the same year;
- (d) Variations in Return on Equity (RoE), depreciation and working capital requirements;
- (e) Failure to meet the standards specified in the Standards of Performance Regulations, except where exempted;
- (f) Variation in operation & maintenance expenses, except those attributable to directions of the Commission.
- (g) Variation in Wires Availability and Supply Availability.

19. Mechanism for pass through of gains or losses on account of uncontrollable factors

- 19.1. The approved aggregate gain or loss to the Distribution Licensee on account of uncontrollable factors shall be passed through, as an adjustment in the tariff of the Distribution Licensee as may be determined in the Order of the Commission passed under these Regulations.

20. Capital Cost and Capital structure

- 20.1. Capital cost for a Project shall consists of :

- a. The Expenditure incurred or projected to be incurred on original scope of work, including interest during construction and financing charges excluding initial capital spares, any gain or loss on account of foreign exchange rate variation on the loan up to the Date of Commercial Operation of the Project, as admitted by the Commission after prudent check, which shall form the basis for determination of Tariff.
- b. Capitalized initial spares subject to the following ceiling norms:
 - i) Lines- 0.75% of Original Project cost
 - ii) Substations- 2.5% of Original Project cost
 - iii) Other devices such as capacitors etc.- 3.5 % of Original Project cost

- 20.2. The capital cost admitted by the Commission after prudent check shall form the basis for determination of Tariff. Prudent check may include scrutiny of the reasonableness of the capital expenditure, financing plan, interest during construction, use of efficient technology, cost over-run and time over-run, and such other matters as may be considered appropriate by the Commission for determination of Tariff.

Provided that in case of the Existing Projects, the capital cost admitted by the Commission prior to 1.4.2013 shall form the basis for determination of capital cost.

- 20.3. Restructuring of capital cost in terms of relative share of equity and loan component shall be permitted during the Tariff Period provided it does not affect Tariff adversely. Any benefit from such restructuring shall be passed on to the Consumers as may be specified by the Commission.

21. Debt-equity ratio

- 21.1. For the purpose of determination of tariff, the debt-equity ratio of the total capital employed in completed assets shall be 70:30 subject to clause 21.2. The debt-equity amount arrived in accordance with this clause shall be used for calculation of interest on loan, return on equity, depreciation and foreign exchange rate variation

- 21.2. For a Project declared under commercial operation on or after 1.4.2013, if the equity actually deployed is more than 30% of the capital cost, equity in excess of 30% shall be treated as normative loan:

Provided that where equity actually deployed is less than 30% of the capital cost, the actual equity shall be considered for determination of Tariff.

Provided further that the equity invested in foreign currency shall be designated in Indian rupees on the date of each investment.

Explanation - The premium, if any, raised by the Distribution Licensee, while issuing share capital and investment of internal resources created out of its free reserve, for the funding of the Project, shall be reckoned as paid up equity capital for the purpose of computing return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilized for meeting the capital expenditure of the Distribution System.

- 21.3. In case of the Distribution System declared under commercial operation prior to 1.4.2013, debt-equity ratio allowed by the Commission for determination of Tariff for the period ending 31.3.2013 shall be considered.

22. Working capital

22.1. Working capital for supply activity of the licensee shall consist of:

- (i) Receivables of two months of average billing reduced by power purchase cost of one month and any consumer security deposit ,
- (ii) O&M expenses for one month, and
- (iii) Inventory (meters, metering equipment, testing equipment are particularly relevant in case of supply activity) for 2 months based on annual requirement for previous year.

22.2. Working capital for wheeling activity of the licensee shall consist of

- (i) O&M expenses for one month, and
- (iii) Inventory (excluding meters, etc. considered part of supply activity) for 2 months based on annual requirement considered at 1% of the gross fixed assets for previous year.

22.3. The norms described above shall be applicable for each year of the tariff period.

23. Capital Investment Plan

23.1. The Distribution Licensee shall submit in the ARR petition a detailed capital investment plan, financing plan and physical targets indicating physical and financial achievements against various Capex schemes for meeting the requirement of load growth, reduction in Distribution losses, improvement in quality of supply, reliability, metering etc.

23.2. The Capital investment plan shall show separately, ongoing Projects that will spill into the Year under review and new Project (along with justification) that may commence but may be completed within or beyond the Tariff Period providing relevant technical and commercial details.

23.3. The proportion for debt and equity for the approved capital investment shall be as per Regulation 21.

24. Estimation of sales

- 24.1. The estimation of the sale for each year of the Tariff period shall be based on the category wise and slab wise actual / audited data of the sale of electricity, number of consumers, connected / contracted load, etc. of the preceding three years as well as considering any other relevant factors or studies carried out that may result in to variance in estimation of sale to that of based on actual / audited data. Reasons for variance with the historical trends shall be submitted by the Licensee with due justifications for consideration of the Commission. The year wise projections of the aforementioned parameters for the tariff period shall also be provided along with the tariff petition.
- 24.2. The reasonableness of growth in number of consumers, consumption, demand of electricity and trend of reduction of losses in previous years and anticipated growth in the next years and any other factor, which the Commission may consider relevant, would be examined and subsequently approved by the Commission for determining the estimated quantum of electricity required by the Licensees on the basis of normative loss level for determination of tariff with such modifications as deemed fit.
- 24.3. For the purpose of such estimation Distribution Licensee shall also indicate:
- a. Category wise open access consumers, traders and other Distribution Licensees using its system. The demand and energy wheeled for them shall be shown separately in respect of consumers;
 - i. within the area of supply and
 - ii. outside the area of supply.
 - b. Sale of electricity, if any, to electricity traders or other distribution licensees shall be separately indicated.
- 24.4. The Distribution Licensee shall have to establish consumption of un-metered consumer categories through feeder as well as DTR metering through representative sampling /audit etc. In the absence of such energy audit / representative samples / DTR metering, etc. the Distribution Licensees' claim may not be accepted and the estimation of consumption in such cases shall be based on the benchmarks as the Commission may consider appropriate.
- 24.5. The Commission may direct the distribution licensee to conduct an independent study for (i) validation of status of meters, load of metered consumers and category classification of consumers; (ii) to assess consumption of power by un-metered consumers' segments based on random sampling basis; (iii) assessment of consumption on agricultural feeders based on meters installed at each DT in the sample area and (iv) segregated agricultural feeders by installing meters at input points of the feeder at the sub-station and based on load flow studies to determine technical losses and thereby agricultural consumption.

- 24.6. The Commission may direct the manner and the methodology of the studies to be conducted for the purpose of establishing/validating metered and unmetered consumption. The Commission may accordingly review the benchmarks for unmetered consumption and may direct the distribution licensee to take further action as may be considered appropriate.

25. Distribution Losses

- 25.1. The Commission had considered the trajectory of distribution losses for the preceding control period after giving due consideration to all relevant factors after consultations with all stakeholders including the Licensees and the GoMP. The Commission is aware that huge capital investments are in pipe line and projected for completion in near future during the control period of these regulations. The Commission is of the view that this Capex should result in substantial reduction in distribution losses. The normative distribution loss level trajectory for control period of these regulations is given in the table below:

Sl. No.	Distribution Licensee	FY 13-14	FY 14-15	FY 15-16
1.	East Discom	23%	20%	18%
2.	West Discom	20%	18%	16%
3.	Central Discom	23%	21%	19%
4.	SEZ, Pithampur	3.7%	3.5%	3.3%

- 25.2. If the Distribution Licensee is able to achieve a faster reduction in losses and thus able to save expenses on power purchase, the gains thus made shall be allowed to be retained by the licensee to incentivise their operations.

26. Estimate of power purchase requirement and availability

- 26.1. Each year's estimated sale shall be grossed up by the normative distribution losses to arrive at the quantum of power purchase requirement of the Licensee for such year for the purpose of determination of tariff. Transmission losses both for inter-State and intra-State transmission systems will be allowed in addition to prescribed distribution losses for that year.
- 26.2. The Distribution Licensees shall project the power purchase requirement after considering effect of target set for Energy Efficiency (EE) and Demand Side Management (DSM) schemes.
- 26.3. The Discom wise availability of the power shall be as per the allocation notified by the GoMP from time to time. The availability from CPPs and any other source shall also be considered while determining the total availability.

- 26.4. In addition, as per the requirement under Section 86 (1) (e) of the Act, the Commission has indicated the quantum of power to be purchased by Distribution Licensees from non-conventional / renewable energy sources. Availability of power from such sources shall also be included in the total availability of power.

27. Estimation of power purchase cost

- 27.1. The cost of power purchase from Generating Stations shall be as per the tariff determined/approved by the appropriate Commission from time to time and in case of nuclear power stations by the Government of India.
- 27.2. In respect of projects executed by the State of Madhya Pradesh along with any other State(s), the Commission shall determine the tariff in consultation with the other concerned Regulatory Commissions where the responsibility is not assigned to CERC.
- 27.3. The cost of power purchased from other Generating Companies, Traders and other Distribution Licensees shall be as per the PPAs and trading arrangements approved by the Commission, subject to the condition that the Distribution Licensees gets prior approvals of such arrangements from the Commission in accordance with the appropriate regulations.
- 27.4. The Cost of power generated by the generating plant of the Distribution Licensee and sold by it to its consumers shall be based on tariff determined by the Commission.
- 27.5. The cost of power to be procured from the Captive Power Plants shall be as decided by the Commission from time to time.
- 27.6. The cost of power to be purchased by Distribution Licensees from non-conventional / renewable sources of energy shall be as determined by the Commission from time to time. This cost shall be included in the ARR while estimating the cost for procurement of power by the licensee.
- 27.7. Any financial loss on account of power purchased by the licensee in any year to meet additional losses over and above the normative level of losses shall be borne by the licensee.

28. Charges payable to Transmission Licensees

- 28.1. The transmission charges for the use of transmission system of Central Transmission Licensees for the power purchased from outside the State shall be considered as per the Orders issued by the CERC from time to time.
- 28.2. The transmission charges for the use of State Transmission System of the State Transmission Licensee and SLDC charges shall be as per the orders of the Commission as issued from time to time.

29. Distribution Tariff

- 29.1. The Tariff for distribution of electricity shall consist of power purchase cost, wheeling cost and supply cost consisting of the components specified in Regulation 8.15.

30. Return on Equity

- 30.1. Return on equity shall be computed in rupee terms, on the paid up equity capital determined in accordance with Regulation 21.
- 30.2. Return on equity shall be computed on pre-tax basis at the rate of **16%**. Any expenses on payment of Income Tax shall be allowed extra on actual basis on the licensed business of Distribution licensee.
- 30.3. The premium raised by the licensee while issuing share capital and investment of internal resources created out of free reserve, if any, shall also be reckoned as paid up capital for the purpose of computing return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilised for meeting capital expenditure and forms part of the approved financial package. For the purposes of calculation of computation of return, the portion of free reserves utilized for meeting the capital expenditure shall be considered from the date the asset created is productively deployed in the distribution business.

31. Interest and finance charges on loan capital

- 31.1. The loans arrived at in the manner indicated in Regulation 21 shall be considered as gross normative loan for calculation of interest on loan.
- 31.2. The normative loan outstanding as on 1.4.2013 shall be worked out by deducting the cumulative repayment as admitted by the Commission up to 31.3.2013 from the gross normative loan.
- 31.3. The repayment for each Year of the Tariff period 2013-14 to 2015-16 shall be deemed to be equal to the depreciation allowed for that Year.
- 31.4. Notwithstanding any moratorium period availed by the Distribution Licensee, the repayment of loan shall be considered from the first Year of commercial operation of the Project and shall be equal to the annual depreciation allowed.
- 31.5. The rate of interest shall be the weighted average rate of interest calculated on the basis of the actual loan portfolio at the beginning of each Year applicable to the Project:

Provided that if there is no actual loan for a particular Year but normative loan is still outstanding, the last available weighted average rate of interest shall be considered.

Provided further that if the Distribution System does not have actual loan, then the weighted average rate of interest of the Distribution Licensee as a whole shall be considered.

- 31.6. The interest on loan shall be calculated on the normative average loan of the Year by applying the weighted average rate of interest.
- 31.7. The Distribution Licensee shall make every effort to re-finance the loan as long as it results in net savings on interest and in that event the costs associated with such re-financing shall be borne by the consumers and the net savings shall be shared between consumers and Distribution Licensee in ratio 1:1.
- 31.8. The changes to the terms and conditions of the loans shall be reflected from the date of such re-financing.
- 31.9. Interest charges on security deposits with the licensee shall be considered at the rate specified by the Commission from time to time.

32. Depreciation

- 32.1. For the purpose of Tariff, depreciation shall be computed in the following manner:
 - a. The value base for the purpose of depreciation shall be the capital cost of the assets as admitted by the Commission
 - b. The approved/accepted cost shall include foreign currency funding converted to equivalent rupee at the exchange rate prevalent on the date of foreign currency actually availed.
 - c. The salvage value of the asset shall be considered as 10% and depreciation shall be allowed up to maximum of 90% of the capital cost of the asset.
 - d. Land other than land held under lease shall not be a depreciable asset and its cost shall be excluded from the capital cost while computing depreciable value of the asset.
 - e. Depreciation shall be calculated annually based on 'straight line method' and at rates specified in Annexure II to these Regulations for the assets of the Distribution System declared in commercial operation after 31/03/2013.

Provided that, the remaining depreciable value as on 31st March of the Year closing after a period of 12 Years from Date of Commercial Operation shall be spread over the balance useful life of the assets.

Provided further that the Consumer contribution or capital subsidy/ grant etc. for asset creation shall be treated as may be notified by the Commission from time to time.

- f. In case of the existing Projects, the balance depreciable value as on 1.4.2013 shall be worked out by deducting the cumulative depreciation including Advance Against Depreciation as admitted by the Commission up to 31.3.2013 from the gross depreciable value of the assets. The rate of Depreciation shall be continued to be charged at the rate specified in Annexure-II till cumulative depreciation reaches 70 %. Thereafter, the remaining depreciable value shall be spread over the remaining life of the asset such that the maximum depreciation does not exceed 90 %.
- g. Depreciation shall be chargeable from the first Year of commercial operation. In case of commercial operation of the asset for part of the Year, depreciation shall be charged on pro rata basis.

33. Lease/ Hire Purchase charges

- 33.1. Lease charges for assets taken on lease by Distribution Licensee shall be considered as per lease agreement provided the charges are considered reasonable by the Commission.

34. Operation & Maintenance expenses

- 34.1. Operation and Maintenance expenses shall be determined for the Tariff Period based on normative O&M expenses specified by the Commission in these Regulations. The O&M expenses comprise of employee cost, repairs & maintenance (R&M) cost and administrative & general (A&G) cost. The norms for O&M expenses have been fixed on the basis of past audited figures of the Distribution Licensees. These norms exclude dearness allowance, pension, terminal benefits and incentive to be paid to employees, taxes payable to the Government, MPSEB expenses and fee payable to MPERC. The Distribution Licensee shall claim the dearness allowance, pension and terminal benefits, taxes payable to the Government and fees to be paid to MPERC separately as actual. The claim of expenses towards pension and terminal benefits shall be dealt with as indicated in the MPERC (Terms and Conditions for allowing pension and terminal benefits liabilities of personnel of Board and successor entities) regulations, 2012.
- 34.2. One-time expenses such as expense due to change in accounting policy, arrears paid or an increase in any other item of salary etc. due to Pay Commissions etc., shall be excluded from the norms in the trajectory and shall be allowed on actual. Increase in O&M charges on account of war, insurgency or changes in laws, or like eventualities where the Commission is of the opinion that an increase in O&M charges is justified, may be considered by the Commission for a specified period.
- 34.3. The employee expenses excluding dearness allowance, pension, terminal benefits and incentives have been escalated by 3% every year based on the yearly salary increment as provided in 6th Pay Commission's recommendations.

- 34.4. The Commission has also considered expected expenditure in each financial year towards payment of arrears up to 31.8.2008 on account of revision of pay as per 6th Pay Commission's recommendations.
- 34.5. R&M expenses have been considered @ of 3% of the GFA at the time of commencement of independent functioning of the Discoms i.e. as on 1st June, 2005 treating these as old assets. For portion of new assets created subsequently up to March, 2012 R&M expenses @ 1.5% have been considered. In case of SEZ Pithampur being a deemed licensee who commenced operations few years back, the R&M based on past actual trends @ 5% have been considered for the control period. The R&M expenses on these norms shall be allowed on the opening GFA of the relevant year during the control period.
- 34.6. For administration & general expenses, audited figures for the year 2011-12 for Discoms and for SEZ based on tariff order for FY12-13 have been taken as base and escalated every year at the inflation rate of 7.93%, considering a weighted average of Wholesale Price Index and Consumer Price Index in the ratio of 60: 40, to arrive at the amounts allowed for the control period.
- 34.7. The amount of arrears on account of 6th Pay Commission for the period up to 31.08.08 actually paid by the Distribution Licensees shall be compared with amount towards this included in O&M charges at the time of true-up and variation, if any, shall be trued up. In case of SEZ Pithampur no amount on this account has been considered.
- 34.8. Any saving achieved by a Licensee in O&M expenses in any Year shall be allowed to be retained by it. The Licensee shall bear the loss if it exceeds the targeted O&M expenses for that Year.
- 34.9. The norms for O&M expenses shall be as under:
- The R&M Expenses shall be allowed on the opening GFA of the financial year @ 2.3% for East Discom, @ 2.3% for West Discom, @ 2.3% for Central Discom and @ 5% for SEZ Pithampur.
 - Employee expenses (excluding dearness allowance) and A&G expenses have been worked out after taking in to account the past actual expenses as per audited balance sheets, expenses on account of revision of pay and arrears as per 6th pay Commission etc. Normative expenses shall be allowed as given below:
 - Employee expenses excluding DA, arrears, pension and terminal benefits:

Rs. in Crore				
Year	East Discom	West Discom	Central Discom	SEZ Pithampur
FY 13-14	344	325	303	0.64
FY 14-15	354	334	313	0.66

FY 15-16	365	344	322	0.68
----------	-----	-----	-----	------

ii. Expenses against arrears

Rs. in Crore

Year	East	West	Central	SEZ Pithampur
FY 13-14	34.00	30.00	29.52	0.00
FY 14-15	34.00	30.00	29.52	0.00
FY 15-16*	14.17	10.00	12.30	0.00

*For five months only

iii. A&G expenses

Rs. in Crore

year	East	West	Central	SEZ
2013-14	112.78	92.71	85.14	1.37
2014-15	121.73	100.07	91.89	1.48
2015-16	131.38	108.00	99.18	1.60

35. Bad and doubtful debts

- 35.1. Bad and Doubtful Debts in the ARR shall be allowed based on actually written off bad debts in the past as per the available latest audited financial statements to the extent Commission considers it appropriate and shall be trued up during the true up exercise for the relevant year subject to a maximum limit of 1% of the yearly revenue.

36. Interest charges on working capital

- 36.1. Working capital shall be computed as provided in these Regulations and Rate of interest on working capital shall be equal to the State Bank of India Base Rate as on April 1 of the relevant Year plus 3.50%. The interest on working capital shall be payable on normative basis notwithstanding that the Licensee has not taken working capital loan from any outside agency or has borrowed in excess of the working capital loan computed on normative basis.

37. Foreign Exchange Rate Variation (FERV)

- 37.1. The Distribution Licensee may hedge foreign exchange exposure in respect of the interest on foreign currency loan and repayment of foreign loan acquired for the Distribution System, in part or full in the discretion of the Distribution Licensee.
- 37.2. Every Distribution Licensee shall recover the cost of hedging of Foreign Exchange Rate Variation corresponding to the normative foreign debt, in the relevant Year on year-to-year basis as expense in the period in which it arises and extra rupee liability corresponding to such Foreign Exchange Rate Variation shall not be allowed against the hedged foreign debt.
- 37.3. To the extent the Distribution Licensee is not able to hedge the foreign exchange exposure, the variation in rupee liability towards interest payment and loan repayment corresponding to the normative foreign currency loan in the relevant Year shall be permissible provided it is not attributable to the Distribution Licensee or its suppliers or contractors.
- 37.4. The Distribution Licensee shall recover the cost of hedging and adjust the impact of Foreign Exchange Rate Variation on year-to-year basis as income or expense in the period in which it arises.

38. Tax on Income

- 38.1. Actual payment of Income Tax on Income streams of the Distribution Licensee shall be admissible as expenses.

Provided that the deferred tax liability, excluding Fringe Benefit Tax, for the period up to 31st March, 2013 whenever it materializes, shall be recoverable from the Consumers through tariff.

39. Tariff income

- 39.1. Income from all charges determined by the Commission for Distribution and supply of electricity shall be considered as Tariff income. Tariff income shall include fixed charges, energy charges, minimum charges and other charges as may be specified by the Commission for different consumer categories.

40. Other income

- 40.1. A schedule for other income as provided in the schedule of Miscellaneous Charges and General Charges under MPERC (Details to be furnished by licensees for determination of Tariff and manner of making an application) Regulation 2004 as amended from time to time shall be classified under 'Other Income'.
- 40.2. Revenue from other business shall be treated as income to the extent authorized by the Commission under Section 41 of the Act.

41. Late payment surcharge

- 41.1. Surcharge as may be prescribed will be payable if the bills are not paid up to due date. A part of a month will be reckoned as full month for the purpose of calculation of delayed payment surcharge. The delayed payment surcharge will not be levied for the period after supply to the consumer is permanently disconnected.
- 41.2. The delayed payment surcharge shall not be considered as income for the purpose of determination of gap between aggregate revenue requirement and tariff & other income.
- 41.3. The licensee may waive the late payment surcharge payable by any consumer or class or category of consumers as it may consider necessary to boost recovery of revenue.

42. Determination of tariffs for supply to consumers

- 42.1. The Commission shall determine the charges recoverable from different consumer categories based on the following principles:
- (a) The average cost of energy supplied to consumers and estimated distribution losses shall be recovered as energy charge;
 - (b) The expenses efficiently incurred on wheeling and supply activities shall be recoverable from the consumers on the basis of factors mentioned in Section-62(3) of the Act;
 - (c) To the extent possible, the fixed charges and energy charges shall be uniform within a particular voltage class. The differentiation in charges within a particular voltage class, if necessary, shall be done based on the factors listed in Section 62(3) of the Act;
 - (d) Tariff minimum: Tariff minimum charges for a class or category of the consumers shall be recoverable from the consumers till the time fixed charges are aligned with recovery of full fixed costs.;

- (e) Load factor incentive: Load factor based concessions in tariff may be allowed to consumers based on the scheme approved by the Commission in its Tariff Orders issued from time to time.
- (f) Prompt payment incentive: An incentive for prompt payment could be given to the consumers as may be decided by the Commission. The consumers in arrears shall not be entitled for this incentive.
- (g) Power Factor incentive/ surcharge: Power factor incentive/ surcharge in tariff may be allowed/levied to consumers based on the scheme approved by the Commission in its Tariff Orders issued from time to time.
- (h) Temporary connection charges: Temporary connection charges will be levied as may be decided by the Commission.
- (i) Supply reliability charge: The Commission may consider to prescribe supply reliability charges for those categories of consumers who are provided with uninterruptible supply.
- (j) Additional charge on account of procurement of costly power: The Commission may consider to prescribe additional charges on account of procurement of costly power.
- (k) Incentives for energy conservation and demand side management: The Commission may prescribe incentives for energy conservation measures and demand side management.
- (l) Welding surcharge: The Commission may prescribe Welding surcharge for the installation having load of welding machines.
- (m) ToD incentive/ surcharge: The Commission may prescribe Time of day incentives/ surcharge for use in the specified duration of the day/ season.
- (n) Reactive energy charge: The Commission may prescribe Reactive energy charge for the installations drawing reactive energy.
- (o) Any other incentive / surcharge: The Commission may prescribe any other surcharge / incentive.

43. Inter-category transfers or cross-subsidy

- 43.1. The overall process of determining tariff shall ensure that prudent costs are passed on to consumers. However, aspect of meeting the social objective of providing affordable power to all groups of users without an unbearable tariff shock needs to be considered. Therefore there is a need for cross subsidization while determining tariff for individual category keeping in view the provisions of Tariff policy. The cross-subsidy may be shown in the tariff determined for consumer categories and shall be worked out in such manner so as to meet the objectives of the Tariff policy.

44. Tariff categories and intimation of tariff rates to consumers

- 44.1. The Commission, while determining the tariff for supply of electricity under section 62 shall specify details of charges to be recovered by the Distribution Licensee from different consumer categories. For the tariff period, the consumer categories shall broadly comprise of the following, at specified voltage levels:
- Heavy Industrial Use, including Railway Traction, coal mines, seasonal, etc.
 - Non industrial use
 - Domestic Use
 - Non Domestic Use
 - Public Lighting / Water Supply
 - Agriculture, Irrigation and agro based industry
 - Light and Medium scale Industrial Motive Power
 - Any other categories as considered appropriate by the Commission
- 44.2. The Commission may, while determining tariffs for any year of the tariff period specify suitable sub-categories / consumption slabs / load slabs within the broad categories mentioned above, and may separately prescribe tariff rates for each such sub-category / consumption slabs / load slabs.
- 44.3. The Distribution Licensee shall publish details of various charges approved by the Commission after each tariff determination exercise in the manner as may be approved by the Commission for information to the consumers.

CHAPTER III

MISCELLANEOUS

45. CDM benefits

45.1. The proceeds of carbon credit from approved Clean Development Mechanism (CDM) project shall be shared in the following manner, namely-

- (a) 100% of the gross proceeds on account of CDM to be retained by the project developer in the first Year after the Date of Commercial Operation of the Distribution System
- (b) In the second Year, the share of the Consumers shall be 10% which shall be progressively increased by 10% every Year till it reaches 50%, where after the proceeds shall be shared in equal proportion, by the Distribution Licensee and the Consumers.

46. Deviation from norms.

46.1. The Distribution Tariff to be recovered by the Distribution Licensees from the consumers may also be determined by the Commission in deviation of the norms specified in these Regulations .

47. Power to remove difficulties

47.1. If any difficulty arises in giving effect to any of the provisions of these Regulations, the Commission may, by general or special order, do or undertake or direct the Licensees to do or undertake things, which in the opinion of the Commission is necessary or expedient for the purpose of removing the difficulties.

48. Power to Amend

48.1. The Commission may, at any time add, vary, alter, modify or amend any provisions of these Regulations.

49. Repeal and Savings

- 49.1. The Regulations namely “Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission (Terms and Conditions for determination of Tariff for Supply and Wheeling of Electricity and Principles for Fixation of Charges), Regulations, 2009 (G-35 of 2009)” published vide Notification No.2734/MPERC/2009 in the Gazette dated 22/01/2010 and read with all amendments thereto, as applicable to the subject matter of these Regulations are hereby superseded.
- 49.2. True up of ARR and other matters related to tariff for the period given for the above mentioned regulations shall be dealt as per the provisions of these regulations.
- 49.3. Nothing in these Regulations shall be deemed to limit or otherwise affect the inherent power of the Commission to make such orders as may be necessary for ends of justice to meet or to prevent abuses of the process of the Commission.
- 49.4. Nothing in these Regulations shall bar the Commission from adopting, in conformity with the provisions of the Act, a procedure, which is at variance with any of the provisions of this Regulation, if the Commission, in view of the special circumstances of a matter or class of matters and for reasons to be recorded in writing, deems it necessary or expedient for dealing with such a matter or class of matters.
- 49.5. Nothing in these Regulations shall, expressly or impliedly, bar the Commission dealing with any matter or exercising any power under the Act for which no Regulations have been framed, and the Commission may deal with such matters, powers and functions in a manner it thinks fit.

By order of the Commission,
P. K. CHATURVEDI, Commission Secretary.

ANNEXURE - I

NAME OF DISTRIBUTION LICENSEE: _____

INDEX OF ARR & TARIFF FILING FORMATS FOR DISTRIBUTION AND RETAIL SUPPLY LICENSEES

Financial Formats			
1	Sheet	S1	Statement of Profit & Loss
2	Sheet	S2	Balance Sheet
3	Sheet	S3	Share Capital and Reserves & Surplus
4	Sheet	S4	Current Assets and Liabilities
5	Sheet	S5	Financial Investments
6	Sheet	S6	Deferred Tax Asset/Liability
7	Sheet	S7	Other Long Term Liability
8	Sheet	S8	Long Term Loan & Advances
Expenses formats			
9	Sheet	A1	Aggregate Revenue Requirement
10	Sheet	F1	Power Purchase cost
11	Sheet	F1a	Month-wise power procurement details
12	Sheet	F1b	Energy Balance : Energy Input and Cost of Pool Power
13	Sheet	F1c	Intra State Transmission (MPTRANSCO) Charges
14	Sheet	F1d	Intra State Inter Discom UI details
15	Sheet	F1e	Inter-State Transmission Charges
16	Sheet	F1f	SLDC Charges
17	Sheet	F2	Gross Fixed Assets
18	Sheet	F2a	Depreciation and provision for depreciation
19	Sheet	F2a(i)	Fixed Assets - Historical Information
20	Sheet	F2b	Investment Plan - Master
21	Sheet	F2b(i)	Commissioning / Capitalisation Plan - Master
22	Sheet	F2b(ii)	Year-wise Capital Expenditure
23	Sheet	F2b(iii)	Financing of capitalised works
24	Sheet	F2c	Capital Works in Progress - Summary Statement
25	Sheet	F2d	Details of Expenses Capitalised
26	Sheet	F2e	Contribution Grants & subsidies towards Capital assets
27	Sheet	F3	Interest & Finance charges
28	Sheet	F3a	Calculation of weighted average rate of interest on actual loans
29	Sheet	F4	Working Capital Requirements
30	Sheet	F5	R&M Expenses
31	Sheet	F6	Employees' Cost & Provisions
32	Sheet	F7	Administration & General Expenses
33	Sheet	F8	Return on Equity
34	Sheet	F9	Statement of Sundry Debtors & provision for bad & doubtful debtors
35	Sheet	F10	Extraordinary Items
36	Sheet	F11	Net Prior Period Expenses/Income
37	Sheet	F12	Other expenses
38	Sheet	F13	Income Tax Provisions
39	Sheet	F14	Other income
40	Sheet	F14a	Income from Miscellaneous Charges from consumers
41	Sheet	F14b	Expenses and Income from Business other than Licensed business
42	Sheet	F15	Consumer Security Deposit
43	Sheet	F16	Lease Rental
44	Sheet	P1	T&D Losses in LT and HT System
45	Sheet	P2	Distribution Losses
46	Sheet	P3	Details of physical characteristics of the network
Revenue formats			
47	Sheet	R1	Monthly projection of sales in MU for the MYT Period
48	Sheet	R2	Summary of Actual / estimated Revenue from sale of power
49	Sheet	R3	Revenue from Current Tariff & Charges for LT consumers in urban area
50	Sheet	R4	Revenue from Current Tariff & Charges for LT consumers in rural area
51	Sheet	R5	Total Revenue from Current Tariff & Charges (LT URBAN + RURAL AND HT)
52	Sheet	R6	Summary of revenues and gaps/surpluses across major categories
53	Sheet	R7	Income from Wheeling Charges

Instructions for the Utility:

- 1) Electronic copy in the form of CD/ Floppy Disc shall also be furnished
- 2) These formats are indicative in nature and the utility may align the line items to its chart of accounts

PY Previous Year FY 2011-12
CY Current Year FY 2012-13
MYT Period The Tariff Period from FY 2013-14 to 2015-16

Form No: S1

Statement of Profit & Loss

All figures in Rs Crores

	Particulars	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
I.	Revenue from operations (including Revenue Subsidy)						
II.	Other income						
III.	Income from other business allocated to Licensed business						
IV	Total Revenue (I + II+III)						
V	Expenses:						
	Purchase of Power from MP Genco						
	Purchase of Power from Other Sources						
	Inter-State Transmission charges						
	Intra-State Transmission (MP Transco) Charges						
	SLDC Charges						
	Depreciation and amortization expenses						
	Interest & Finance Charges						
	Repairs and Maintenance						
	Employee costs						
	Administration and General expenses						
	Net prior period credit charges						
	Other Debits, Write-offs						
	Lease Rental						
	Total Expenses						
VI	Profit before exceptional and extraordinary items and tax (IV-V)						
VII	Extraordinary items						
VIII	Profit before extraordinary items and tax (VI – VII)						
IX	Extraordinary Items						
X	Profit before tax (VIII- IX)						
XI	Tax expense:						
	(1) Current tax						
	(2) Deferred tax						
XII	Profit (Loss) for the period from continuing operations (X-XI)						
XIII	Profit/(loss) from discontinuing operations						
XIV	Tax expense of discontinuing operations						
XV	Profit/(loss) from Discontinuing operations (after tax) (XIII-XIV)						
XV	Profit (Loss) for the period (XII+ XV)						

Balance Sheet

Form No: S2

All figures in Rs Crores

	Particulars	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
I	EQUITY AND LIABILITIES						
	(1) Shareholders' funds						
	(a) Share capital						
	(b) Reserves and surplus						
	(c) Money received against share warrants						
	(2) Share application money pending allotment						
	(3) Non-current liabilities						
	(a) Long-term borrowings						
	(b) Deferred tax liabilities (Net)						
	(c) Other Long term liabilities						
	(d) Long-term provisions						
	(4) Current liabilities						
	(a) Short-term borrowings						
	(b) Trade payables						
	(c) Other current liabilities						
	(d) Short-term provisions						
	TOTAL						
II.	ASSETS						
	(1) Non-current assets						
	(a) Fixed assets						
	(i) Tangible assets						
	Gross Block (Net of assets not in use)						
	less: Accumulated Depreciation						
	Net Block						
	(ii) Intangible assets						
	Gross Block						
	less: Accumulated Amortization						
	Net Block						
	(iii) Capital work-in-progress						
	(iv) Intangible assets under development						
	(b) Non-current investments						
	(c) Deferred tax assets (net)						
	(d) Long-term loans and advances given by Utility						
	(e) Other non-current assets						
	(2) Current assets						
	(a) Current investments						
	(b) Inventories						
	(c) Trade receivables						
	(d) Cash and cash equivalents						
	(e) Short-term loans and advances						
	(f) Other current assets						
	TOTAL						

Name of Distribution Licensee

Share Capital and Reserves & Surplus

Form No: S3

All figures in Rs Crores

Sl.No.	Description of capital	Account Code	Balance at the beginning of the year	Appropriation during the year	Withdrawals/ Allotment during the year	Balance at the end of the year
			1	2	3	4
A	SHARE CAPITAL					
	Equity Capital					
B	RESERVES & SURPLUS					
	RESERVES					
	General Reserve					
	Capital Reserve					
	a) Capital contributions from consumers					
	b) Capital subsidies / grants					
	c) Any other Capital Reserve					
	Other reserves					
	Sub-total of Reserves					
	SURPLUS					
	Surplus (including debit balance of P&L)					
	Sub-total of Surplus					
	Total Reserves & Surplus					
C	Money received against share warrants					
D	Share Application money pending allotment					

Note:- Information to be provided for each year from FY2010-11 to FY 2015-16

Current Assets & Liabilities

Form No: S4

All figures in Rs Crores

Sl.No	Particulars	Account code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16 FY14	FY15	FY16
A	Current Assets, Loans and Advances							
	(a) Current investments							
	(b) Inventories							
	(c) Trade receivables							
	(d) Cash and cash equivalents							
	(e) Short-term loans and advances							
	(f) Other current assets							
	TOTAL OF 'A'							
B	Current Liabilities							
	(a) Short-term borrowings							
	(b) Trade payables							
	(c) Other current liabilities							
	(d) Short-term provisions							
	TOTAL OF 'B'							

Financial Investments

Name of Distribution Licensee: _____

Form No: S5

All figures in Rs Crores

Particulars	Account Code	FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	FY15	FY16
Investment - 1							
Opening balance							
Further investments during the year							
Investments realised during the year							
Closing balance							
Investment - 2							
Opening balance							
Further investments during the year							
Investments realised during the year							
Closing balance							
Investment - 3							
Opening balance							
Further investments during the year							
Investments realised during the year							
Closing balance							
Investment - 4 and so on							
Opening balance							
Further investments during the year							
Investments realised during the year							
Closing balance							
Total Investments							
Opening balance							
Further investments during the year							
Investments realised during the year							
Closing balance							

Deferred Tax Asset/Liability

Form No: S6

Name of Distribution Licensee		All figures in Rs Crores					
SLNo.	Description of capital	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16	
						FY14	FY15
	Deferred Tax Asset/Liability						

Other Long Term Liability

Form No: S7

Name of Distribution Licensee		All figures in Rs Crores					
SLNo.	Description of capital	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16	
						FY14	FY15
A	Other Long term liabilities						
	Total						
B	Long-term provisions						
	Total						

Long Term Loan & Advances

Name of Distribution Licensee

Form No: S8

All figures in Rs Crores

Sl.No.	Description	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	FY15	FY16
A	Long Term Loan & Advances							
	Total Long Term Loan & Advances							
B	Other non-current assets							
	Total Other non-current assets							

Aggregate Revenue Requirement Name of Distribution Licensee

Form No: A1

Aggregate Revenue Requirement for Distribution and Retail Sale

Particulars		All figures in Rs Crores					
		Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Expenditure						
	Power Purchase expenses, including Inter-State and Intra-State Transmission charges and wheeling charges payable to any other Distribution Licensee						
	I Aggregate Revenue Requirement of Wheeling Activity						
	III Aggregate Revenue Requirement of Retail Sale Activity						
	Total Aggregate Revenue Requirement for Distribution and Retail Sale (I+II+III)						

Aggregate Revenue Requirement for Expenses related to Purchase of power - I

Particulars		All figures in Rs Crores					
		Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
	Power Purchase or Energy Available (MU)						
	Sale of Power (MU)						
	Loss %						
	Expenditure						
	Cost of power purchase, including T&D losses						
	Inter-State Transmission charges						
	Intra-state Transmission (MP Transco) charges						
	Wheeling charges payable to other distribution licensee						
	SLDC fees and charges						
	Any other expenses*						
	Total expenditure on power purchase						

Aggregate Revenue Requirement For Wheeling activity - II

Particulars		All figures in Rs Crores					
		Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Expenditure						
	R&M Expense						
	Employee Expenses						
	A&G Expense						
	Depreciation						
	Interest & Finance Charges on project loans						
	Interest and Finance Charges on working capital loans						
	Lease Rental						
	Any other expenses*						
	Return on Equity						
B	Less:						
	Other Income (inclusive of income from wheeling charges)						
	Annual Revenue Requirement (A-B)						

Aggregate Revenue Requirement For Retail Sale activity - III

Particulars		All figures in Rs Crores					
		Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Expenditure						
	R&M Expense						
	Employee Expenses						
	A&G Expense						
	Depreciation						
	Interest & Finance Charges on project loans						
	Interest and Finance Charges on working capital loans						
	Interest and Finance Charges on Consumer Security Deposit						
	Bad and Doubtful debts						
	Any other expenses*						
	Return on Equity						
B	Less						
	Other Income						
	Income from other business allocated to Licensed business						
	Annual Revenue Requirement (A-B)						

* Please provide the necessary details

Please add the new generating stations at appropriate places in the table above

Month-wise Power Procurement details

Name of Distribution Licensee

Form No: Fm

Power purchase figures in MU															
Sl No	Source / Station	April	May	June	July	August	September	October	November	December	January	February	March	Total	
I	NTPC														
	1 NTPC-Korba														
	2 NTPC-Vindhyachal I														
	3 NTPC-Vindhyachal II														
	4 NTPC-Rawas														
	5 NTPC-Gandhar														
	6 KAPP														
	7 TAPS														
	8 Faraska + Talcher + Khatigaon														
NTPC-Total															
II	Inter-Regional Power Purchase														
	1 Eastern Region														
	2 Southern Region														
	3 Northern Region														
IR-Total															
III	Bilateral Power Purchase														
	1 RSEB (Chambal/Saipura)														
	2 UPPCL (Rihand/Mandla/Rajghat)														
	3 MSER (Pench)														
	4 GridCo (Hirakud)														
Bilateral-Total+B1															
IV	Other Sources														
	1 NHDC - Indira Sagar														
	2 Sagar Sagar														
	3 Others 1 (Wind & CPP)														
	4 Others 2 (Short-Term purchase)														
	5 Others 3 (UJ)														
	6 Others 4 (Medium Term Purchase)														
	7 Others 5 (Reactive Energy Charges)														
	8 Others 6 (Solar Energy)														
	9 Others 7 (Bio Mass Energy)														
Others-Total															
Grand Total															
I	MP Genco - Thermal														
	1 ATPS-Chachai-PH1														
	2 ATPS-Chachai-PH2														
	3 STPS-Saran-PH1														
	4 STPS-Saran-PH2														
	5 STPS-Saran-PH3														
	6 SGTPS-Birpur-PH1														
	7 SGTPS-Birpur-PH2														
	Thermal-Total														
	II	MP Genco - Hydel													
1 CHPS-Gandhi Sagar															
2 CHPS-RP Sagar															
3 CHPS-Jawahar Sagar															
4 Panch THPS															
5 Banagar Tons HPS-Tons															
6 Banagar Tons HPS-Silpara															
7 Banagar Tons HPS-Devdand															
8 Banagar Tons HPS-Bansagar IV															
9 Birsingpur HPS															
10 Bargi HPS															
11 Rajghat HPS															
12 Manalia HPS															
13 Mahi Khera HPS															
14 Mini-Micro HPS															
Hydel-Total															
B	MP Genco GENERATION TOTAL														
	Total Power requirement (A+B)														
	Total Inter-State transmission losses														
	Total energy input to MP system (C+D)														

This information is to be provided for FY 2010-11 to FY 2011-12 (Actual) FY2012-13 (estimated) and FY2013-14 to FY2015-16 (Projected)
Please add the new generating stations at appropriate placen the label above

Name of Distribution Licensee

Energy Balance

Form F1b

Particulars	Notation / Calculation	FY11		FY12		FY13		FY14		FY15		FY16	
		%	MU	%	MU	%	MU	%	MU	%	MU	%	MU
1 Energy Sales													
a) LT Sales	A1												
b) HT Sales at 11kV	A2												
c) HT Sales at 33kV	A3												
c) EHT Sales	A4												
Total Energy Sales	A												
2 Distribution Losses													
a) Distribution losses at 33kV level	B1												
b) Distribution Losses in HT i.e. at 11kV + 33kV combined	B2												
c) Distribution losses in HT 11kV and LT system combined	B3												
Total Distribution Losses	B												
3 Energy requirement at T-D boundary													
a) 11kV and LT energy requirement combined	C1 = (A1+A2)/(1-B)												
c) HT 33kV energy requirement	C2 = A3/(1-B1)												
Total energy requirement at T-D boundary	C = C1 + C2												
4 Intra-State Transmission Losses	D												
5 Energy requirement of EHT consumers	E = A4/(1-D)												
6 Energy Requirement of Distribution system consumers after grossing up for Intra-State Transmission losses	F = C/(1-D)												
7 Energy Requirement of Distribution Licensee	E + F												
8 Inter-State Transmission Losses in MU	F												
9 Total Energy requirement	G = E+F												
10 Total Energy available													
From MP Genco	H1												
From Other Sources	H2												
Total Energy Available	H												
11 Surplus / (Deficit)	H - G												

Cells shaded with this colour are to be filled for particular item

Name of Distribution Licensee
Intra State Transmission (MPTRANSCO) Charges
Form No: F1c

	Year	Contracted Capacity (MW)	Monthly Transmission Charge (Rs/MW)	Total charges (Rs.Crs.)
1	FY11			
2	FY12			
3	FY13			
4	FY14			
5	FY15			
6	FY16			

Wheeling Charges Payable to Other Distribution Licensee

SL.No.	Year	Contracted Capacity (MW)	Monthly Wheeling Charge (Rs/kW)	Total charges (Rs.Crs.)
1	FY11			
2	FY12			
3	FY13			
4	FY14			
5	FY15			
6	FY16			

Name of Distribution Licensee

Intra-state Inter Discom UI Charges details

Form No: F1d

2010-11

Month	Overdrawals during										Total Receivable (Rs. Cr.)	Total UI charges (Rs. Cr.)	Total Additional (Rs. Cr.)	Net Receivable (Rs. Cr.)
	Below 49.20		Below 49.50 and upto 49.20				49.50-50.20							
	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	Additional UI Charge					
April														
May														
June														
July														
August														
September														
October														
November														
December														
January														
February														
March														
Total for the year														

Previous Year

Month	Overdrawals during										Total UI charges (Rs. Cr.)	Total Additional (Rs. Cr.)	Net Receivable (Rs. Cr.)
	Below 49.20			Below 49.50 and upto 49.20			49.50-50.20						
	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	UI Charge				
April													
May													
June													
July													
August													
September													
October													
November													
December													
January													
February													
March													
Total for the year													

Current Year

Month	Overdrawals during										Total Receivable (Rs. Cr.)	Total UI charges (Rs. Cr.)	Total Additional (Rs. Cr.)	Net Receivable (Rs. Cr.)
	Below 49.20			Below 49.50 and upto 49.20			49.50-50.20							
	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	Additional UI Charge	MU	UI Charge	Additional UI Charge					
April														
May														
June														
July														
August														
September														

Attach supporting documents for each of the entries made.
Assumptions made, if any, should be clearly indicated at appropriate places.

Name of Distribution Licensee
Inter State Transmission Charges

FY11		FY12		FY13 (Actual Upto available data & Thereafter estimated)		FY14		FY15		FY16	
Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)	Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)	Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)	Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)	Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)	Contracted Capacity (MW)	Total Transmission/PoC charges (Rs.Crs.)
Month											
April											
May											
June											
July											
August											
September											
October											
November											
December											
January											
February											
March											
Total											

Form No: F1e

For justification of the claims, the relevant CERC Order and the bills raised by CTU must be enclosed

Name of Distribution Licensee

SLDC Charges

Form No: F1f

Amount in Rs. Crore

Sl.No.	Year	Contracted Capacity (MW)	Monthly Transmission Charge (Rs/MW)	Total charges (Rs.Crs.)
1	FY11			
2	FY12			
3	FY13			
4	FY14			
5	FY15			
6	FY16			

Gross Fixed Assets

Name of Distribution Licensee

Form F2
Amount in Rs. Crore

Wheeling Activity

Sl.No.	Particulars	Account Code*	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
			Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year	Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year	Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year
1	Land & Land rights							
2	Building and Civil Works							
	Others 1							
	Others 2							
	Others 3							
	Sub-Total							
3	Hydraulic Works							
4	Other Civil Works							
5	Plant & Machinery							
	Power Transformer and kiosks							
	Distribution transformers and kiosks							
	Other substation apparatus							
	Switchgears, Control gear & Protection							
	Batteries							
	Others							
	Sub-Total							
6	Line Cable Networks etc.							
	Overhead lines upto 11kV							
	Underground cables upto 11kV							
	LT lines, service connections, etc.							
	Others							
	Sub-Total							
7	Communication equipment							
8	Vehicles							
9	Furniture & fixtures							
10	Office Equipments							
11	Assets of Partnership projects etc. (included in above heads)							
12	Assets taken over & pending final valuation							
13	Net other items							
14	Total (1 to 13)							

Net Asset Supply Activity

Sl.No.	Particulars	Account Code*	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
			Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year	Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year	Addition During Year	Adjustments & Deduction & assets not in use At End Of Year
1	Land & Land rights							
2	Building and Civil Works							
	Others 1							
	Others 2							
	Others 3							
	Sub-Total							
3	Other Civil Works							
4	Communication equipment							
5	Meters, including metering equipment							
6	Vehicles							
7	Furniture & fixtures							
8	Office Equipments							
9	All other items							
	Total (1 to 9)							

Note: * Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered

For Assets not in use, the details should be provided as per form F21

Retail Sale Activity											
Sl.No	Particulars	Account Code*	Useful life (years)	Depreciation rate %	FY11			FY12			FY13
					Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Additions	Withdrawals	Closing balance of depreciation	Withdrawals
1	Land & Land Rights										
2	Building and Civil Works										
	Others 1										
	Others 2										
	Others 3										
	Sub-Total										
3	Other Civil Works										
4	Communication equipment										
5	Meters, including metering equipment										
6	Vehicles										
7	Furniture & fixtures										
8	Office Equipments										
9	Any other items										
10	Total (1 to 10)										
11	Depreciation capitalised										
	Net Depreciation (10-11)										

Note: * Account Code must be provided, otherwise, the item shall not be considered

[illegible]

Name of Distribution Licensee
Investment Plan - Master

Form F2b
Amount in Rs. Crore

For wheeling activity

Project Details					SOURCE OF FINANCING FOR SCHEME										
Name of scheme.	Nature of Project (Select appropriate code from below)	Whether the scheme is part of approved Business Plan** (YES/NO)	Project Start Date (DD-MM-YY)	Project Completion date (DD-MM-YY)	Total capital expenditure approved by MPRC (Rs. Crs.)	Equity component		Debt Component						Capital Subsidies / grants component	Consumer Contribution component
						Internal Accrual (from free reserves and surplus)	Equity infused	Loan amount (Rs. Crs.)			Loan source				
								Loan -1	Loan -2	Loan -3	Loan -1	Loan -2	Loan -3		

Form F2b(i)

Amount in Rs. Crore

[illegible]

For Retail Sale activity

[illegible]

Note:- Information to be provided for FY11-FY16 for all schemes either spilling into the period FY 11-16 or starting during FY 11-16

All schemes should necessarily be in the same serial order

* Only as per the approved Business Plan

** Support with appropriate paper work i.e. Detailed Project Reports and other documents, as necessary
Codes for selecting Nature of work

- 1.1 - New works, capacity building
- 1.2 - Augmentation works, capacity building
- 1.3 - Additional works, capacity building
- 2.1 - New works, System Strengthening
- 2.2 - Augmentation works, System Strengthening
- 2.3 - Additional works, System Strengthening
- 3.1 - New works, Voltage Improvement
- 3.2 - Augmentation works, Voltage Improvement
- 3.3 - Additional works, Voltage Improvement
- 4.1 - New works, Loss Reduction
- 4.2 - Augmentation works, Loss Reduction
- 4.3 - Additional works, Loss Reduction
- 5.1 - New works, Consumer service
- 5.2 - Augmentation works, Consumer service
- 5.3 - Additional works, Consumer service
- 6.1 - New works, Reliability of Supply
- 6.2 - Augmentation works, Reliability of Supply
- 6.3 - Additional works, Reliability of Supply
- 7 - New works Replacement of Equipments

[illegible]

The schemes should be same and in the same serial order as in Form F2b

Codes for selecting Nature of work

- 1.1 - New works, capacity building
- 1.2 - Augmentation works, capacity building
- 1.3 - Additional works, capacity building
- 1.1 - New works, System Strengthening
- 1.2 - Augmentation works, System Strengthening
- 1.3 - Additional works, System Strengthening
- 1.1 - New works, Voltage Improvement
- 1.2 - Augmentation works, Voltage Improvement
- 1.3 - Additional works, Voltage Improvement
- 1.1 - New works, Loss Reduction
- 1.2 - Augmentation works, Loss Reduction
- 1.3 - Additional works, Loss Reduction
- 1.1 - New works, Consumer service
- 1.2 - Augmentation works, Consumer service
- 1.3 - Additional works, Consumer service
- 1.1 - New works, Reliability of Supply
- 1.2 - Augmentation works, Reliability of Supply
- 1.3 - Additional works, Reliability of Supply
- 1.7 - New works, Replacement of Equipments

Name of Distribution Licensee
Financing of capitalised works

Form F2b(ii)

Wheeling Activity

Amount in Rs. Crore

Particulars	Old Years	FY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
Amount Capitalised in Work/Equipment						
Financing Details:-						
Loan-1						
Loan-2						
Loan-3 and so on						
Total Loan Amount						
Equity						
Internal Resources						
Consumer Contribution						
Capital Subsidies / Grants						
Others						
Total						
Rates of Interest for Loans: %						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Moratorium Period for the loans:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Moratorium effective from:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment Period of the loans:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment effective from:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment Instalment Amount:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						

Notes:

Loan - 1, Loan - 2 etc. should be the names of loaning / funding agency

Retail sale activity

All figures in Rs. Crs.

Particulars	Old Years	FY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
Amount Capitalised in Work/Equipment						
Financing Details:-						
Loan-1						
Loan-2						
Loan-3 and so on						
Total Loan Amount						
Equity						
Internal Resources						
Consumer Contribution						
Capital Subsidies / Grants						
Others						
Total						
Rates of Interest for Loans: %						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Moratorium Period for the loans:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Moratorium effective from:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment Period of the loans:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment effective from:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						
Repayment Instalment Amount:						
Loan -1						
Loan -2						
Loan -3 and so on						

Notes:

Loan - 1, Loan - 2 etc. should be the names of loaning / funding agency

Name of Distribution Licensee
A Capital Works in Progress - Summary Statement

Form No. F2c

Amount in Rs. Crore

Wheeling Activity

SL. No.	Particulars	Account Code	Old FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Opening Balance of CWIP							
B	Fresh Investment during the year							
	Total Capitalisation during the year (C+D)							
C	Investment capitalised out of opening CWIP							
D	Investment capitalised out of fresh investment							
	Closing Balance of CWIP (A + B - C - D)							

Retail Supply Activity

SL. No.	Particulars	Account Code	Old FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Opening Balance of CWIP							
B	Fresh Investment during the year							
	Total Capitalisation during the year (C+D)							
C	Investment capitalised out of opening CWIP							
D	Investment capitalised out of fresh investment							
	Closing Balance of CWIP (A + B - C - D)							

B. Intangible assets under development**Wheeling Activity**

SL. No.	Particulars	Account Code	Old FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Opening Balance							
B	Fresh Investment during the year							
	Total Capitalisation during the year (C+D)							
C	Investment capitalised out of opening							
D	Investment capitalised out of fresh investment							
	Closing Balance of CWIP (A + B - C - D)							

Retail Supply Activity

SL. No.	Particulars	Account Code	Old FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Opening Balance							
B	Fresh Investment during the year							
	Total Capitalisation during the year (C+D)							
C	Investment capitalised out of opening							
D	Investment capitalised out of fresh investment							
	Closing Balance of CWIP (A + B - C - D)							

Name of Distribution Licensee
Details of Expenses Capitalised

Form No: F2d

Amount in Rs. Crore

Wheeling activity

Sl.No.	Particulars	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	MYT 2013-14 to 2015-16 FY15	FY16
1	Interest & Finance charges Capitalised						
2	Other expenses capitalised:						
	a. Employee expenses						
	b. R&M Expenses						
	c. A&G Expenses						
	d. Others, if any						
	Total of 2						
3	Capitalisation of depreciation, if any						
	Grand Total (1+2+3)						

Retail Sale activity

All figures in Rs Crores

Sl.No.	Particulars	FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	MYT 2013-14 to 2015-16 FY15	FY16
1	Interest & Finance charges Capitalised						
2	Other expenses capitalised:						
	a. Employee expenses						
	b. R&M Expenses						
	c. A&G Expenses						
	d. Others, if any						
	Total of 2						
3	Capitalisation of depreciation, if any						
	Grand Total (1+2+3)						

Summary statement of Interest & Finance Charges

Name of Distribution Licensee

Form No: F3

Amount in Rs. Crore

Particulars	Old Years FY11	PX FY12	CV FY13	FY14	FY15	FY16
In Rs Crores						
A I						
Interest charges on State Govt. Loans, Bonds And Advances						
1 Interest charges on loans from the State Government						
2 Interest charges on Bonds						
3 Interest charges on Foreign Currency Loans / Credits						
4 Interest charges on debentures						
Total of I						
II						
Interest on Long Term Loans / Credits from the FI's/banks/organisations approved by the State Government						
1 Secured						
2						
3						
4						
5 Un-secured						
6						
7						
8						
9						
10						
Total of II						
III						
Total of A : I + II						
B						
Cost of raising finance & Bank Charges on project loans *						
C						
Grand Total Of Interest & Finance Charges: A + B						
D						
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account						
E						
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans C-D						
F						
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans						
G						
Interest on Consumer Security Deposit						
H						
Interest at weighted average rate of loan portfolio on excess additional equity, if any**						
I						
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (E+F+G+H)						

* Please provide the details with break-up

Allocation of Interest and Finance Charges between wheeling and retail sale activity

Wheeling activity

Grand Total Of Interest & Finance Charges						
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account						
A						
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans						
B						
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans						
C						
Interest at weighted average rate of loan portfolio on excess additional equity, if any**						
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (A+B+C)						

Retail Sale activity

Grand Total Of Interest & Finance Charges						
Less: Interest & Finance Charges Chargeable to Capital Account						
I						
Net Total Of Interest & Finance Charges on Project Loans						
II						
Interest and Finance Charges on Working Capital Loans						
III						
Interest on Consumer Security Deposit						
Total interest and finance charges chargeable to revenue account (I+II+III)						

** To be worked out as per form F8 using weighted average rate from form F3b

Calculation of weighted average rate of interest on actual loans

Form No: F3a

Amount in Rs. Crore

Particulars	Type of Loan (Please mention "PS" or "WC")	Old Year	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
Loan - 1							
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)							
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)							
Closing Balance of loan (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Average loan (Rs. Crs.)							
Rate of Interest on loan %							
Interest on loan (Rs. Crs.)							
Loan - 2							
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)							
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)							
Closing Balance of loan (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Average loan (Rs. Crs.)							
Rate of Interest on loan %							
Interest on loan (Rs. Crs.)							
Loan - 3 and so on							
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)							
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)							
Closing Balance of loan (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Average loan (Rs. Crs.)							
Rate of Interest on loan %							
Interest on loan (Rs. Crs.)							
Total Loan							
Gross Loan - Opening (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Add: Drawals during the year (Rs. Crs.)							
Less: Repayment of Loan during the year (Rs. Crs.)							
Closing Balance of loan (Rs. Crs.) (Both current & Non current portion)							
Average loan (Rs. Crs.)							
Rate of Interest on loan %							
Interest on loan (Rs. Crs.)							
Weighted average Rate of Interest on Loans %							
Classification of above Total Closing balance of Loan							
Non Current Portion of Long Term Borrowing							
Current Portion of Longterm Borrowing							
Short Term Borrowing							

Notes:

1. "PS" refers to Project Specific Loan. "WC" refers to Working Capital Loan
2. Calculation should only be done for principal not overdue. Over-due principal, penal interest, etc. shall not be considered
3. In place of Loan 1, Loan 2, etc. please mention the name of funding agency
4. In respect of Foreign Currency loans, the calculations in Indian Rupees is to be furnished.
However, the calculations in original currency is also to be furnished separately in the same format.

Name of Distribution Licensee

Working Capital Requirements

Form No: F4

Amount in Rs. Crore

For wheeling activity

Sl. No.	Particulars	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A)	1/6th of annual requirement of inventory for previous year						
B)	O&M expenses						
	R&M expenses						
	A&G expenses						
	Employee expenses						
B) i)	Total of O&M expenses						
B) ii)	1/12th of total						
C)	Receivables						
C) i)	Annual Revenue from wheeling charges**						
C) ii)	Receivables equivalent to 2 months average billing of wheeling charges						
D)	Total Working capital (A, B) ii), C) ii))						
E)	Rate of Interest *						
F)	Interest on Working capital						

For Retail Sale activity

Sl. No.	Particulars	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A)	1/6th of annual requirement of inventory for previous year						
B)	Receivables						
B) i)	Annual Revenue from Tariff and charges**						
B) ii)	Receivables equivalent to 2 months average billing						
C)	Power Purchase expenses						
C) i)	1/12th of power purchase expenses						
D)	Consumer Security Deposit						
E)	Total Working capital (A+B ii) - C i) - D)						
F)	Rate of Interest *						
G)	Interest on Working capital						

Note:

* The Interest rate for this purpose shall be the rate as specified in the Commission's Regulations under section 61

** Revenue at Current Tariffs

Name of Distribution Licensee

Repair & Maintenance Expenditure

Form No: F5
Amount in Rs. Crore

Wheeling Activity

SLNo.	Particulars Figure in Rs Crore	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
						FY14	FY15	FY16
1	Plant and Machinery							
	- 33kV substation							
	- 11kV substation							
	- Switchgear and cable connections							
	- Others							
2	Building							
3	Civil Works							
4	Hydraulic Works							
5	Lines, Cables Net Works etc.							
	- 33kV lines							
	- 11kV lines							
	- LT lines							
	- Others							
6	Vehicles							
7	Furniture and Fixtures							
8	Office Equipments							
9	Station Supplies							
10	Any other items							
A	Gross R&M expenses							
B	R&M expenses capitalised							
A-B	Net R&M expenses							

Retail Sale Activity

SLNo.	Particulars Figure in Rs Crore	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
						FY14	FY15	FY16
1	Building							
2	Civil Works							
3	Lines, Cables Net Works etc.							
	- Meters and metering equipment							
	- Others							
4	Vehicles							
5	Furniture and Fixtures							
6	Office Equipments							
7	Any other items							
A	Gross R&M expenses							
B	R&M expenses capitalised							
A-B	Net R&M expenses							

Employee Cost and Provisions

Name of Distribution Licensee

Form No: F6

Amount in Rs. Crore

	Particulars	Account Code	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16			
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16	
A	Employee Strength								
	Working Strength At The Beginning Of The Year								
	Employee Category								
1	class-I								
2	class II								
3	class III								
4	class IV								
	Total								
	Sanctioned Strength At The Beginning Of The Year								
	Employee Category								
1	class-I								
2	class II								
3	class III								
4	class IV								
	Total								
B	Employee's Cost (Other Than Covered In 'C' & 'D')								
1	Salaries								
2	Additional Pay								
3	D.A.								
4	Other Allowances & Relief								
5	Addl. Pay & C.Off Encashment								
6	Sub-Total: (1 to 5)								
7	Medical Expenses Reimbursement								
8	Traveling Allowance (Conveyance Allowance)								
9	Leave Travel Assistance								
10	Honorarium/Overtime								
11	Incentives/Awards Including That In Partnership Project (Specify Items)								
12	Earned Leave Encashment								
13	Tuition Fee Re-Imbursement								
14	D.L.I. Board'S Contribution								
15	E.D.I. Administration Charges								
16	E.S.I. Board'S Contribution								
17	E.S.I. Administration Charges								
18	Payment Under Workman'S Compensation And Gratuity								
19	Subsidised Electricity To Employees								
20	Any Other Item								
21	Interim Relief / Wage Revision (10%)								
22	Sub-Total (7 to 21)								
23	Staff Welfare Expenses								
C	Apprentice And Other Training Expenses								
D	Payment/Contribution To PF Staff Pension And Gratuity								
1	Terminal Benefits								
a)	Provident Fund Contribution								
b)	Provision for PF Fund								
c)	Pension Payments								
d)	Gratuity Payment								
2	Any Other Items								
	Total D								
	Grand Total [B.6 + B.22 + B.23 + C + D]								
E	Bonus/Exgratia To Employees								
F	Grand Total								
G	Employee expenses capitalised								
	Net Employee expenses (F)-(G)								
	Relevant Indices Of Wages Increase (As At The Beginning & End Of The Year)								
	WPI								
	CPI								

Allocation of Interest and Finance Charges between wheeling and retail sale activity

Wheeling activity

A	Total Employee expenses allocated to wheeling activity								
B	Employee expenses capitalised								
	Net Employee expenses (A-B)								

Retail Sale activity

A	Total Employee expenses allocated to Retail sale activity								
B	Employee expenses capitalised								
	Net Employee expenses (A-B)								

* Allocation shall be done based on the duties performed by the employees as mentioned in the form above or on appropriate norms

Administration & General Expenses		Name of Distribution Licensee		Form No: F7 Amount in Rs. Crore				
S.No.	Particulars	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16		
	In Rs Crores					FY14	FY15	FY16
A)	Administration Expenses							
	Rent rates and taxes							
i)	Rent							
ii)	Rates & Taxes							
	Sub - total of Rent rates and taxes							
iii)	Insurance							
iv)	Revenue Stamp Expenses Account							
v)	Telephone, Postage, Telegram & Telex Charges							
vi)	Incentive & Award To Employees/Outsiders							
vii)	Consultancy Charges							
viii)	Technical Fees							
ix)	Other Professional Charges							
x)	Conveyance And Travel							
xi)	MPERC License fee							
	License And Registration Fee Of							
xii)	Plant And Machinery							
xiii)	Vehicles							
xiv)	Vehicle Expenses (Other Than Trucks And Delivery Vans)							
xv)	Vehicles Running Expenses Petrol And Oil							
xvi)	Hiring Of Vehicles							
xvii)	Security / Service Charges Paid To Outside Agencies							
	Sub-Total of Administrative Expenses							
B)	Other Charges							
i)	Fee And Subscriptions Books And Periodicals							
ii)	Printing And Stationery							
iii)	Advertisement Expenses (Other Than Purchase Related) Exhibition & Demo.							
iv)	Contributions/Donations To Outside Institute / Association							
v)	Electricity Charges To Offices							
vi)	Water Charges							
vii)	Entertainment Charges							
viii)	Miscellaneous Expenses							
	Sub-Total of other charges							
C)	Legal Charges							
D)	Auditor'S Fee							
E)	Material Related Expenses							
i)	Freight On Capital Equipments							
ii)	Purchase Related Advertisement Expenses							
iii)	Vehicle Running Expenses Truck / Delivery Van							
iv)	Vehicle Hiring Expenses Truck / Delivery Van							
v)	Other Freight							
vi)	Transit Insurance							
vii)	Ocnroi							
viii)	Incidental Stores Expenses							
ix)	Fabrication Charges							
	Sub Total of Material related expenses							
F)	Direction And Supervision Charges							
G)	Total Charges							
H)	A&G expenses capitalised							
I)	Net A&G expenses							

Allocation of Interest and Finance Charges between wheeling and retail sale activity

Wheeling activity

S.No.	Particulars	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
I	Gross A&G expenses allocated to wheeling activity						
II	A&G expenses capitalised						
	Net A&G capitalised (I-II)						

Retail sale activity

S.No.	Particulars	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
I	Gross A&G expenses allocated to wheeling activity						
II	A&G expenses capitalised						
	Net A&G capitalised (I-II)						

Return on Equity		Name of Distribution Licensee		Form No: F8			
				All figures in Rs Crores			
Sl.No.	Particulars	FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A	Gross Fixed Assets at the beginning of year (net of consumer contributions)						
A1	Opening balance of GFA identified as funded through equity						
A2	Opening balance of GFA identified as funded through debt						
B	Proposed capitalisation of assets as per the investment plan (net of consumer contribution)						
B1	Proportion of capitalised assets funded out of equity, internal reserves						
B2	Balance Proportion of capitalised assets funded out of project loans (B - B1)						
C1	Normative additional equity (30% of B)						
C2	Normative additional debt (70% of B)						
D1	Excess / shortfall of additional equity over normative (B1-C1)						
D2	Excess / shortfall of additional debt over normative (B2-C2)						
E	Equity eligible for Return (A1+(C1/2)) OR (A1-(B1/2)), whichever is lower						
	Return on Equity (16% on E)						
	Interest at weighted average rate of loan portfolio on additional equity, if D1 > 0*						

Note: Please provide the necessary details and calculations

* Please provide the weighted average rate of interest used for this computation

Statement of Sundry Debtors and provision for Bad & Doubtful Debts

Name of Distribution Licensee

Form No: F9

Sl.No.	Particulars	Account Code	Old Years					MYT 2013-14 to 2015-16			
			FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	FY15	FY16	All figures in Rs Crores		
1	Receivable from customers as at the beginning of the year										
2	Revenue billed for the year										
3	Collection for the year										
	Against current dues										
	Against arrears upto previous year										
4	Gross receivable from customers as at the end of the year										
5	Bad debts written off										
6	Provision for Bad Debts										
7	Net Receivables (4-5-6)										

Extraordinary Items

Name of Distribution Licensee

Form No: F10

Sl.No.	Particulars	Account Code	FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16			
						FY14	FY15	FY16	Amount in Rs. Crore
1	Extraordinary Credits (incl. subsidies against losses due to natural disasters)								
	TOTAL CREDITS								
2	Extraordinary Debits (incl. subsidies against losses due to natural disasters)								
	TOTAL DEBITS								
	Grand Total (1-2)								

Name of Distribution Licensee
Net Prior Period Expenses / Income

		Form F 11		Amount in Rs. Crore	
Sl.No.	Particulars	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13
A	Income relating to previous years:				
1	Interest income for prior periods				
2	Income Tax prior period				
3	Excess Provision for Depreciation				
4	Excess Provision for Interest and Fin. Charges				*
5	Receipts from consumers				
6	Other Excess Provision				
7	Other Income				
	Sub-Total A				
B	Expenditure relating to previous years				
1	Power Purchase				
2	Operating Expenses				
4	Employee Cost				
5	Depreciation				
6	Interest and Finance Charges				
7	Admn. Expenses				
8	Withdrawal of Revenue Demand				
9	Material Related				
10	Lease/hire purchase charges in assets				
11	Others				
	Sub-Total B				
	Net prior period Credit/(Charges) : A-B				

Name of Distribution Licensee
Other expenses / debits / write-offs

Form No: F12
All figures in Rs Crores

Sl.No	Particulars	Account Code	Ref. Form No.	FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	MYT 2013-14 to 2015-16 FY15	FY16
1	Material Cost Variance								
2	Miscellaneous Losses And Write Offs								
3	Bad Debt Written Off/Provided For								
4	Cost Of Trading & Manufacturing Activities								
5	Net Prior Period Credit/Charges								
6	Sub-Total								
7	Less Chargeable To Capital Expense								
	Net Chargeable To Revenue								

Name of Distribution Licensee

Income Tax Provisions

Form No: F13

All figures in Rs Crores

Sl.	Particulars In Rs Crores	Account Code	FY11	PY FY12	CY FY13	FY14	MYT 2013-14 to 2015-16 FY15	FY16
1	Provision Made/Proposed For The Year							
2	As Per Return Filed For The Years							
3	As Assessed For The Years							
4	Credit/Debit Of Assessment Year(S) (Give Details)							
	Total							

Name of Distribution Licensee

Income from investments and other non-tariff income

Form No: F14
Amount in Rs. Crore

For wheeling activity

Particulars	Account Code	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
Figure in Rs Crore		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A							
Income from Investment, Fixed & Call Deposits							
1 Interest Income from Investments							
2 Interest on fixed deposits							
3 Interest from Banks other than Fixed Deposits							
4 Interest on (any other items)							
Sub-Total							
B							
Other Non Tariff Income							
1 Interest on loans and Advances to staff							
2 Interest on Loans and Advances to other Licensee							
3 Interest on Loans and Advances to Lessors							
4 Interest on Advances to Suppliers / Contractors							
6 Gain on Sale of Fixed Assets							
7 Income/Fee/Collection against staff welfare activities							
8 Miscellaneous receipts							
9 Wheeling charges							
10 Incentive due to Securitisation of CPSU Dues							
11 Misc. charges from open access consumers							
12 Delayed payment surcharge from open access consumers							
13 Any other subsidies / grants other than those u/s 65							
Sub-Total							
Total (A+B)							

For retail activity

Particulars	Account Code	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16		
Figure in Rs Crore		FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16
A							
Income from Investment, Fixed & Call Deposits							
1 Interest Income from Investments							
2 Interest on fixed deposits							
3 Interest from Banks other than Fixed Deposits							
4 Interest on (any other items)							
Sub-Total							
B							
Other Non Tariff Income							
1 Interest on loans and Advances to staff							
2 Interest on Loans and Advances to Licensee							
3 Interest on Loans and Advances to Lessors							
4 Interest on Advances to Suppliers / Contractors							
7 Income/Fee/Collection against staff welfare activities							
8 Miscellaneous receipts							
9 Meter Rent							
10 Recovery from theft of energy							
11 Surcharge and Additional Surcharge							
12 Incentive due to Securitisation of CPSU Dues							
13 Misc. charges from consumers							
14 Delayed payment surcharge from Retail Sale consumers							
15 Any other subsidies / grants other than those u/s 65							
Sub-Total							
Total (A+B)							

Name of Distribution Licensee
Income from Miscellaneous Charges from consumers

Form No: F14a

All figures in Rs Crores

All figures in Rs Crores									
S.No.	Particulars	Account Code	Old Years	PY	CY	MYT 2013-14 to 2015-16			
			FY11	FY12	FY13	FY14	FY15	FY16	
1	Hiring of plants and equipments								
2	Testing charges for consumer's equipments								
3	Contest fee for billing meters								
5	Charges from arranging supply								
6	Service connection charges								
7	Charges for requisition forms/various booklets etc.								
8	Recovery of cost of burnt meters/metering equipments								
9	Shifting of connection from one premises to another								
10	Supervision charges								
11	Compensation charges for theft of energy/malpractices								
12	Power block charges								
13	Fee for verification of old dues/records								
14	Fee for special meter reading								
15	Charges for maintenance of street lights								
16	Fees payable for representing the case and making appeals before Grievance Redressal Forum								
17	Other Miscellaneous and General Charges (specify)								
	Grand Total								
	Total for wheeling Activity*								
	Total for Retail Sale activity*								

Name of Distribution Licensee
Expenses and Income from Business other than Licensed business (to be filled if other business utilises the assets of Licensed bu

Form No: F14b

All figures in Rs Crores

S.No.	Particulars <include description of business>	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16 FY14	FY15	FY16
1	Expenses of other business							
2	Total income from other business							
3	Income allocated to Licensed business*							
4	Total profit / (loss) from other business							
5	Total profit / (loss) allocated to Licensed business*							

* Must be supported with rationale and methodology of how allocation is done

Name of Distribution Licensee
Consumer Security Deposit

Form No: F15

Amount in Rs. Crore

Category	Account Code	Old Years FY11	PY FY12	CY FY13	MYT 2013-14 to 2015-16 FY14	FY15	FY16
LT consumers							
HT consumers							
TOTAL LT + HT							

T&D Losses in LT and HT system

Name of Distribution Licensee

Form No. P		All Figures in M										2013-14 to 2015-16					Remarks																													
		Particulars										FY11					FY12					FY13					FY14					FY15					FY16									
A		Losses in EHT System (400 kV, 220 kV, 132 kV & 66 kV)																																												
1		Scheduled Energy at Ex-Bus																																												
2		Scheduled Energy at Discom Periphery																																												
3		Energy Lost in PQCL-MP Transco system (2-1)																																												
4		Total Loss in the Transmission system $[3/(2)*100]\%$																																												
5		Actual Energy Drawl at Discom periphery (at interface point)																																												
6		UI (2-3)																																												
7		Actual Energy input at Discom periphery (i.e. at outgoing feeders of EHV S/S)																																												
8		Energy Lost between interface point and outgoing feeders of EHV s/s (i.e. Bus loss = (5-7))																																												
9		Total Loss in the Bus of Transmission system $[8/(5)*100]\%$																																												
10		Direct Injection at 33 kV which is not included in scheduled energy																																												
11		Direct Injection at 11 kV which is not included in scheduled energy																																												
12		Total Energy Input at Discom Periphery (7+10+11)																																												
13		Energy sold at this voltage level																																												
14		Energy transmitted to the 33 kV level																																												
15		Energy transmitted to the 11 kV level																																												
16		Energy Lost in EHV feeders feeding EHV Consumers (12+13+14+15)																																												
17		Total Loss in EHV feeders feeding EHV Consumers $[16/(12)*100]\%$																																												
B		System Losses At 33 kV																																												
1		Energy injection at 33 kV level from MP Transco EHV s/s																																												
2		Direct Injection at 33 kV which is not included in scheduled energy																																												
3		Total Energy input at 33kV Voltage level (1+2)																																												
4		Energy sold at this voltage level																																												
5		Energy transmitted to the 11 kV voltage level																																												
6		Energy Lost (3-4-5)																																												
7		Total Loss in the system $[6/(3)*100]\%$																																												
C		Losses At 11 kV + LT																																												
1		Energy received into the system from 33 kV system																																												
2		Direct Energy Injection at 11 kV level from MP Transco EHV s/s																																												
3		Direct Injection at 11 kV which is not included in scheduled energy																																												
4		Total Energy input at 11kV Voltage level (1+2+3)																																												
5		Energy sold at 11 kV voltage level																																												
6		Energy sold at LT voltage level																																												
7		Total Energy sold at 11kV + LT level (5+6)																																												
8		Energy transmitted to the next (lower) voltage level																																												
9		Energy Lost (4-7)																																												
10		Total Loss in 11kV + LT system $[8/(4)*100]\%$																																												
D		LT System Losses																																												
1		Energy received into the system																																												
2		Energy sold at this voltage level																																												
3		Energy Lost																																												
4		Total Loss in the system $(3/1)*100\%$																																												
E		Distribution system losses																																												
1		Energy In (A12)																																												
2		Energy Out (A13+B4+C7)																																												
3		Total Distribution Losses $(1-2)/(1)*100\%$																																												
F		Overall Losses																																												
1		Total Energy Lost (A3+A8+A16+B6+C8)																																												
2		Energy Out (A13+B4+C7)																																												
3		Total T&D Loss $[(1)/(1+2)*100]\%$																																												

Distribution Losses

Form No: P2

Name of Distribution Licensee									
Sl.No.	Particulars	Units		PY		CY		MYT 2013-14 to 2015-16	
		FY11		FY12		FY13		FY14	
	Energy input received by the Discom at all voltage levels								
		MU							
1	Energy sold by the Discom for all categories of consumers								
		MU							
2	Actual Distribution losses in %								
		%							
3	Normative distribution losses								
		%							

Physical Details of the network

Name of Distribution Licensee									
Sl.No.	Particulars	FY11		FY12		FY13		FY14	
		At the start of year	Additions during the year	Withdrawal At the end of year	At the end of year	Additions during the year	Withdrawal At the end of year	Additions during the year	Withdrawal At the end of year
		At the start of year	At the end of year	At the end of year	At the end of year	At the end of year	At the end of year	At the end of year	At the end of year
1	Length of lines (dkt-km)								
	- 33KV								
	- 11KV								
	- LT								
	Total								
2	Number of 33/11KV substations								
3	No. of Power Transformers								
	Total MVA capacity of power transformers								
3	Number of Distribution Transformers								
	Total MVA capacity of Distribution Trfs.								

Form P3

Name of Distribution Licensee

Monthly Projection of Sales

Form No: R1

	MU	MU	MU
Month	FY 14	FY 15	FY 16
April			
May			
June			
July			
August			
September			
October			
November			
December			
January			
February			
March			

Summary of Actual / estimated Revenue from sale of power

Name of Distribution Licensee

Rs in Crore

Form R2

Particulars	Previous Year (Actuals) FY 12	Current Year (Estimates) FY 13	MYT Period (Projected at Current Tariffs)		
			First Year FY 14	Second Year FY 15	Third Year FY 16
LOW TENSION					
LV 1: DOMESTIC					
LV 2: NON-DOMESTIC					
LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS					
LV 4: LT INDUSTRY					
LV 5: IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE					

Name of Distribution Licensee

Revenue from Current Tariff & Charges for LT consumers in urban area

Form R3

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals)	Current Year (Estimates)	YT Period (Projected at Current Tariff)		
					First Year	Second Year	Third Year
LOW TENSION							
LV I: DOMESTIC							
Metered							
Basic Rate							
0 to 30 Units	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
Upto 30 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
51 to 100 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
101 to 300 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
301 to 500 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
above 500 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
	Consumers	Nos.					

		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>Sub-Total General</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>Temporary</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>supply through DTR meter for jhuggi/jhopdi</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>un-metered</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>Total - LV 1 Domestic</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
		Total Revenue	Rs. Crs.				
	<i>LV 2.1</i>						
	<i>sanctioned load based tariff</i>						
		Consumers	Nos.				
		Connected Load	KW				
		Sales	MU				

		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	Total LV 2 Non-Domestic								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS								
	PUBLIC WATER WORKS								
	Municipal Corporation/ Cantonment Board								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	Municipality / Nagar Panchayat								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	Gram Panchayat								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	Sub-Total General								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
	Temporary								
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						

	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Demand Based - CD and CL Up to 100HP									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Demand Based - CD 100HP and CL Up to 150HP									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Demand Based - CD 101HP to 150 HP and CL Up to 150HP									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total General									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Temporary									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Total LV 4 LT Industrial									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

LV 5.1: IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE									
<i>Metered</i>									
Permanent Connections - For agriculture Use									
first 300 units									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				
Above 300 to 750 units									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				
Above 750 Units									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				
Temporary Connections									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				
Sub-Total Metered connections									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				
un-metered consumers									
Permanent Connections - For agriculture Use									
first 300 units									
	Consumers				Nos.				
	Connected Load				KW				
	Sales				MU				
	Revenue from Fixed Charges				Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges				Rs. Crs.				
	Total Revenue				Rs. Crs.				

Above 300 to 750 units	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
Above 750 Units	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
Temporary Connections	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
Sub-Total Un-Metered connections	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
DTR metered group consumers	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Permanent Connections	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
Total LV 5.1	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
LV 5.2: Other than agriculture use - Horticulture	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
first 300 units	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							

	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 300 to 750 units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 750 Units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Temporary Connections									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
5.3 For other than agriculture use									
Upto 25 HP in Urban Area									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Upto 25 HP in Rural Area									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

[illegible]

Name of Distribution Licensee

Form R4

Revenue from Current Tariff & Charges for LT consumers in rural area

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals)	Current Year (Estimates)	YT Period (Projected at Current Tariff)	First Year	Second Year	Third Year
LOW TENSION								
LV 1: DOMESTIC								
Metered								
Basic Rate								
0 to 30 Units	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
Upto 50 units								
	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
51 to 100 units								
	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
101 to 300 units								
	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
301 to 500 units								
	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						
	Sales	MU						
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
	Total Revenue	Rs. Crs.						
above 500 units								
	Consumers	Nos.						
	Connected Load	KW						

	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
Sub-Total General						
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
Temporary						
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
	supply through DTR meter for jhuggi/ jhopdi					
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
un-metered						
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
Total - LV 1 Domestic						
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				
	Total Revenue	Rs. Crs.				
LV 2.1						
	sanctioned load based tariff					
	Consumers	Nos.				
	Connected Load	KW				
	Sales	MU				
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.				
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.				

Total LV 2 Non-Domestic		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
LV 3: PUBLIC WATER WORKS AND STREET LIGHTS									
PUBLIC WATER WORKS									
Gram Panchayat									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Temporary									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total Public Water Works									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
STREET LIGHTS (incl. Traffic Signals)									
Gram Panchayat									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Total - LV 3 PWW and Street Lights									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
LV 4: LT INDUSTRY									

LV 5.1: IRRIGATION PUMP FOR AGRICULTURE									
<i>Metered</i>									
Permanent Connections - For agriculture Use									
first 300 units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 300 to 750 units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 750 Units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
<i>Temporary Connections</i>									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
<i>Sub-Total Metered connections</i>									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
<i>un-metered consumers</i>									
Permanent Connections - For agriculture Use									
first 300 units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 300 to 750 units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Above 750 Units									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Temporary Connections									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
5.3 For other than agriculture use									
Upto 25 HP in Urban Area									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Upto 25 HP in Rural Area									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Demand base Tariff Upto 100HP- urban area									
	Consumers								

	Connected Load								
	Sales								
	Revenue from Fixed Charges								
	Revenue from Variable Charges								
	Total Revenue								
	Demand base Tariff Upto 100HP- rural area								
	Consumers								
	Connected Load								
	Sales								
	Revenue from Fixed Charges								
	Revenue from Variable Charges								
	Total Revenue								
	Sub-Total								
	Consumers			Nos.					
	Connected Load			KW					
	Sales			MU					
	Revenue from Fixed Charges			Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges			Rs. Crs.					
	Total Revenue			Rs. Crs.					
	TOTAL LV 5 AGRICULTURE								
	Consumers			Nos.					
	Connected Load			KW					
	Sales			MU					
	Revenue from Fixed Charges			Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges			Rs. Crs.					
	Total Revenue			Rs. Crs.					
	TOTAL LOW TENSION- RURAL AREA								
	Consumers			Nos.					
	Connected Load			KW					
	Sales			MU					
	Revenue from Fixed Charges			Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges			Rs. Crs.					
	Total Revenue			Rs. Crs.					

Name of Distribution Licensee

Total Revenue from Current Tariff & Charges (LT URBAN + RURAL AND HT)

Form R5

Particulars	Parameter	Unit of measurement	Previous Year (Actuals)	Current Year (Estimates)	YT Period (Projected at Current Tariff)		
					First Year	Second Year	Third Year
LOW TENSION							
LV 1: DOMESTIC							
Metered							
Basic Rate							
0 to 30 Units	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
Upto 30 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
51 to 100 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
101 to 300 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
301 to 500 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
above 500 units							
	Consumers	Nos.					
	Connected Load	KW					
	Sales	MU					
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.					
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.					
	Total Revenue	Rs. Crs.					
Sub-Total General							

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

HV 3.2: Non-industrial use									
11kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
33kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
132kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
Sub-Total HV 3.2: Non-Industrial Use									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
HV 3.3: Shopping Mall									
11kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
33kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							
132kV supply									
	Consumers	Nos.							
	Connected Load	KW							
	Sales	MU							
	Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.							
	Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.							
	Total Revenue	Rs. Crs.							

		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
HV-S: HT IRRIGATION AND WATER WORKS					
<i>Public water works/ Group Irrigation/Lift Irrigation</i>					
	132 kV				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	33 kV				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	11 kV				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	Sub-Total				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	<i>Other agriculture users</i>				
	132 kV				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	33kV supply				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		
	11kV supply				
		Consumers	Nos.		
		Connected Load	KW		
		Sales	MU		
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.		
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.		
		Total Revenue	Rs. Crs.		

		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
11 KV									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Sub-Total 6.2									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
TOTAL HV 6									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
HV 7: BULK SUPPLY TO EXEMPTIES									
Cooperative Societies having mixed use									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Mixed domestic and agricultural use - Notified Rural areas									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
Mixed domestic and non-domestic use -Urban areas									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						
TOTAL HV 7									
		Consumers	Nos.						
		Connected Load	KW						
		Sales	MU						
		Revenue from Fixed Charges	Rs. Crs.						
		Revenue from Variable Charges	Rs. Crs.						
		Total Revenue	Rs. Crs.						

ANNEXURE – II**Depreciation Schedule**

S.No.	Asset Particulars	Depreciation Rate (salvage Value = 10 %)
		SLM
A	Land under full ownership	0.00%
B	Land under lease	
a	For investment in land	3.34%
b	For cost of clearing the site	3.34%
c	Assets purchased new	
(a)	Building & Civil Engineering works of	
(i)	Offices and showrooms	3.34%
(ii)	Temporary erections such as wooden structures	100.00%
(iii)	Roads other than Kutchha roads	3.34%
(iv)	Others	3.34%
(b)	Transformers, Kiosk, sub-station equipment & other fixed apparatus (including plant)	
(i)	Transformers including foundations having rating of 100 KVA and over	5.28%
(ii)	Others	5.28%
(c)	Switchgear including cable connections	5.28%
(d)	Lightning Arrestors	
(i)	Station type	5.28%
(ii)	Pole type	5.28%
(e)	Synchronous condenser	5.28%
(f)	Batteries	5.28%
(i)	Underground cable including joint boxes	5.28%

(ii)	Cable & System	5.28%
(g)	Overhead Lines on fabricated steel operating at terminal voltages of upto and higher than 66 KV	5.28%
(h)	Meters	5.28%
(i)	Self propelled vehicles	9.50%
(j)	Air Conditioning Plants	
(i)	Static	5.28%
(ii)	Portable	9.50%
K(i)	Office furniture and furnishing	6.33%
K(ii)	Office equipment	6.33%
K(iii)	Internal wiring including fittings and apparatus	6.33%
K(iv)	Street Light fittings	5.28%
(l)	Apparatus let on hire	
(i)	Other than motors	9.50%
(ii)	Motors	6.33%
(m)	Communication equipment	
(i)	Radio and high frequency carrier system	6.33%
(ii)	Telephone lines and telephones	6.33%
(n)	LT equipments	15.00%
(o)	Any other assets not covered above	5.28%